डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 03.02.2025 से 09.02.2025
▶ वर्ष-42 ▶ अंक-06 ▶ मूल्य ₹ 10.00

इंदौर देश का वेटलैण्ड शहर बनना गौरव का क्षण, इंदौर और उदयपुर रामसर साइट में शामिल

इंदौर, प्रदेश के नाम एक और उपलब्धि तब जुड़ गई जब रामसर कन्वेंशन द्वारा इंदौर शहर को प्रतिष्ठित वेटलैण्ड सिटी घोषित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर की इस उपलब्धि को देश और प्रदेश की उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था रामसर द्वारा वेटलैण्ड शहरों की सूची जारी की गई है। इसमें उन शहरों को सम्मानित किया गया है जो वेटलैंड्स का संरक्षण करने के साथ-साथ शहरी विकास में भी उत्कृष्ट योगदान देते हैं। इसमें पहली बार देश के दो शहरों इंदौर और उदयपुर को भी शामिल किया गया है।

देश की पहली वेटलैण्ड सिटी इंदौर

रामसर कन्वेंशन द्वारा दुनिया के 31 शहरों को वेटलैण्ड सिटी के रूप में मान्यता देते हुए घोषणा की गई है। देश में पहली बार दो शहरों को एक साथ वेटलैण्ड शहर के रूप में मान्यता दी है। इनमें इंदौर और उदयपुर को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा इंदौर का नाम रामसर कन्वेंशन को प्रतिष्ठित वेटलैंड सिटी के रूप में मान्यता के लिए नामांकित किया गया था। केन्द्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने बताया कि इससे इंदौर और उदयपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक ब्रांडिंग के रूप में पहचान मिलेगी।

क्या है रामसर साइट्स

रामसर संधि, जिसे "वेटलैंड्स पर हुई संधि" भी कहा जाता है। यह संधि वर्ष 1971 में ईरान के रामसर नामक स्थल पर विश्व के विभिन्न देशों ने हस्ताक्षरित की थी। इस प्रकार यह एक अंतर-सरकारी संधि है, जो आर्द्र भूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण के फ्रेमवर्क उपलब्ध करवाती है। इन उपलब्ध मापदंड के अनुसार आर्द्र भूमि को संरक्षित करने के लिए सहायता प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री ओसाका में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र में शामिल हुए

अपने लिए नहीं दूसरों को रोज़गार और जीवन देने के लिये उद्यमी करते हैं व्यवसाय - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जापान के ओसाका में उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए

- मध्यप्रदेश, विभिन्न सेक्टर्स में निवेशकों के स्वागत को तत्पर।
- पर्यटन, आईटी, माइनिंग एवं नवकरणीय ऊर्जा पर दिया प्रेजेंटेशन।
- प्रदेश इलनेस से वेलनेस तक फ्यूचर रेडी इंडस्ट्रीज में निवेश के लिए तैयार।
- ओसाका में उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद किया।
- भोपाल जीआईएस के लिए निवेशकों को दिया आमंत्रण।

भोपाल, जापान और भारत में अनेक समानताएं हैं। दोनों देशों के बीच संबंध केवल राजनयिक या आर्थिक नहीं हैं बल्कि यह आत्मीयता, सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी सम्मान पर आधारित एक गहरी मित्रता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के ओसाका में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र के दौरान कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते सदियों पुराने हैं जो बौद्ध धर्म, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सहयोग से सशक्त हुए हैं। यहां की सूर्यनारायण संस्कृति हो या गौतम बुद्ध के बताये मार्ग, दोनों ही देशों में समान रूप से दिखाई देते हैं। इन दोनों देशों की आत्मीयता देखकर यह भी कहा जा सकता है कि जैसे भारत और जापान दो बिछड़े भाई हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान जीवन के प्रति आस्था का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि जापान के उद्योगों के लिये मध्यप्रदेश में निवेश के अच्छे अवसर हैं।

समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस, प्रचुर खनिज संसाधन, स्वच्छतम् राज्य और देश के दूसरे बड़े शहरों से आवागमन के साधनों से अच्छी तरह कनेक्टेड है, साथ ही राज्य में उद्योग-मित्र नीतियां लागू की गई हैं।

जापान हर संकट और हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान हर संकट और हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा है। इसलिए हमारे देश एवं प्रदेश में जिन जापानी उद्योग समूहों ने निवेश किया वह हमारे निकट मित्र बन कर आज भी हमारे साथ हैं। हम अपनी 25 से अधिक नीतियों के साथ निवेशकों को लाभ देने के लिए जापान के सभी उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि हम निवेश के इच्छुक उद्यमियों के लिए और भी आकर्षक नीतियां लागू कर सकते हैं, यहां तक कि उनकी निवेश लागत का 200 प्रतिशत तक वापस करने के लिए भी तैयार हैं।

संक्षिप्त खबर

औद्योगिक नीति में प्रोत्साहन से निवेशक होंगे आकर्षित

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिल्डिंग सर्विसेज एण्ड इण्डस्ट्रियल कम्पनी इबारा कॉर्पोरेशन के ओवरसीज बिजनेस डिवीजन के एक्जिक्यूटिव श्री मासाहिरो सेरीकावा से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक पम्पों, कम्प्रेशरों और जल उपचार प्रणालियों के लिये विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास सुविधा के लिये एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिये नई औद्योगिक नीति के तहत विशेष प्रोत्साहन और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वच्छ जल आपूर्ति और जल निकासी प्रणालियों, औद्योगिक इंजन और पम्पों के उत्पादन के लिये जापानी तकनीकों और विशेषज्ञों के सहयोग से नई साझेदारी विकसित होगी।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान स्थित भारतीय दूतावास में इंटैक्टिव सेशन ऑन "इनवेस्टमेंट अपोर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश" कार्यक्रम में उद्योगपतियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व बन्धुत्व की भावना के साथ नई वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। जापान ऐतिहासिक रूप से गौतम बुद्ध की परंपरा से जुड़ा है और भारत गौतम बुद्ध की धरती है। भारत और जापान का सदियों से परस्पर संबंध रहा है। प्राचीनकाल से आधुनिक युग तक जापान का समृद्ध इतिहास रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस यात्रा से मध्यप्रदेश-जापान की मित्रता में एक नये अध्याय की शुरुआत होगी।

प्रदेश में बढ़ी उद्योग समूहों की रुचि

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक दशक में तीन गुना बढ़ी है, अर्थव्यवस्था को अगले पाँच साल में दो गुना करना सरकार का लक्ष्य है। पूंजीगत व्यय और शासकीय व्यय में पिछले एक साल में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो प्रदेश की प्रगति का द्योतक है।

जापान से जुड़े हैं प्रदेश के व्यावसायिक संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान अपनी विशिष्ट जीवन शैली और औद्योगिक शैली के आधार पर आर्थिक संपन्नता में महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करने वाला देश है। प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि जापान से मध्यप्रदेश के व्यावसायिक संबंध भी जुड़े हैं। वर्ष 2023-24 में मध्यप्रदेश से जापान को 92.8 मिलियन डॉलर का निर्यात किया गया, इनमें एल्युमिनियम से बनी वस्तुएं, कार्बनिक रसायन, परमाणु रिएक्टर्स, बॉयलर्स, यांत्रिक उपकरण, फार्मास्युटिकल उत्पाद सहित अन्य मशीनरी शामिल हैं। जापान में मैन्युफैक्चरिंग और अन्य क्षेत्रों से जुड़े उद्योग भी हैं।

कौशल विकास के क्षेत्र में प्रतिभा को नया आयाम दे रहा है श्रमोदय आईटीआई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रमोदय मॉडल आईटीआई भोपाल के मेधावी प्रशिक्षणार्थियों को राज्य स्तर के एससीवीटी परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमोदय मॉडल आईटीआई न केवल श्रमिक परिवारों के बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि कौशल विकास के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा को नये आयाम भी दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सफलता न केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि प्रदेश के श्रमिक परिवारों की आशाओं और उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी भी है।

संविधान कराता है गौरव और स्वाभिमान के साथ अधिकारों और कर्तव्यों का बोध - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 76वें गणतंत्र दिवस पर इंदौर के नेहरू स्टेडियम में झंडा वंदन करते हुए प्रदेशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्र के जन-गण-मन में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व-गुण में यह संभव हुआ है। संपूर्ण विश्व में भारत की गरिमा और साख बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संविधान गौरव और स्वाभिमान के साथ हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का बोध भी कराता है। एक वर्ष में प्रदेश के चहुँमुखी विकास के साथ प्रदेश की जनता के हित में जन-सहयोग से जो कार्य हुए हैं, उनसे मध्यप्रदेश विकसित राज्य के रूप में पहचान बना रहा है। इस उपलब्धि का श्रेय प्रदेश के लगभग साढ़े आठ करोड़ नागरिकों को जाता है, जो इस पहचान के शिल्पकार रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशानुरूप विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश की हमारी यात्रा निरंतर चल रही है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए पुरस्कृत

समारोह में उत्कृष्ट परेड पर प्लाटूनों को पुरस्कृत किया गया। "अ" वर्ग में प्रथम पुरस्कार 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल तथा द्वितीय पुरस्कार सीमा सुरक्षा बल को दिया गया। "ब" वर्ग में प्रथम पुरस्कार एनसीसी और द्वितीय पुरस्कार जिला यातायात पुलिस बल को मिला। "स" वर्ग का प्रथम पुरस्कार सृजन तथा द्वितीय पुरस्कार रेडक्रास को दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिल्ली पब्लिक स्कूल को प्रथम, माँ उमिया देवी पाटीदार कन्या स्कूल राऊ को द्वितीय और अहिल्या आश्रम 02 को तृतीय स्थान मिला।

18 विभागों द्वारा निकाली गई नयनाभिराम झाँकियां

गणतंत्र दिवस समारोह में शासकीय विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों पर आधारित नयनाभिराम झाँकियाँ निकाली गईं। इनमें मुख्य रूप से नगर निगम इंदौर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत कचरे का रीयूज और रीसाइकल करना शामिल थे, ताकि कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके।

25 जनवरी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की आवेदन प्रक्रिया में बदलाव

● संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए

आवेदन करते समय ही उम्मीदवारों को आयु और आरक्षण संबंधी दावों से जुड़े दस्तावेज अनिवार्य रूप से देने होंगे। पूर्व में प्रांरभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उम्मीदवारों को यह दस्तावेज अपलोड करने होते थे। अब आवेदन करते समय उम्मीदवारों को जन्म तिथि का प्रमाण, श्रेणी (जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, पीडब्ल्यूबीडी, या भूतपूर्व सैनिक), शैक्षिक योग्यता, सेवा वरीयता से संबंधित जानकारी और दस्तावेज जमा करने होंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में यह कदम उठाया गया। उन पर आरोप है कि वो ओबीसी और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से लाभ उठाकर सिविल सेवा में चयनित हुई थीं।

● केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने टेम्परेरी आइडेंटिफिकेशन नंबर (टिन) जारी करने के लिए जीएसटी नियमों में बदलाव किए हैं। सेंट्रल जीएसटी कानून में नियम 16ए पेश करते हुए सीबीआईसी ने कहा कि जिन व्यक्ति या संस्थाओं को जीएसटी रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं है, लेकिन जीएसटी अधिनियम प्रावधान के तहत टैक्स भुगतान करना जरूरी है, वे अब एक अस्थायी पहचान संख्या (टिन) प्राप्त कर सकते हैं। जीएसटी नियमों के तहत, मैन्युफेक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में क्रमशः 40 लाख और 20 लाख रुपये के सालाना कारोबार वाले बिजनेस के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी है।

26 जनवरी

एक अप्रैल से लागू होगी यूनीफाइड पेंशन स्कीम

● केंद्र सरकार ने यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के लिए अधिसूचना जारी कर दी

है। इसके तहत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति से पहले के अंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन मिलेगी। इसका लाभ उन कर्मचारियों को मिलेगा जो पहले से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से जुड़े हैं और साथ ही इस विकल्प को चुनेंगे। यूपीएस अपनाने वाले कर्मियों के महंगाई भत्ते भी में समय-समय पर वृद्धि होगी। यह स्कीम देशभर में एक अप्रैल 2025 से लागू होगी। अधिसूचना के अनुसार सेवा से हटाए जाने, बर्खास्तगी या कर्मचारी के इस्तीफे की स्थिति में यूपीएस का सुनिश्चित भुगतान उपलब्ध नहीं होगा।

● केंद्र सरकार ने वीरता (गैलेंट्री) और सेवा पदक (सर्विस मेडल) के लिए 942 नामों की घोषणा की। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक पाने वाले 101 लोग हैं। सराहनीय सेवा के लिए मेडल पाने वाले 746 कर्मी हैं। कश्मीर जोन के पूर्व आईजी श्री विजय कुमार सहित जम्मू-कश्मीर के 15 पुलिस अधिकारियों को वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनमें से सात अधिकारियों ने तीन वर्ष पहले अमरनाथ यात्रा के दौरान आतंकवादी हमले को नाकाम किया था। 95 कर्मियों को वीरता पदक दिया जाएगा। इनमें से 5 कर्मियों को मरणोपरांत सम्मानित किया जाएगा। इनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं मुजम्मिल, हेड कांस्टेबल गिरजेश कुमार उद्दे (बीएसएफ), कांस्टेबल सुनील कुमार पांडे (सीआरपीएफ), हेड कांस्टेबल रवि शर्मा (एसएसबी) और सिलेक्शन ग्रेड फायरमैन सतीश कुमार रैना शामिल हैं। डीएसपी हुमायूं सितंबर 2023 में दक्षिण कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हो गए थे।

27 जनवरी

एनटीए ने किया नीट यूजी के पैटर्न में बदलाव

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी-2025 के परीक्षा पैटर्न में बदलाव

किया है। अब नीट यूजी में 180 सवाल ही पूछे जाएंगे। इसमें 45-45 सवाल फिजिक्स एवं केमिस्ट्री के होंगे और 90 सवाल बायोलॉजी से आएंगे। परीक्षा की अवधि तीन घंटे ही रहेगी। उल्लेखनीय है कि पहले 20 अतिरिक्त सवालों को पढ़ने के लिए तीन घंटे 20 मिनट मिलते थे। पहले नीट के तीन विषय दो-दो सेक्शन में विभाजित थे। फिजिक्स एवं केमिस्ट्री के सेक्शन ए में 35-35 सवाल तथा सेक्शन-बी में 15-15 सवाल आते थे। इन दोनों के सेक्शन बी में से छात्रों को 10 सवाल हल करने होते थे। बायोलॉजी के दोनों सेक्शन (बॉटनी और ज्यूलॉजी) में भी यही पैटर्न था। सेक्शन बी समाप्त कर दिया गया है।

● नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) ने मध्य प्रदेश भोज ओपन यूनिवर्सिटी, भोपाल को वोकेशनल और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स का असेसमेंट करने और अवॉर्ड देने की मंजूरी दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि भविष्य में अन्य क्षेत्रों में वोकेशनल कोर्स और स्किल डेवलपमेंट कोर्स के लिए भी मंजूरी मिल सकेगी। वहीं, यूजी कर रहे छात्र इन कोर्स को कर क्रेडिट ट्रांसफर भी करा सकते हैं। एनसीवीईटी का उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में मानकों का पालन करवाना है।

28 जनवरी

जेईई एडवांस्ड के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ने वालों को देना होगा विड्राअल सर्टिफिकेट

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में नामांकन के लिए जेईई

एडवांस्ड में तीसरे अटेम्प्ट को लेकर आईआईटी कानपुर ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। तीसरा अटेम्प्ट केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को दिया जा रहा है, जिन्होंने पांच से 18 नवम्बर के मध्य अपने प्रवेशित कॉलेज से सीट विड्रॉ कर ली थी। जेईई एडवांस्ड का तीसरा अटेम्प्ट देने वालों को परीक्षा में बैठने के लिए संबंधित संस्थान के हेड से विड्राअल सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। इस सर्टिफिकेट पर स्टाम्प के साथ संस्थान के अध्यक्ष का हस्ताक्षर जरूरी होगा। इसी प्रकार नोटरी पब्लिक से दस रुपये के स्टाम्प पर एक एफिडेविट भी बनवाना होगा। विड्राअल लेटर का नोटिफिकेशन भी संबंधित कॉलेज व संस्थान से हासिल करना होगा। कॉलेज विड्राअल की अवधि पांच नवंबर से लेकर 18 नवंबर तक ही होनी चाहिए।

● केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने पुराने बीएस-II वाहन स्क्रैप कर नए वाहन खरीदने पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में, व्यक्तिगत वाहनों पर 25 प्रतिशत और व्यावसायिक वाहनों पर 15 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। नया प्रस्ताव मंजूर होने पर यह छूट दोगुनी हो सकती है। इस कदम का उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण सुधार और आर्थिक प्रोत्साहन है। उपभोक्ता और व्यावसायिक वाहन मालिक मोटर वाहन कर में भारी छूट का लाभ उठा सकेंगे, जिससे उनकी परिचालन लागत कम होगी।

29 जनवरी

फूड सेफ्टी ऑफिसर परीक्षा में अब हिंदी में भी पूछे जायेंगे प्रश्न

● मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की फूड सेफ्टी ऑफिसर परीक्षा में पार्ट-बी में अंग्रेजी भाषा के अलावा हिंदी का विकल्प भी दिया जाएगा। इस संबंध में एमपीपीएससी ने सूचना जारी कर दी है। एमपीपीएससी के अनुसार पार्ट-बी के तहत खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी विषय के प्रश्न पूछे जाने हैं। इसका हिंदी भाषा में पाठ्यक्रम जल्द ही आयोग की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। फूड सेफ्टी ऑफिसर-2024 भर्ती परीक्षा इस वर्ष जून में आयोजित की जानी है।

● जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज ने भारतीय पेशेवरों के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है और अगले कुछ वर्षों में कम से कम 50 हजार भारतीय पेशेवर जापान आएंगे। उन्होंने कहा कि भारत में इस समय 1500 जापानी कंपनियां हैं और इन्हें 15 हजार तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इनमें लघु और मध्यम उद्योग भी शामिल हैं। राजदूत सिबी जॉर्ज ने दोनों देशों को समान विचारधारा वाला बताते हुए कहा कि भारत और जापान क्षेत्रीय सुरक्षा व समृद्धि के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा और इन नई पहलों के साथ, भारत-जापान संबंध, व्यापार, मानव संसाधन और वैश्विक सहयोग के क्षेत्रों में एक नई ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं।

30 जनवरी

पीजी मेडिकल में निवास आधारित आरक्षण खत्म

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मेडिकल के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के राज्य कोटे में निवास (डोमिसाइल) आधारित आरक्षण अस्वीकार्य है। कोर्ट ने उसे समानता का अधिकार प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करने वाला बताते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिन छात्रों को पहले ही निवास आधारित आरक्षण मिल चुका है, इस फैसले का उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जस्टिस हृषिकेश राय, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि राज्य कोटे की सीटों को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की मेरिट के आधार पर भरा जाए। पीठ ने कहा कि हम सभी भारत के निवासी हैं। प्रांतीय या प्रादेशिक निवास जैसी कोई चीज नहीं है।

● केन्द्र सरकार ने 16,300 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (एनसीएमएम) को मंजूरी दी है। इस मिशन के गठन की घोषणा जुलाई, 2024 में आम बजट में की गई थी। यह मिशन देश की सरकारी व निजी कंपनियों को बहुमूल्य धातुओं से संपन्न देशों में इनके खदानों को खरीदने या अधिग्रहण करने में आर्थिक एवं दूसरी मदद देगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एनसीएमएम की अवधि वर्ष 2025 से वर्ष 2031 के लिए होगी। इसे खनन मंत्रालय लागू करेगा। मिशन सिर्फ खानों तथा खनिजों की खरीद की ही नहीं बल्कि इसके लिए देश में आवश्यक प्रशिक्षित श्रम बल तैयार करने, वित्तीय ईकोसिस्टम बनाने का भी काम करेगा।

31 जनवरी

भारत तैयार करेगा अपना एआई मॉडल

● केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत खुद अपना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिस्टम बनाने जा रहा है और इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कॉमन कंप्यूटिंग सुविधा के तहत 18,693 जीपीयू को तैयार करने की घोषणा की। श्री वैष्णव ने भारत को वैश्विक एआई केंद्र में लाने का वादा करते हुए कई घोषणाएं की और कहा कि एक एआई सुरक्षा संस्थान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, अगस्त 2024 से शुरू हुए इस मिशन में हमने इसका पहला और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ कॉमन कंप्यूट सुविधा तैयार कर ली है।

● अमरीकी सीनेट में तीन रिपब्लिकन सांसदों द्वारा पेश विधेयक में जन्मजात नागरिकता के अधिकार को खत्म करने की मांग की गई है। विधेयक में कहा गया है कि जन्मजात नागरिकता कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। पूरी दुनिया में अमेरिका समेत कुछ देश ही हैं, जो जन्मजात नागरिकता देते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ के अगले ही दिन एक कार्यकारी आदेश जारी कर जन्मजात नागरिकता अधिकार पर रोक लगा दी थी, लेकिन एक अमरीकी अदालत ने इस आदेश को लागू होने से रोक दिया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला
साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही ख़रीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 06 03.02.2025 से 09.02.2025

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण ही हमारा लक्ष्य

मध्यप्रदेश सरकार का प्रयास है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की रोशनी पहुंचे। इसी उद्देश्य के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में 11 दिसंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया गया। यह अभियान सरकार की प्राथमिकताएं दोहराते हुए समाज के हर व्यक्ति तक विकास का लाभ और उसके कल्याण की योजनाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अनुसार हमारी सरकार डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की मूल भावना और महात्मा गांधी के समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की चिंता के अनुरूप कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य समाज के हर तबके तक सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों को पहुंचाना है। इस अभियान के माध्यम से हमने जन-जन तक पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान किया और विकास की धारा को और अधिक मजबूत किया है। अभियान के दौरान प्रदेश में लाखों लोगों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ दिया गया। अभियान के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में बताया कि अभियान के तहत शासकीय सेवाओं को तेज और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। ग्रामीण और शहरी इलाकों में जरूरतमंदों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिया गया। इंदौर में जब यह अभियान समाप्त हुआ, तो लाखों की संख्या में जनता ने कार्यक्रम में आकर उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने पर बेहद प्रसन्नता व्यक्त की। जनकल्याणकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर प्रदेश सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। बाबा साहेब ने समरसता और समानता का जो अधिकार दिया है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे आगे बढ़ाते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास से जोड़ा गया है। जनकल्याण अभियान के समापन अवसर पर पूरे प्रदेश में शासकीय अमले द्वारा अलग-अलग सभी शासकीय योजनाओं जिसमें 63 प्रकार की योजनाओं पर घर-घर सम्पर्क किया गया। बड़े पैमाने पर 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के एक-एक हितग्राही को चिह्नित करते हुए उन्हें लाभान्वित कराने के लिए मैदानी अमले द्वारा जिस शिद्दत से प्रयास किया गया है, यह अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी (GYAN) के समग्र विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार समान रूप से काम कर रही है। सबके जीवन में बेहतरी लाने और सबके कल्याण के लिए हमने अलग-अलग मिशन, कार्यक्रम बनाये हैं। 'प्राचीन विरासत से जुड़कर विकास के अभियान' के अंतर्गत देवी अहिल्या बाई की राजधानी महेश्वर में कैबिनेट मीटिंग करके यह संदेश दिया कि प्रदेश की महान विरासत पर हमें गर्व है। महारानी दुर्गावती को स्मरण करते हुए गोंडवाना साम्राज्य के महान अतीत को भी याद किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अनुसार प्रदेश में आगामी 24-25 फरवरी 2025 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में होने वाली है। इससे पहले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के जरिए सभी युवाओं को रोज़गार दिलाने और उनकी बौद्धिक क्षमता का राज्य के हित में उपयोग करने के लिए काम कर रहे हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं से न सिर्फ जनता का विश्वास कायम कर रहे हैं, बल्कि प्रदेश की बेहतरी के लिए हम सबको साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

औपनिवेशिक काल में 64.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति भारत से ब्रिटेन पहुंची

भारत के सोने की चिड़िया होने की कहानी हम सभी ने सुनी है। यह महज कहावत नहीं है। पिछले दिनों ब्रिटिश शोधकर्ताओं द्वारा किये गये शोध के बाद जो रिपोर्ट सामने आई है उससे यह स्पष्ट हुआ है कि भारत वाकई सोने की चिड़िया था। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद यह आकलन किया जा सकता है कि भारत को ब्रिटिश शासनकाल में कितना अधिक आर्थिक नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि भारत के पास इतनी संपत्ति थी कि इससे केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया खुशहाल रह सकती। दरअसल ऑक्सफैम इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन ने 1765 से 1900 तक के औपनिवेशिक काल में भारत से 64.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति ब्रिटेन ले जायी गयी। वर्तमान में भारत की कुल अर्थव्यवस्था केवल 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था करीब 28 ट्रिलियन डॉलर है। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन ने अमेरिका की मौजूदा अर्थव्यवस्था के दोगुने से अधिक की लूट की। ब्रिटेन ने जो 65 ट्रिलियन डॉलर की लूट की उसमें से 33.8 ट्रिलियन डॉलर ब्रिटेन के सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोगों के पास गए। यह राशि आज के समय में इतनी ज्यादा है कि इससे लंदन की पूरी सतह को 50 पाउंड के नोटों से ढंका जा सकता है। ऑक्सफैम के अनुसार आधुनिक बहुराष्ट्रीय कंपनियां उपनिवेशवाद से उत्पन्न हुईं और इन कंपनियों में से एक प्रमुख उदाहरण 'ईस्ट इंडिया कंपनी' है, जिसने अपने अधीन कई उपनिवेशी अपराध किए। आज भी यह कंपनियां ग्लोबल साउथ में श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं का शोषण करती हैं। रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि ग्लोबल साउथ में मजदूरी, ग्लोबल नॉर्थ की तुलना में 87 से 95 प्रतिशत तक कम है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा

निवेशकों और उद्योगों को किया मध्यप्रदेश में आमंत्रित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की चार दिवसीय जापान यात्रा से मध्यप्रदेश में निवेश के लिये जो सहमतियां बनीं, इससे जापान के निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के मध्यप्रदेश आने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि फरवरी 24-25 में आयोजित वैश्विक निवेशक समागम में जापान से एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल मध्यप्रदेश आयेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपना पदभार संभालने के पहले दिन से मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी प्रांत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। इसके लिये उन्होंने पहले क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन किये और अब वैश्विक निवेशकों को मध्यप्रदेश आमंत्रित करने के अभियान पर हैं। उनकी जापान यात्रा इसी उद्देश्य को लेकर थी। चार दिवसीय इस जापान यात्रा में डॉ. मोहन यादव ने जापान के राजनयिकों, निवेशकों, तकनीकी विशेषज्ञों और जापान में रह रहे प्रवासी भारतीयों से भी भेंट की। सभी समूहों में उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। 28 जनवरी को डॉ. यादव जब जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचे तो वहां रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने विमानतल पर भारतीय परंपरानुसार उनको तिलक लगाया, साफा पहनाया और तलवार भेंट की। अपने स्वागत के उत्तर में डॉ. मोहन यादव ने भारत और जापान के सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख किया और कहा कि मध्यप्रदेश जापान के साथ तकनीक और आर्थिक क्षेत्र में मिलकर काम करने का इच्छुक है। उन्होंने आशा प्रकट की कि इससे भारत और जापान की निकटता बढ़ेगी एवं औद्योगिकरण, कृषि, पशुपालन आदि विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को रोज़गार के अवसर मिलेंगे। इसका लाभ दोनों देशों को होगा। इस यात्रा के दौरान डॉ. मोहन यादव ने टोक्यो के एडोगावा सिटी के गांधी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने गांधीजी को प्रेम, अहिंसा और सद्भाव के सिद्धांतों का प्रेरणास्रोत बताया। यात्रा के दौरान डॉ. मोहन यादव ने 'फ्रेंड्स ऑफ एमपी-जापान' टीम से भेंट की और सहयोग के विभिन्न विषयों और गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में 'सेलिब्रेटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप रोड-शो' में सहभागिता की। इस कार्यक्रम में भारत और जापान के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और सहयोग के विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टोक्यो मेट्रोपॉलिटिन गवर्नमेंट भवन में गवर्नर सुश्री युरिको कोइके से भी मुलाकात की और राजदूत सिबी जॉर्ज द्वारा इंडिया हाउस में आयोजित रात्रि भोज में शामिल हुये। डॉ. मोहन यादव से मिलने टोयोटा कंपनी का प्रतिनिधिमंडल भी आया। इस प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर परस्पर सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस प्रतिनिधिमंडल में श्री तोशियूकी नाकाहारा महाप्रबंधक, प्रशासन एवं समर्थन विभाग, इंडिया और मिडिल ईस्ट डिवीजन और श्री मासाहिरो नोगी परियोजना महाप्रबंधक, प्रशासन एवं समर्थन विभाग, इंडिया और मिडिल ईस्ट डिवीजन शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोयोटा को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया और विशेष रूप से तकनीकी नौकरियों में युवाओं के प्रशिक्षण और सशक्तिकरण के लिए संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, टोयोटा के व्यावसायिक विस्तार के लिए एक आदर्श स्थान है। हमारी उद्योग नीतियां निवेश प्रोत्साहन और भूमि उपलब्धता और वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने में सहायक हैं। टोयोटा के अधिकारियों ने मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिवेश और निवेश के लिये अनुकूल माहौल की सराहना की और राज्य के साथ साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इम्पीरियल होटल में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग की। इसमें जापान बिजनेस फेडरेशन और जेट्रो एचक्यू जैसे बड़े औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल थे। जापान में एक समूह 'फ्रेंड्स ऑफ एमपी' भी है। इस समूह के अधिकांश सदस्य मध्यप्रदेश निवासी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समूह के बीच भी गये। इसके अतिरिक्त निवेशकों के बीच 'मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर' विषय पर आयोजित इंटरेक्टिव सेशन में संबोधित किया और मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना और सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश की विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भारत के केंद्र में स्थित है, जो उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम के लिए एक आदर्श केंद्र बिंदु बनता है। हमारे पास विशाल औद्योगिक भूमि बैंक, कुशल युवा कार्यबल और उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा है। खासतौर पर पीथमपुर ऑटोमोबाइल क्लस्टर तेजी से उभरता हुआ औद्योगिक केंद्र है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं लेकर आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की शांतिपूर्ण और आपदा-रहित स्थिति पर जोर देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश, जापान की तरह ही शांति और स्थिरता के लिए प्रसिद्ध है। राज्य प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित है, जो मध्यप्रदेश को निवेश के लिए और भी अनुकूल बनाता है। यहां की सरल और परिश्रमी जनता, तकनीकी कौशल और व्यवसाय के लिए प्रतिबद्धता के साथ उद्योगों को उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करती है। डॉ. मोहन यादव ने ट्रांसपोर्ट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश के लिये भी चर्चा की। इसमें एक बैठक ईस्ट जापान रेलवे कंपनी के साथ भी हुई। ईस्ट जापान रेलवे कंपनी और केइदानरेन के दक्षिण एशिया समिति के अध्यक्ष यूजी फुकासावा के साथ यह बैठक टोक्यो के इम्पीरियल होटल के कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुई। चर्चा के मुख्य बिंदुओं में रेलवे और ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने और निवेश की संभावना शामिल थीं। अपनी पूरी यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आर्थिक सहयोग, तकनीकी आदान-प्रदान एवं निर्यात की संभावना, प्रोजेक्ट्स, लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, ज्वाइंट वेंचर, व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंधों जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने 'इंटरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट' कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने जापान की समृद्ध परंपरा और आधुनिक उद्यमशीलता की प्रशंसा की और जापान एवं भारत के ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। निवेशकों से चर्चा के दौरान डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की विकसित होती अर्थव्यवस्था का विवरण दिया और बताया कि बीते एक दशक में मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में तीन गुना वृद्धि हुई है तथा अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है। राज्य का निर्यात भी 65 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एनर्जी, माइनिंग, एजुकेशन और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों के लिए नई नीतियां बनाई हैं इससे निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने फूड प्रोसेसिंग, आईटी पार्क, मेडिकल डिवाइस, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा में निवेशकों ने लॉजिस्टिक्स, गारमेंट और आईटी सेक्टर में अधिक रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पैनासोनिक होल्डिंग्स कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी पैनासोनिक एनर्जी लिमिटेड के प्रमुख अधिकारियों से भी भेंट की। पैनासोनिक ऊर्जा समाधान क्षेत्र में एक ग्लोबल लीडर है। इसका मुख्यालय जापान में है। कंपनी लिथियम बैटरी, वाहन में उपयोग के लिए लिथियम-आयन बैटरी, औद्योगिक या उपभोक्ता के लिए लिथियम-आयन बेटरी, भंडारण बैटरी मॉड्यूल आदि उत्पाद बनाती है। कंपनी की निर्माण इकाई उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में स्थित हैं। कंपनी टेस्ला जैसे प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रांडों के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। डॉ. मोहन यादव से चर्चा के बाद इस कंपनी ने भी मध्यप्रदेश में निवेश के लिये रुचि दिखाई। उम्मीद की जा रही है कि भोपाल में आयोजित वैश्विक इन्वेस्टर्स समिट में इस संस्थान के प्रतिनिधि भी आयेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जापान के कोबे स्थित सिस्मेक्स कारपोरेशन सॉल्यूशन सेंटर भी गये और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी और जीवन विज्ञान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की और मध्यप्रदेश में अपना अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने के लिये आमंत्रित किया। सिस्मेक्स सॉल्यूशन वैश्विक डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा अनुसंधान और हेल्थ केयर नवाचार के लिए प्रसिद्ध है। सिस्मेक्स कंपनी ने दीर्घकालिक साझेदारी के लिए अपनी सहमति भी दी। इस केंद्र की स्थापना के बाद भारत में उन्नत मेडिकल उपकरणों के अनुसंधान के द्वार खुलेंगे और जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को प्रशिक्षण प्रदान भी कर सकते हैं। इसके साथ एआई संचालित मेडिकल टेस्ट, डिजिटल हेल्थ सेवाएं और मोबाइल हेल्थ यूनिट जैसी सुविधाएं और विकसित हो सकेंगी। अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान डॉ. मोहन यादव ने क्योटो नगर में सरकारी अधिकारियों और उद्योगपतियों के साथ बैठकें कीं और यहां जापान की सांस्कृतिक और औद्योगिक प्रगति को जानने के लिए कई जगहों का भ्रमण भी किया।

डॉ. यादव की यह जापान यात्रा 24-25 फरवरी, 2025 को भोपाल में होने वाली 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' की तैयारी थी। इस वैश्विक समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करने वाले हैं। यह दो दिवसीय समिट मध्यप्रदेश के निवेश, जलवायु और औद्योगिक अवसंरचना के बेहतर प्रजेंटेशन के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। यह समिट वैश्विक नेताओं, उद्योगपतियों और विशेषज्ञों के लिए एक अवसर होगा, जहां वे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों और प्रवृत्तियों पर अपने विचार साझा करेंगे। इस दौरान मध्यप्रदेश में निवेश का एक नया इतिहास बनने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के निवेशकों को इस वैश्विक इन्वेस्टर्स समिट के लिये आमंत्रित किया। उम्मीद की जा रही है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस यात्रा से वैश्विक समिट में कृषि, डेयरी-फूड प्रोसेसिंग, फिनटेक, आईटी, रोबोटिक्स, फार्मास्युटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटोमोबाइल, नगरीय एवं औद्योगिक ढांचे, एयरोस्पेस रक्षा, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों से तकनीक विशेषज्ञ एवं निवेशक आ सकते हैं।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा - 2022

चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

क्रमांक 15029/59/2024/चयन **इन्दौर, दिनांक : 28.01.2025**

आयोग के **विज्ञापन क्रमांक 44/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - **सहायक प्राध्यापक, संस्कृत** के **कुल 17 पद** (अनारक्षित-13, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-02 ई.डब्ल्यू.एस. -01) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-04, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-निरंक, अ.पि.वर्ग-01 ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा-2022 दिनांक 09.06.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम **दिनांक 19.09.2024** को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 23.12.2024 से 26.12.2024 तक आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ. प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/44/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 44/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 02 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएवं चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 02 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (संस्कृत)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	13	0	1	2	1	17
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	4	0	0	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	170295	RAHUL KUMAR DUBEY	M	UNR	UNR
2.	170974	ATUL KUMAR SHUKLA	M	UNR	EWS
3.	170176	RAVISHANKAR DWIVEDI	M	UNR	EWS
4.	170698	SHIVAM DIXIT	M	UNR	UNR
5.	170975	JAIKISHAN NAINANI	M	UNR	UNR
6.	171436	SALONI PAWAR	F	UNRF	UNR
7.	170581	SANDEEP KUMAR	M	UNR	OBC
8.	170127	SHUBHAM PATHAK	M	UNR	UNR
9.	170039	UMANG SINGH TOMAR	M	UNR	EWS
10.	170982	MONA KUMARI	F	UNR	UNR
11.	170940	RICHA OJHA	F	UNRF	EWS
12.	170451	DHARMVEER	M	EWS	EWS
13.	171125	PRIYA JOSHI	F	UNRF	EWS
14.	170435	RASHMI	F	UNRF	OBC
15.	171143	DR. JITENDRA ARYA	M	OBC	OBC
16.	170095	JYOTI PARETA	F	OBCF	OBC
17.	170236	TEP SINGH	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	170854	ADHOKSHAJANAND OJHA	M	UNR
2.	170081	BALRAM ARYA	M	UNR
3.	171097	HEMANT PANDYA	M	EWS
4.	171093	SANJU KANWAR	F	UNR
5.	170746	SHILPI MISHRA	F	UNR
6.	170233	KAPIL YOGI	M	OBC
7.	170522	MONIKA DANGI	F	OBC
8.	170066	NURA JAMRA	F	ST

टीप :- 1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं, जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हो। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है। 2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है। 3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है। 4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू. पी. 24490/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता विज्ञापन के **परिशिष्ट-एक** में वर्णित कंडिका तीन में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

जी-22379/आर-50529/2025 **सचिव**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPN. LTD.

(A Government of M.P. Undertaking)
Regional Office, Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)
Phone: (0) +917552420301-2-3

Date: 31.01.2025

NOTICE INVITING TENDER FOR YEAR - 2024-25

Online Tender for the following works are invited on the E-procurement System **portal mptenders.gov.in** as detailed below :-

NIT No.	Subject	Probable Amount of Contract (In Lakhs)
56	Renovation/Repairing of B.T. Road (HPCL Road) I/A Pilukhedi, Distt Rajgarh (M.P.) (Length 1.350 Km)	104.32
57	Annual running security cum maintenance of are illumination (with material and labour) at Industrial Area Jambar Bagri Distt Vidisha (M.P.)	12.00
58	Annual running security cum maintenance of High mast illumination (with material and labour) at Industrial Area Pilukhedi, Distt Rajgarh (M.P.)	9.36
59	Annual running security cum maintenance of Street light/High mast illumination (with material and labour) at Industrial Area Badiyakhedi, Distt Sehore (M.P.)	39.96

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal from 01.02.2025 10:30 Hrs.

M.P. Madhyam/118586/2025 R-50542/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPN. LTD.

(A Government of M.P. Undertaking)
Regional Office, Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)
Phone: (0) +917552420301-2-3

Date : 31.01.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR YEAR - 2024-25

Online Tenders for the following works are invited on the E-procurement System **portal mptenders.gov.in** as detailed below :-

NIT No.	Subject	Amount	EMD	Tender Fees
60	Annual running security cum maintenance of Street light/High mast illumination (with material and labour) at Plastic Park Tamot, Distt. Raisen (M.P.)	29,52,000.00	29,520.00	5900.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal from 01.02.2025 10:30 Hrs.

M.P. Madhyam/118587/2025 R-50543/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-1127/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 29.01.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक **21.02.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_ WRD_ 398874	**टर्न की पद्धति पर :** 05 रोकबांध (ब्राम्हण पिपलिया, दर्जीकराडिया, कुड़ाना कायस्थखेड़ी, शाहदा रोकबांध), 04 घाटों (फरसपुर, मुण्डी, पिवड़ाय, सिवनी घाट) एवं जय जयवंती नदी पर 01 रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	इंदौर	1581.85

जी-22432/50537/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग संभाग दतिया (म.प्र.)

Phone No. : 07522-292210, E-mail : eepwddatia@mp.nic.in

क्र. 180/टेण्डर/2024-25 **दिनांक : 28.01.2025**

निविदा सूचना

निम्नानुसार कार्य की निविदा NIT No. 09/2024-25/pwd/Datia Date 28.01.2025 वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/** पर आनलाइन आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	टेण्डर आईडी	कार्य का नाम	लागत राशि	अमानत राशि	निविदा राशि	समयावधि
1.	2025_ PWDRB_ 398906_1	रतनगढ़ माता मंदिर एप्रोच मार्ग का बी.टी. रिन्युवल कार्य। लम्बाई 10.20 कि.मी.।	253.96 लाख	253960/-	15000/-	03 माह वर्षाकाल सहित।
2.	2025_ PWDRB_ 398907_1	बुन्देला कॉलोनी दतिया में पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास (50 सीटर) में बाउंड्रीवाल ऊंचाई बढ़ाने व बाउंड्रीवाल पर तार फेंसिंग का कार्य।	2.41 लाख	4820/-	2000/-	02 माह वर्षाकाल सहित।

1. निविदा आनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम **दिनांक 13.02.2025 समय 17.30 तक।**
2. निविदा ऑनलाइन खोलने का दिनांक 14.02.2025।
3. समस्त दस्तावेज आनलाइन ही मान्य किये जावेंगे। निविदा प्रतिस्पर्धा में सफल ठेकेदार को आनलाइन दस्तावेज के साथ प्रस्तुत मूल शपथ पत्र अनुबंध के समय देना अनिवार्य होगा।
4. अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-22448/50539/2025 **लो.नि.वि. संभाग दतिया (म.प्र.)**

महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट

जिला-सतना (मध्यप्रदेश) - 485 334

'Accredited "A++" Grade by NAAC'

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत शिक्षा केन्द

ऑनलाइन आवेदन हेतु प्रवेश सूचना : सत्र 2024-25 (द्वितीय चक्र : जनवरी-दिसम्बर)

पत्रांक : दूरवर्ती/प्रवेश/25/2525 **(MP Online Web Portal के माध्यम से)** **दिनांक : 25.01.2025**

दूरवर्ती शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुमोदित (F.No.22-40/2020/DEB-I Dated 22-03-2021) दूरवर्ती माध्यम **(ODL) से संचालित UG & PG Programmes** तथा दूरवर्ती माध्यम से **विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित (डिप्लोमा पाठ्यक्रम)** निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित हैं। MP Online Web Portal के माध्यम से ऑनलाइन शुल्क सहित प्रवेश आवेदन करने की **अंतिम तिथि 31 मार्च, 2025 है।**

(क) UG & PG Programmes

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्ष में)	अर्हता	पाठ्यक्रम शुल्क रु. (प्रथम वर्ष)	आवेदन-पत्र शुल्क + परीक्षा शुल्क 500+1200	प्रवेश के समय जमा करने वाली कुल राशि
1	M.A. History	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
2	M.A. Political Science	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
3	M.A. English	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
4	M.A. Hindi	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
5	M.A. Sanskrit	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
6	M.A. Rural Development	2	Graduation	5000.00	1700.00	6700.00
7	M.A. Education	2	Graduation	7500.00	1700.00	9200.00
8	Master of Social Work (M.S.W.)	2	Graduation	10000.00	1700.00	11700.00
9	Master of Commerce (M.Com.)	2	B.Com.	10000.00	1700.00	11700.00
10	B.A.	3	Intermediate (10+2)	2500.00	1700.00	4200.00
11	B.Com.	3	Intermediate (10+2)	5000.00	1700.00	6700.00
12	Bachelor of Social Work (B.S.W.)	3	Intermediate (10+2)	7500.00	1700.00	9200.00
(ख) Diploma Programmes						
1	डिप्लोमा पत्रकारिता एवं जनसंचार	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
2	डिप्लोमा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
3	Diploma in Computer Application (DCA)	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
4	Diploma in Cyber Security	1	Intermediate (10+2)	4300.00	1700.00	6000.00
5	Diploma in Human Rights Education (DHRE)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
6	Diploma in Disaster Management (DDM)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
7	Diploma in Industrial Relation & Personnel Management (DIRPM)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
8	Diploma in Management OF NGOs (DNGOM)	1	Intermediate (10+2)	3000.00	1700.00	4700.00
9	* डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड	1	Intermediate (With Sanskrit)	3000.00	1700.00	4700.00
10	* डिप्लोमा इन ज्योतिष	1	Intermediate (With Sanskrit)	3000.00	1700.00	4700.00
11	* डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र	1	Intermediate (With Sanskrit)	3000.00	1700.00	4700.00

* तारांकित पाठ्यक्रमों की आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षा तथा सतत कक्षाओं का संचालन केवल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इन पाठ्यक्रमों के छात्रों की सतत कक्षाओं में शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। कक्षाओं की सूचना यथासमय प्रसारित होगी।

दूरभाष क्रमांक : 07670-265460, 9450167792 (मोबा.)

आर-50526/2025 **कुलसचिव**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

ई-मेल:- eervskvv@gmail.com फोन: 0751-2467680

क्र./जनसं/का.यं./2025/3809 दिनांक : 27-01-2025

// प्रेस विज्ञप्ति //

निविदा सूचना No./E.E./2025/Gwalior/3802 date 27-01-2025 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि. ग्वालियर के अंतर्गत हाउस कीपिंग कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा Annual Contract for Machanized House Keeping Services at RVSKVV, Gwalior 2024-25 (2025_RVSKV_398759_1) आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 11.02.2025 तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल https:www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते है।

R-50533/2025 **कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

ई-मेल:- eervskvv@gmail.com फोन: 0751-2467680

क्र./जनसं/का.यं./2025/3869 दिनांक : 30-01-2025

// प्रेस विज्ञप्ति //

निविदा सूचना No./E.E./2025/Gwalior/3852 date 30-01-2025 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत सिविल कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा Establishment of Cold Room in the Proposed Cold Storage Building at KVK Morena (2025_RVSKV_399738_1), Const. of Seed Godown at KVK Patan Farm Mandsour (2025_RVSKV_399739_1), Const. of Seed Processing unit at COH Mandsour (2025_RVSKV_399743_1), Const. of Seed Godown at KVK Neemuch (2025_RVSKV_399744_1). Renovation of Development of Cold Storage Building at COH Mandsour (2025_RVSKV_399745_1) आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 21.02.2025 तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल https:www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते है।

R-50541/2025 **कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 328/MTN/2025

No./1118/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 28.01.2025**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Table No. 1 :- Name of Work -** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Ashoknagar	2	3022069.00
2	Datia	1	688320.00
3	Dindori	1	17266812.00
4	Harda	1	4183498.00
5	Jabalpur	3	40777825.00
6	Katni	2	21279514.00
7	Khargone	1	1350092.00
8	Narmadapuram	1	46037135.00
9	Ratlam	1	34547682.00

- **Table No. 2 - Name of Work -** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dindori	3	27326899.00
2	Jabalpur	1	953297.00
3	Narsinghpur	5	31981812.00
4	Shajapur	1	5839003.00
5	Shivpuri	1	12148764.00

- **Table No. 3 :- Name of Work -** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Alirajpur	1	12570590.00
2	Narmadapuram	1	1001560.00
3	Narsinghpur	3	28311717.00
4	Raisen	1	3913044.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **03.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **18.02.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/118537/2025

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50535/2025

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

(A Government of M.P. Undertaking)

Regional Office, Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony Bhopal, (M.P.) Phone : (O) +917552420301-2-3

Date : 25.01.2025

NOTICE INVITING Bid on GEM Portal

Online Bids are invited for Supply and Installation of Overhead Boards in various regions under jurisdiction of MPIDC RO Bhopal. Interested Bidders can see the details through GEM Portal with Bid No. GEM/2025/B/5865983. **The Last Date for Applying is 04.02.2025.**

M.P. Madhyam/118516/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

R-50534/2025

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो. वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./167/तशा/प.यं./2025 **दिनांक 28.01.2025**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा लदूना एवं चंदवासा जिला मंदसौर तथा महू, देपालपुर, सांवेर एवं अहिला आश्रम जिला इंदौर स्कूल में फर्नीचर प्रदाय एवं स्थापित करने का कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_399045_1 **दिनांक 07.02.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/118591/2025 R-50544/2025 **परियोजना यंत्री**

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान

(लोक सेवा प्रबंधन विभाग की पंजीकृत संस्था)

सुशासन भवन, भदभदा चौराहा, टी.टी. नगर, भोपाल-462003

ई-मेल : aiggpa@mp.gov.in, टेलीफोन नं. : 0755-2770765, 2770761

क्रमांक/स्टोर/स्टेशनरी/2025/E-35041 **भोपाल, दिनांक : 28.01.2025**

सीमित ऑनलाइन ई-निविदा आंमत्रण

(संस्थान में नियमित रूप से उपयोग में ली जाने वाली स्टेशनरी के वार्षिक दर निर्धारण)

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में नियमित रूप से उपयोग में ली जाने वाली स्टेशनरी का वार्षिक दर निर्धारण किये जाने हेतु MP Tender के माध्यम से (ई-निविदा Tender ID 2025_IGGPA_398896_1) आमंत्रित की गई है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्तें **https://mptenders.gov.in** एवं संस्थान की वेबसाइट **www.aiggpa.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। जिसकी **अंतिम दिनांक 18.02.2025 सायं 6.00 तक** निर्धारित है।

म.प्र. माध्यम/118547/2025 **मुख्य प्रबंधक (प्रशासन)**

R-50536/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री

भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003

Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com

क्र.- मप्रपुआअविनि/113/पर्य/भोपाल-03/तशा/2024 भोपाल, दिनांक : 31.01.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत नव आरक्षक बैरिक नम्बर 01 से 04 के बाजू से टॉयलेट 20 एवं बाथरूम 20 का नव निर्माण कार्य पीटीएस पचमढ़ी जिला नर्मदापुरम हेतु निविदा क्रमांक.-13/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक.-399952 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक-10.02.2025 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/118593/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50545/2025

नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खण्डवा
द्वारा संचालित पैरामेडिकल पाठ्यक्रम

लव-कुशनगर, मूंदी रोड, खण्डवा (म.प्र.), दूरभाष - 0733-2245000, Fax - 0733-2245001
Email : paramedicalgmckhandwa@gmail.com, Website : www.gmckhandwa.org

क्रमांक/670/पैरामेडिकल/नं.सि.चौ.शा.चि.म./2025 खण्डवा, दिनांक : 24.01.2025

विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में (अनंतिम) प्रवेश हेतु विज्ञापन वर्ष 2023-24

नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, खण्डवा के अंतर्गत सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न स्ववित्तीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक को 12वीं (10+2) परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी विज्ञान विषय से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश 12वीं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान विषयों में प्राप्त अंकों की मेरिट (प्रावीण्य) सूची के आधार पर दिए जावेंगे। आवेदक की उम्र 23 जनवरी, 2025 (विज्ञापन की तिथि) की स्थिति में 17 वर्ष से अधिक एवं 45 वर्ष से कम होनी चाहिए। पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी विवरणिका में उपलब्ध होगी। विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	डिग्री/डिप्लोमा/ प्रमाण पत्र	पाठ्यक्रम की अवधि	प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों की संख्या
1.	बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्निशियन	डिग्री	3 वर्ष	20
2.	डिप्लोमा इन आप्थेल्मिक असिस्टेंट	डिप्लोमा	2 वर्ष	10
3.	सर्टिफिकेट इन आर्थो. टेक्निशियन	प्रमाण पत्र	1 वर्ष	06
4.	सर्टिफिकेट इन ओ.टी. टेक्निशियन	प्रमाण पत्र	1 वर्ष	07
कुल सीटों की संख्या				43

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटों पर आरक्षण का लाभ म.प्र. शासन के नियमानुसार (केवल म.प्र. के मूल निवासी आवेदक) को ही देय होगा। शासकीय सेवारत विभागीय कर्मचारियों हेतु डिप्लोमा/प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों में कुल सीटों की 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी।

उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विस्तृत प्रवेश विवरणिका मय आवेदन पत्र नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, खण्डवा की वेबसाइट **www.gmckhandwa.org** पर **दिनांक 23 जनवरी 2025** से उपलब्ध होंगे। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन मय संलग्नकों के एवं देय शुल्क रुपये 800/- अनारक्षित वर्ग तथा रुपये 500/- आरक्षित वर्ग का ऑनलाइन माध्यम से नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, खण्डवा के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक खाता क्रमांक 37773559136 (IFSC Code-SBIN0012159) में देय होगा, आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न कर **दिनांक 06 फरवरी 2025 शाम 05.00 बजे तक** कार्यालय पैथोलॉजी विभाग, नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, लवकुश नगर, मुंदी रोड, खण्डवा म.प्र.-450001 में डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से जमा किये जाये। उक्त समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नोट :–
1. वरीयता सूची एवं काउंसलिंग कार्यक्रम की जानकारी महाविद्यालय, खण्डवा की वेबसाइट **www.gmckhandwa.org** पर उपलब्ध रहेंगी।
2. उपरोक्त पाठ्यक्रम में से किसी भी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या कम या ज्यादा का अधिकार संस्था का रहेगा।
3. यदि अपरिहार्य कारणों से काउंसलिंग की तिथियां परिवर्तित/स्थगित होती हैं तो उसकी सूचना वेबसाइट/महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध होगी।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जी-22180/50518/2025 **नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, खण्डवा (म.प्र.)**

कार्यालय हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय, भोपाल (म.प्र.)
माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर, द्वितीय तल, शिवाजी नगर, भोपाल-462016

क्रमांक/हा./स्था./03/2025/110 भोपाल, दिनांक : 23.01.2025

सहायक ग्रामोद्योग विकास अधिकारी हाथकरघा एवं कनिष्ठ सहायक ग्रामोद्योग विकास अधिकारी हाथकरघा के निःशक्तजनों (दिव्यांगजन) के पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन वर्ष (2025)

दिव्यांगजन हेतु चिह्नांकित सहायक ग्रामोद्योग विकास अधिकारी हाथकरघा एवं कनिष्ठ सहायक ग्रामोद्योग विकास अधिकारी हाथकरघा के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए निम्नांकित आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भर कर दिनांक 14.02.2025 कार्यालयीन समय 06.00 सायंकाल तक आवेदन-पत्र आयुक्त हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय, माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर, द्वितीय तल, शिवाजी नगर भोपाल पिन-462016 के पते पर प्रेषित करें।

1. दिव्यांगजनों के रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है :–

सरल क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतन-मान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटेक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता		
1.	सहायक ग्रामोद्योग विकास अधिकारी हाथकरघा	तृतीय	लेवल-6 (25300-80500)	-	01	-	-	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला/वाणिज्य/ विज्ञान विषयों में स्नातक	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि की सूचना अभ्यर्थियों को उनके ई-मेल आईडी पर पृथक से दी जावेगी
2.	कनिष्ठ सहायक ग्रामोद्योग विकास अधिकारी हाथकरघा	तृतीय	लेवल-5 (22100-70000)	-	01	01	-	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला/वाणिज्य/ विज्ञान विषयों में स्नातक	
योग				-	02	01	-		

उपरोक्त पदों की नियुक्ति हेतु मुख्य शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट **http://mpgramodyogglobal.gov.in/DEP201** पर देखा जा सकता है।

2. आवेदन पत्र करने की अवधि - दिनांक 03.02.2025 से **14.02.2025 तक** रहेगी।

विशेष नोट :– सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया के दौरान यदि कोई कम्प्यूटर/टंकण/लिपिकीय त्रुटि पायी जाती है तो हाथकरघा विभाग किसी भी स्तर पर वैध सुधार का अधिकार सुरक्षित रखता है।

(आयुक्त महो. द्वारा अनुमोदित) **संयुक्त संचालक**
जी-22184/50519/2025 **हाथकरघा म.प्र. भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन), लोक निर्माण विभाग
निर्माण भवन, प्लॉट नं.- 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.-02/2025/निविदा/सा/मु.अ.भ./ **भोपाल, दिनांक : 20.01.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. चिचोली जिला बैतूल में 03 ट्रेड आई.टी.आई. भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025 _PWPIU_397491_1	बैतूल	324.19	324190	15000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. जिला देवास में शासकीय 06 ट्रेड आई.टी.आई. 60 सीटेड बालक छात्रावास, 30 सीटेड बालिका छात्रावास निर्माण एवं बाह्य विकास कार्य। प्रथम आमंत्रण

2025 _PWPIU_397359_1	देवास	1031.27	1000000	30000	18 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. नसरूल्लागंज (भैरूंदा) जिला सीहोर में शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल में 04 अतिरिक्त कक्ष एवं 03 लैब का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

2025 _PWPIU_397547_1	सीहोर	98.49	98490	10000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. सीहोर जिले अंतर्गत छोटे-छोटे कार्य, शेष कार्य एवं पी.जी. अंतर्गत कार्य। प्रथम आमंत्रण

2025 _PWPIU_397551_1	सीहोर	97.78	97780	10000	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 20.01.2025 समय 10.30 से **दिनांक 05.02.2025** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
जी-22197/50520/2025 **लोक निर्माण विभाग भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग सतना (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 28/2024-25 **सतना, दिनांक : 27.01.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. उपसंभाग सतना अंतर्गत सिविल लाइन पहुंच मार्ग लंबाई 0.800 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

टेण्डर ई.डी. क्रमांक	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की लागत
2025_PWDRB_398495_1	प्रथम	15 दिवस	925288/-	18600/-	2000/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. उपसंभाग सतना अंतर्गत 1. केन्द्रीय जेल सतना लंबाई 0.800 कि.मी. में 60 नग आई टाइप क्वार्टर 2. रामस्थान आदिवासी बस्ती बारी बगीचा मार्ग लंबाई 2.35 कि.मी. 3. कटिया बैरिहा सिजहटा डेलौरा बेलहटा मार्ग लंबाई 2.58 कि.मी. 4. बिरहुली मटहना पहुंच मार्ग लंबाई 2.95 कि.मी. 5. रामवन डेलौरा पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. कुल लंबाई 12.68 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398496_1	प्रथम	02 माह	10789238/-	107900/-	12500/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. उपसंभाग मझगवां अंतर्गत 1. सिमरिया धारकुण्डी मार्ग लंबाई 14.00 कि.मी. 2. कोठी उदयसागर मार्ग लंबाई 3.460 कि.मी. एवं 3. नैना पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. कुल लंबाई 18.46 किमी में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398497_1			15308153/-	153100/-	12500/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. उपसंभाग अमरपाटन अंतर्गत 1. गोरसरी मिरगौती मार्ग लंबाई 5.40 कि.मी. 2. सगौनी मझगंवा मार्ग लंबाई 2.70 कि.मी. 3. आदर्श ग्राम जट्टहाटोला पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. एवं 4. बारी सेमरी ओबरी खोखम मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. कुल लंबाई 15.10 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398498_1			11120858/-	111300/-	12500/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. उपसंभाग नागौद अंतर्गत 1. भटनवारा मनटोला वाया सेमरी ठकुरान मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. 2. अन्तरहा पहुंच मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी. 3. सहिजना उबरी से सेमरी टकुरान मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. 4. पिपरी से कोनिया मार्ग लंबाई 4.90 कि.मी. 5. पोडी गरादा से कोनिया भरहुत मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. एवं 6. झुरकुल रगौली मार्ग लंबाई 2.60 कि.मी. कुल लंबाई 17.30 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398499_1			13335542/-	133400/-	12500/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. उपसंभाग नागौद अंतर्गत 1. घोरहटी चकहटा मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. 2. गिरजापुर लोहरौरा मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी. 3. दडिया हरदोखर जिगनहट न्यू बस्ती पतौरा गांधी मार्ग लंबाई 5.80 कि.मी. 4. धनेह शिवरामपुर मार्ग लंबाई 6.60 कि.मी. 5. पतौरा स्कूल टोला पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. 6. शेरगंज पहुंच मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. कुल लंबाई 19.30 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398500_1	प्रथम	04 माह	14978568/-	149800/-	12500/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. उपसंभाग नागौद अंतर्गत 1. ललचहा मढ़ा खम्हेरी उजनेही हरदुआ मार्ग लंबाई 15.50 कि.मी. 2. जसो बदेरा कलावल मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. 3. इटौरा कला पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. 4. सुकुलगंवा पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. 5. रहिकवारा से पथरौंध मार्ग लंबाई 2.73 कि.मी. कुल लंबाई 26.73 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398502_1	प्रथम	01 माह	19724862/-	197300/-	12500/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. उपसंभाग नागौद अंतर्गत दुरेहा कपुरी अमकुई कोटा बमुरहिया मढ़ाटोला गंगवरिया उमरी पवईया अमसिल धरमपुरा लंबाई 44.80 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य।

2025_PWDRB_398503_1	प्रथम	04 माह	49956904/-	499600/-	15000/-
योग -			136139413/-		

उपरोक्त वेबसाइट में ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 14.02.2025** सायं 6.00 बजे तक निर्धारित है। ई.एम.डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी., एनएक्सर एच., शपथ पत्र, बिड की रसीद एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-22325/50525/2025 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग सतना (म.प्र.)**

स्कूल शिक्षा विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (म.प्र.)

राज्य शिक्षा केंद्र, पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95, फैक्स : 2552363, 2760561

क्रमांक/राशिके/NMMSS/I/205625/2025 भोपाल, दिनांक : 23.01.2025

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून प्रवेश परीक्षा जून 2025

1. राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून, रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला अंतः सेवा शिक्षण संस्थान है। यह कॉलेज 1922 में स्थापित हुआ था और इसका प्रमुख लक्ष्य छात्र एवं छात्राओं को सम्पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।
2. राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में आठवीं कक्षा में प्रवेश पाने के लिए छात्र एवं छात्राएं दोनों आवेदन करने के पात्र हैं। प्रवेश केवल आठवीं कक्षा में ही होता है। जनवरी 2026 के सत्र में प्रवेश के लिए परीक्षा, देश के चुनिन्दा शहरों में 01 जून 2025 (रविवार) को आयोजित की जाएगी।
3. **आयु सीमा** - जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश पाने के लिए उम्मीदवार की आयु 01 जनवरी 2026 को 11-1/2 वर्ष से कम और 13 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात उम्मीदवार का जन्म 02 जनवरी 2013 से पहले और 01 जुलाई 2014 के बाद नहीं होना चाहिए।
4. **शैक्षणिक योग्यता** - राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून के जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश के समय अर्थात 01 जनवरी 2026 को किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से सातवीं कक्षा में अध्ययनरत या सातवीं कक्षा पास किया होना जरूरी है।
5. **परीक्षा की रूपरेखा** - परीक्षा की रूपरेखा इस प्रकार है :–
   (क) **लिखित परीक्षा** - गणित, (09.30-11.00 बजे तक) और सामान्य ज्ञान (12.00-13.00 बजे तक) और अंग्रेजी (14.30-16.30 बजे तक) 01 जून 2025 (रविवार) को होगी।
   (ख) **मौखिक परीक्षा** - मौखिक परीक्षा की तारीख बाद में बताई जायेगी। मौखिक परीक्षा में परीक्षार्थी के बौद्धिक ज्ञान तथा व्यक्तित्व का परीक्षण किया जायेगा। मौखिक परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों का होगा जो लिखित परीक्षा में पास होंगे।
   (ग) **स्वास्थ्य परीक्षण** - मौखिक परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को चुने हुए सैनिक अस्पतालों में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना होगा। जिन उम्मीदवारों का स्वास्थ्य ठीक पाया जाएगा केवल उन्हीं को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज में प्रवेश के लिए चुने जाने पर विचार किया जाएगा। उम्मीदवारों का स्वास्थ्य परीक्षण चयन प्रणाली का एक अंग है। इसका अर्थ यह नहीं लगाना चाहिए कि उम्मीदवार को अंतिम रूप से चुन लिया गया है। उम्मीदवार को तब तक अंतिम रूप से चुन लिया गया नहीं समझना चाहिए, जब तक इस संबंध में प्रवेशाधिकार निर्देश जारी नहीं हो जाते हैं और उन्हें राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में दाखिले के लिए चुने जाने की सूचना नहीं मिल जाती है।
   (घ) केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चे, लिखित परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा, संबंधित कर्मचारी की पोस्टिंग राज्य/मूल अधिवास राज्य में दे सकते हैं। उनके अधिवास राज्य का निर्धारण उनके मूल अधिवास राज्य के अनुसार होगा एवं उनकी उम्मीदवारी भी उनके मूल अधिवास राज्य के अनुरूप होगी। आवेदन पत्र उसी राज्य में जमा करना अनिवार्य है, जहां से उम्मीदवार परीक्षा देना चाहता है।
   (ङ) मौखिक परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों का होगा जो लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे। इन उम्मीदवारों की सूची सभी राज्य सरकारों को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज के द्वारा भेजी जाएगी।
   (च) परीक्षा परिणाम आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट (www.rimc.gov.in) में अपडेट होता है, जिसकी जांच करने की जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।
6. **परीक्षा केन्द्र** - परीक्षा का केन्द्र म.प्र. राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल पिन-462038 (फोन नं. 0755-2735228) होगा।
7. **शुल्क** - वार्षिक शुल्क प्रथम वर्ष को छोड़कर सामान्य जाति के उम्मीदवारों के लिए रुपये 148650/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए रुपये 131850/- होता है। शुल्क समय-समय पर बढ़ सकता है। प्रथम वर्ष के वार्षिक शुल्क का विवरण इस प्रकार है :–

क्रम संख्या	उम्मीदवार के प्रकार	वार्षिक शुल्क	जमानत राशि (प्रत्यर्पणीय)	कुल राशि	टिप्पणियां
(अ)	सामान्य जाति के उम्मीदवार	148650/-	50000/-	198650/-	जमानत के रूप में 50,000/- रुपये जमा राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस की जाती है।
(ब)	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार	131850/-	50000/-	181850/-	जमानत के रूप में 50,000/- रुपये जमा राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस की जाती है।

8. **आवेदन पत्र** - आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, गढ़ी कैन्ट, देहरादून से प्राप्त कर सकते हैं :–
   (क) **ऑनलाइन भुगतान के द्वारा** :– आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए सामान्य जाति के उम्मीदवार रु. 600/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार 555/- आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट (www.rimc.gov.in) से ऑनलाइन भुगतान करके भी प्राप्त कर सकते हैं। (भुगतान प्राप्त होने के बाद, आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र स्पीड पोस्ट से भेजे जायेंगे।)

   या

   (ब) **डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा** - आवेदन पत्र और विवरण पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए सामान्य जाति के उम्मीदवार रु. 600/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार 555/- का बैंक ड्राफ्ट कमांडेंट, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून के नाम से भुगतान करके प्राप्त किया जा सकता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार के लिए जाति प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति भेजना अनिवार्य है। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट से भेजा जायेगा। आवेदक अपना पत्र व्यवहार का पूरा पता अंकित/हस्तलिखित रूप से अंग्रेजी में, पोस्टल पिनकोड तथा फोन नंबर के साथ लिखकर भेजें। अपठनीय, अपूर्ण पता तथा डाक विलंब/नुकसान का उत्तरदायी राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून का नहीं होगा।

नोट :–
- केवल राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज से प्राप्त आवेदन-पत्र ही मान्य होंगे। बाजार में मिलने वाले या फोटोकॉपी किए गए तथा बिना होलोग्राम (मुहर) के आवेदन पत्रों की मान्यता नहीं होगी।
- आवेदन शुल्क की वापसी किसी भी दशा में नहीं होगी।

9. **दस्तावेज** :– आवेदन पत्र (दो प्रतियों में) निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ जमा होगा :–
   (क) जन्म प्रमाण-पत्र (नगर निगम, ग्राम पंचायत से)।
   (ख) मूल-निवासी प्रमाण-पत्र।
   (ग) अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र।
   (घ) प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित वर्तमान कक्षा में अध्ययनरत का मूल रूप में फोटो सत्यापित किया हुआ प्रमाण-पत्र।
   (ङ) आवेदन-पत्र के साथ उम्मीदवार का आधार कार्ड जमा करना अनिवार्य है और जमा न कर पाने पर उम्मीदवार का आवेदन पत्र रद्द कर दिया जायेगा।
   (च) दो पासपोर्ट आकार की फोटो।
10. **अंतिम तिथि** - आवेदन पत्र **31 मार्च 2025 तक** अथवा उसके पहले उस राज्य सरकार (जैसा कि प्रेस नोट में उल्लेखित किया गया हो) तक पहुंच जाना चाहिए जहां उम्मीदवार के माता-पिता अथवा अभिभावक स्थाई रूप से रहते हैं। कृपया ध्यान दें कि आवेदन पत्र दो प्रतियों में भरकर मध्यप्रदेश राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल पिन-462038 के पास पहुंच जाने चाहिए। राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज देहरादून एवं राज्य शिक्षा केन्द्र को आवेदन पत्र न भेजें।

संचालक
राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल

जी-22317/50524/2025

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश
सतपुड़ा भवन, भोपाल

अनारक्षित वर्ग के छात्र-छात्राओं के लाभार्थ विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना (स्नातकोत्तर एवं पी-एच.डी. उपाधि के लिए)

सत्र 2024-25 (सत्र जनवरी से जून 2025) में अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु राज्य सहायता छात्रवृत्ति प्रदान करने आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। योजनांतर्गत आवेदन **अंतिम तिथि 17.02.2025** समय 06.00 (सायं) बजे तक कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा, सतपुड़ा भवन, भोपाल में स्वयं/वाहक/डाक द्वारा जमा कर सकते हैं।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट **www.highereducation.mp.gov.in** पर नवीन निर्देश में ''विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति योजना की मार्गदर्शिका'' शीर्षक पर अंकित है।

मार्गदर्शिता, योजना नियम एवं आवेदन हेतु QR code स्कैन करें।

जी-22290/50522/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ईमेल : cepwdwest@mp.nic.in, दूरभाष : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 07/सा/40/निविदा/2024-25 **इंदौर, दिनांक : 27.01.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. नायता मुण्डला रोड लं. 3.80 कि.मी. में व्हाइट टॉपिंग के द्वारा निर्माण कार्य। कुल लं. 3.80 कि.मी.।

पोर्टल क्रमांक	जिला	अनुमानित राशि रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र की राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2025_PWDRB_398585	इंदौर	703.73	703730/-	20000/-	06 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. सिरवेल झापडीमली मार्ग लं. 11.00 कि.मी. का निर्माण कार्य मय एल.टी./एच.टी. पोल शिफ्टिंग कार्य सहित (तृतीय आमंत्रण)।					
2025_PWDRB_398586	खरगोन	1288.39	1000000/-	30000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
महायोग -		**1992.12 लाख**			

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किए जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **दिनांक 07.02.2025 समय 17.30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जाएगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जाएं।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर

जी-22306/50523/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, पांडवनगर, जिला-शहडोल (म.प्र.)

Email : piushahdol@gmail.com

एनआईटी नं. - 03/2024/केन्द्रीयकृत निविदा/सी.ई./पीडब्ल्यूडी/भवन/405 **रीवा, दिनांक : 27.01.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. केजीबीवी टाइप-III 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन का निर्माण कार्य, भटिया वि.ख. बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.) (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2024_PWPIU_ 391260_1	शहडोल	143.95	143950/-	12500/-	12 माह (वर्षाकाल सहित)	भूमि उपलब्ध
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य भमरहा - 1. ब्लॉक ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.) (प्रथम आमंत्रण)						
2024_PWPIU_ 391288_1	शहडोल	112.34	112340/-	12500/-	08 माह (वर्षाकाल सहित)	भूमि उपलब्ध
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य अमरहा ब्लॉक सोहागपुर जिला शहडोल (म.प्र.) (प्रथम आमंत्रण)						
2024_PWPIU_ 391310_1	शहडोल	112.34	112340/-	12500/-	08 माह (वर्षाकाल सहित)	भूमि उपलब्ध
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य, रावल मार्केट अमलाई ब्लॉक बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.) (प्रथम आमंत्रण)						
2024_PWPIU_ 391342_1	शहडोल	41.14	50000/-	5000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	भूमि उपलब्ध
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. प्राथमिक शाला भवन का निर्माण कार्य, बकहो ब्लॉक बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.) (प्रथम आमंत्रण)						
2024_PWPIU_ 391393_1	शहडोल	34.89	50000/-	5000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	भूमि उपलब्ध

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.01.2025 समय 10.00 AM से **दिनांक 13.02.2025 समय 6.00 PM तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, शहडोल (म.प्र.)

जी-22407/50531/2025

मध्यप्रदेश शासन
विधि और विधायी कार्य विभाग
विज्ञप्ति

राज्य शासन एतद् द्वारा मध्यप्रदेश माध्यस्थम अधिकरण, भोपाल में एक न्यायिक सदस्य के रिक्त पद की पूर्ति हेतु जारी विज्ञापन द्वारा आवेदन आमंत्रित करता है।

मध्यप्रदेश माध्यस्थम अधिकरण अधिनियम, 1983 की धारा 4 की उपधारा (3) के खण्ड (तीन) एवं उसके परन्तुक के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति अधिकरण के सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए तब तक अर्ह नहीं होगा जब तक कि वह :–

क्र.	पद का नाम	संख्या	आवश्यक अर्हता
1.	सदस्य (न्यायिक)	01	1. वह कम से कम सात वर्ष से जिला न्यायाधीश हो या सात वर्ष तक जिला न्यायाधीश रह चुका हो। 2. वह कम से कम पांच वर्ष की कालावधि के राजस्व आयुक्त हो या पांच वर्ष तक राजस्व आयुक्त रह चुका हो। या राजस्व आयुक्त की पद श्रेणी के समतुल्य कोई पद धारण कर चुका हो।

नोट :–
1. अधिनियम की धारा-5 के अंतर्गत सदस्य का कार्यकाल उस तारीख से जिसको वह पद ग्रहण करेगा, पांच वर्ष की अवधि के लिए अथवा जब तक वह पैंसठ वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेता, इनमें से जो पूर्वतर हो, तक के लिए होगा।
2. मध्यप्रदेश माध्यस्थम अधिकरण नियम, 1984 के नियम 6 के अधीन सदस्य उन्हीं सेवाशर्तों से शासित होगा जो सदस्य के रूप में नियुक्ति के पूर्व की सेवा में उसे लागू होती थीं।
3. आवेदन का प्रारूप विधि विभाग की वेबसाइट **https://www.law.mp.gov.in/en/state-recruitment-order** से डाउनलोड किया जा सकता है।
4. अभ्यर्थी को संलग्न प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। कोई भी जानकारी छिपाये जाने या अधूरी दिये जाने पर, आवेदन अपूर्ण माना जाकर, निरस्त किया जायेगा।
5. शासकीय सेवारत अभ्यर्थियों को आवेदन उचित माध्यम से भेजना होगा।
6. आवेदन पत्र रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट से या व्यक्तिशः **दिनांक 28.02.2025 तक** कार्यालय समय में विधि एवं विधायी कार्य विभाग, विंध्याचल भवन, भोपाल में प्राप्त होना आवश्यक है। इसके पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।
7. आवेदन पत्र प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, विधिय एवं विधायी कार्य विभाग (न्यायिक शाखा-दो) प्रथम तल, विंध्याचल भवन, भोपाल म.प्र. पिन कोड-462004 के पते पर भेजे जावें।

प्रमुख सचिव
मध्यप्रदेश शासन, विधि एवं विधायी कार्य विभाग

जी-22334/50527/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल : cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 01/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2025) **भोपाल, दिनांक : 27.01.2025**

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. नवीन विधायक विश्रामगृह का निर्माण।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमा. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2025_PWDRB_396724_1	भोपाल (नियंत्रक भवन विधानसभा लो.नि.वि. राजधानी स.क्र.-3 भोपाल)	भवन	प्रथम	13093/-	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना है।
	योग -			**13093/-**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 14.02.2025** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र, भोपाल

जी-22419/50532/2025

मध्यप्रदेश सरकार, कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, जबलपुर, परिक्षेत्र जबलपुर

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001
Phone No. : 0761-2621541, E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in

एन.आई.टी. क्र. 08/CRIF/CE/PWD/Jabalput Zone/2024-25 **जबलपुर, दिनांक : 30.01.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क और पुलों के विकास में लगी हुई है, इस प्रयास के तहत ईपीसी पद्धति पर मध्यप्रदेश राज्य में निम्नलिखित कार्य का निर्माण किया जाना है।

मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर, म.प्र. निम्नलिखित कार्य के लिए पात्र ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-1 जबलपुर के अंतर्गत ई.पी.सी. मोड के तहत एन.एच.-45 पर जबलपुर रिंग रोड से जबलपुर एयरपोर्ट तक पहुंच मार्ग लंबाई 13.126 कि.मी. का उन्नयन कार्य।

निविदा क्र.	सड़क/पुल	अनुमा. लागत (लाख में)	बिड सिक्योरिटी राशि	समयावधि	रखरखाव अवधि
2025_PWDRB_399785_1	सड़क कार्य	12060.95 (without GST)	1,20,61,000/-	30 माह वर्षाऋतु सहित	कार्य पूर्ण करने की दिनांक से 05 वर्ष तक

निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) तथा अपलोड म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर दिनांक 03.02.2025 को समय सुबह 10.30 AM से **दिनांक 19.03.2025 तक** सायं 05.30 PM तक देखा/डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाकारों को अपना वित्तीय ऑफर और तकनीकी बिड **https://mptenders.gov.in** पर दिनांक 19.03.2025 (05.30 PM तक) या उससे पहले जमा करनी होगी। ऑनलाइन प्राप्त ऑफर को दिनांक 21.03.2025 (11.00 AM) को खोला जाएगा। मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर को एक या समस्त निविदाओं को बिना किसी कारण निरस्त करने का अधिकार होगा। निविदा में यदि कोई संशोधन होता है तो वह केवल उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकेगा। समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

जी-22476/50540/2025

कार्यालय अधिष्ठाता
बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
एवं चिकित्सालय शहडोल (म.प्र.)

कार्यालय दूरभाष नं. : 07652-243000, फैक्स नं. : 07652-243222
ईमेल : deanshahdol@gmail.com, वेबसाइट : www.gmcshahdol.org

क्रमांक/11495/स्था./राज./एम.सी./2025 **शहडोल, दिनांक : 27.01.2025**

विज्ञप्ति सूचना

1. मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ-2-06/2018/1-55 भोपाल दिनांक 07.04.2018 द्वारा ''म.प्र. स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सकीय सेवा आदर्श नियम 2018'' के अंतर्गत बिरसा मुण्डा, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल के अधीन चिकित्सकीय संवर्ग **(आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी एवं महिला चिकित्सा अधिकारी)** के रिक्त पदों की पूर्ति की जानी है। इस हेतु आवेदन पत्र कार्यालय अधिष्ठाता, बिरसा मुण्डा, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कुदरी रोड, चांपा, शहडोल (म.प्र.), पिन-484001 में **दिनांक 08.02.2025, दिन - शनिवार, सायं 05.00 बजे तक** आमंत्रित किए जाते हैं। उपरोक्त विज्ञापन की जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल (म.प्र.) की अधिकृत वेबसाइट **gmcshahdol.org** एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा म.प्र. भोपाल की अधिकृत वेबसाइट **www.medicaleducation.mp.gov.in** पर उपलब्ध है।
2. आवेदन पत्र रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय अधिष्ठाता, बिरसा मुण्डा, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कुदरी रोड, चांपा, शहडोल (म.प्र.) पिन-484001 में जमा कराये जा सकते हैं।
3. आवेदन पत्र के साथ अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवार राशि रु. 500/- तथा आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार राशि रु. 250/- **संस्था के नाम :-** New Govt. Medical College Shahdol Autonomous Society **खाता क्रमांक :-** 3687727001, **IFSC Code :-** CBIN0280787 **बैंक का नाम :-** सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मेन ब्रांच शहडोल (म.प्र.) का डिमांड ड्राफ्ट, आवश्यक रूप से संलग्न करें। जिन आवेदन पत्रों में डिमांड ड्राफ्ट आवेदन पत्र के साथ संलग्न नहीं होगा उन आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। जिसके लिए आवेदनकर्ता स्वयं जिम्मेदार होगा।
4. आवेदन त्रुटिपूर्ण पाए जाने अथवा आवेदन निरस्त होने की स्थिति में आवेदन शुल्क वापस नहीं किया जावेगा।
5. आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से कार्यालय अधिष्ठाता, बिरसा मुण्डा, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कुदरी रोड, चांपा, शहडोल (म.प्र.) में **चिकित्सकीय संवर्ग हेतु आवेदन एवं आवेदित पद का नाम......................और आरक्षित/अनारक्षित................श्रेणी का उल्लेख** अनिवार्य रूप से करें। किसी भी स्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।
6. अंतिम तिथि तक प्राप्त होने वाले अभ्यार्थियों के आवेदन में पात्र अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों के परीक्षण की तिथि एवं साक्षात्कार की तिथि पृथक से महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड एवं अधिकृत वेबसाइट के माध्यम से प्रकाशित की जावेगी।

अधिष्ठाता
बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, शहडोल (म.प्र.)

जी-22344/50528/2025

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल

Phone : 0755-2540590, Email : deangmc_bpl@yahoo.co.in
Website : www.gmcbhopal.net

क्रमांक 3812/एम.सी./पैरा./2025 **भोपाल, दिनांक : 24.01.2025**

विज्ञापन
विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में (अंतरिम) प्रवेश हेतु विज्ञापन सत्र 2023-24

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के अंतर्गत सत्र 2023-24 के लिये विभिन्न स्ववित्तीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विज्ञप्ति दिनांक तक 17-45 वर्ष आयु सीमा वाले आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश, अर्हता वाले विषयों में प्राप्त अंकों की मेरिट (प्रावीण्य सूची) के आधार पर काउंसिलिंग में अभ्यर्थी के स्वयं सम्मिलित होने पर दिये जायेंगे।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों का विवरण निम्नानुसार है :–

कोर्स कोड क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	विभाग	डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम	योग्यता/अर्हता	कोर्स की अवधि	कुल सीटों की संख्या
01	O.T. Technician	Surgery	Certificate	12वीं (बायोलॉजी)	1 वर्ष	40
02	X-Ray (Radiographer) Technician	Radiodiagnosis	Certificate	12वीं (बायोलॉजी)	1 वर्ष	30
03	Health Inspector	PSM	Certificate	12वीं (बायोलॉजी)	1 वर्ष	10
04	Cath Lab Technician	Cardiology	Diploma	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	20
05	Medical Lab Technician	Pathology	Diploma	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	100
06	Paramedical Opthalmic Assistan	Ophthalmology	Diploma	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	30
07	Diploma in P.F.T. Technician	Respiratory Medicine	Diploma	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	5
08	X-Ray (Radiographer) Technician	Radiodiagnosis	Diploma	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	50
09	Dialysis Technicain	Medicine	Diploma	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	40
10	Bachelor in Respiratory Therapy	Respiratory Medicine	Degree	12वीं (बायोलॉजी)	2 वर्ष	10
11	P.G. Diploma in Perfusion Technology	Cardiothoresic Surgery	Diploma	बी.एस.सी. (Biology with Zoology)	2 वर्ष	25

उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विस्तृत प्रवेश विवरणिका एवं आवेदन फार्म गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की वेबसाइट **www.gmcbhopal.net** पर उपलब्ध है। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध करायी जावेगी जिसके लिये अभ्यर्थी स्वयं, समय-समय पर अवलोकन करते रहें। आवेदन पत्र शुल्क सभी संवर्ग/श्रेणी 600/- रुपये (छः सौ रुपये) मात्र प्रति आवेदन होगा। भरे हुये आवेदन पत्र के साथ ऑनलाइन भुगतान की रसीद की प्रति एवं अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज की स्व-प्रमाणित प्रति को बंद लिफाफे में रखकर लिफाफे के ऊपर पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र अवश्य लिखें, उसके पश्चात निम्नलिखित पते पर स्पीड पोस्ट या पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रेषित अथवा कार्यालयीन समय में जमा करें। **पता** - कार्यालय अधिष्ठाता, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, रॉयल मार्केट, भोपाल (म.प्र.) पिन-462001

आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 05.02.2025 शाम 5.00 बजे तक** है। समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नोट :– पी.जी. डिप्लोमा परफ्यूजन टेक्नोलॉजी कोर्स के लिये पृथक से आवेदन पत्र जमा करना होगा।

अधिष्ठाता
गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल

जी-22398/50530/2025

मध्यप्रदेश, मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग का नया हब बनेगा - मुख्यमंत्री

जापान यात्रा

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान दौरे के दौरान टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक श्री डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विकसित किये जा रहे 75 एकड़ के मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल पार्क को वैश्विक निवेशकों के लिये एक बेस्ट डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में नये हब के रूप में विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक इकाइयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। यहां उन्नत बुनियादी सुविधाएं, राज्य सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन योजनाएं निवेशकों के लिये विशेष अवसर है। डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवा, मेडिकल उपकरण निर्माण, फार्मास्यूटिकल उत्पादन के क्षेत्र में निवेशकों को आमंत्रित करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके व्यापार को सुगम बनाने के लिये हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में रियायती दरों पर भूमि की उपलब्धता, मेडिकल डिवाइस, बायोटेक और फार्मा कम्पनियों के लिये विशेष प्रोत्साहन योजना है, बेहतर लॉजिस्टिक और कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं मध्यप्रदेश में ज्यादा से ज्यादा निवेश को आकर्षित करती हैं।

मध्यप्रदेश में निवेश की अनंत संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान में टोयोटा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान दौरे के पहले दिन टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा की। उन्होंने श्री तोशियूकी नाकाहारा महाप्रबंधक, प्रशासन एवं समर्थन विभाग, इंडिया और मिडिल ईस्ट डिवीजन और श्री मासाहिरो नोगी परियोजना महाप्रबंधक, प्रशासन एवं समर्थन विभाग, इंडिया और मिडिल ईस्ट डिवीजन के साथ व्यापारिक संभावनाओं और निवेश के अवसरों पर गहन चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए एक आइडियल डेस्टिनेशन बताते हुए राज्य की प्रमुख विशेषताओं से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भारत के केंद्र में स्थित है, जो उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम के लिए एक आदर्श केंद्र बिंदु बनता है। हमारे पास विशाल औद्योगिक भूमि बैंक, कुशल युवा कार्यबल और उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा है। खासतौर पर पीथमपुर ऑटोमोबाइल क्लस्टर तेजी से उभरता हुआ औद्योगिक केंद्र है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं लेकर आया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य की शांतिपूर्ण और आपदा-रहित स्थिति पर जोर देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश, जापान की तरह ही शांति और स्थिरता के लिए प्रसिद्ध है। राज्य प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित है, जो इसे निवेश के लिए और भी अनुकूल बनाता है। यहां की सरल और परिश्रमी जनता, तकनीकी कौशल और व्यवसाय के लिए प्रतिबद्धता के साथ उद्योगों को उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री ने टोयोटा को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया और विशेष रूप से तकनीकी नौकरियों में युवाओं के प्रशिक्षण और सशक्तिकरण के लिए संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, टोयोटा के लिए अपनी सुविधाएं स्थापित करने और व्यावसायिक विस्तार के लिए एक आदर्श स्थान है। हमारी उद्योग नीतियां निवेश प्रोत्साहन और भूमि उपलब्धता और वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने में सहायक हैं। टोयोटा के अधिकारियों ने मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिवेश और निवेश-अनुकूल माहौल की सराहना की और राज्य के साथ साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह दौरा 'इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश' अभियान का प्रमुख हिस्सा है, जो फरवरी 2025 में भोपाल में आयोजित होने वाले 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025' के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह बैठक भारत और जापान के बीच आर्थिक सहयोग को सशक्त करने और मध्यप्रदेश को एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और सशक्त कदम है।

मुख्यमंत्री ने बताया ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 24-25 फरवरी, 2025 को भोपाल में आयोजित होने वाली है। यह दो दिवसीय समिट मध्यप्रदेश के निवेश, जलवायु और औद्योगिक अवसंरचना के बेहतर प्रजेंटेशन के उद्देश्य से आयोजित की गई है। यह समिट निवेश में संभावित सहयोग के लिए कई अवसर प्रदान करेगा। यह मंच वैश्विक नेताओं, उद्योगपतियों और विशेषज्ञों के लिए एक विशेष अवसर होगा।

मध्यप्रदेश में लॉन्च हुआ हर घर जल ऑनलाइन फीडबैक मॉड्यूल

भोपाल, गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरि ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल ग्रामों (पूर्ण नलजल योजनाओं वाले ग्रामों) में जल प्रदाय की स्थिति और उपभोक्ता संतुष्टि का फीडबैक लेने के लिए राज्य स्तर पर एक विशेष सेल का शुभारंभ किया।

इस सेल को अधिक व्यवस्थित और डिजिटल बनाने के लिए संतुष्टि–Functionality Feedback ऑनलाइन मॉड्यूल की शुरुआत की गई है। यह मॉड्यूल प्रमुख अभियंता कार्यालय की लोक सेवा प्रबंधन टीम द्वारा संचालित किया जाएगा। मॉड्यूल के माध्यम से उपभोक्ताओं का फीडबैक सीधे ऑनलाइन प्राप्त होगा और समस्याओं की जानकारी संबंधित कार्यपालन यंत्री एवं अधिकारियों तक तत्काल पहुंचेगी, जिससे योजनाओं में तेजी से सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मध्यप्रदेश जल जीवन मिशन की पूर्ण योजनाओं की क्रियाशीलता (Functionality) का स्वतः फीडबैक लेने की व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यह पहल जल प्रदाय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और सुदृढ़ बनाएगी। साथ ही, विभाग अब बिना किसी शिकायत के अपनी योजनाओं का स्वयं मूल्यांकन कर सकेगा।

विभाग पहले से ही सीएम हेल्पलाइन पर लोक शिकायतों के निराकरण में ए-श्रेणी प्राप्त करता आ रहा है।

पीएम स्वनिधि योजना में पथ विक्रेताओं को मिला 1769 करोड़ रुपये का ऋण

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग प्रदेश में पथ विक्रेताओं और रेहड़ी-पटरी वालों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिये पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से ऋण उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश में अब तक 12 लाख 30 हजार हितग्राहियों को लगभग 1769 करोड़ 16 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। मध्यप्रदेश उल्लेखनीय कार्य करते हुए पिछले 3 वर्षों से प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 4 लाख 89 हजार पथ विक्रेता अपने कारोबार में सफलतापूर्वक डिजिटल लेन-देन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शैक्षणिक सुधार में उठाये महत्वपूर्ण कदम

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर विद्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में आयोजित मध्याह्न भोजन के विशेष भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों को उपहार स्वरूप बैग, पानी बॉटल आदि वितरित कीं।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि एक शासकीय स्कूल में विज्ञान के प्रति कल्पनाशीलता के आधार पर जो हो सकता है, वह सभी इस स्कूल में देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों में शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर से बेहतर बनाने के लिये कारगर प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में शैक्षणिक सुधार की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। जीवन में ज्यादा से ज्यादा सीखें और ज्ञान अर्जित करें। परमात्मा ने प्रकृति के माध्यम से कई सारे रहस्यों को हमारे बीच विद्यमान किया है। ज्ञान के बलबूते पर इन रहस्यों से सीख सकते हैं और वर्तमान में इसका सदुपयोग करके अपनी योग्यता साबित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय का सदुपयोग करें। अपनी योग्यता साबित करें और उन्नति करें। उन्होंने कहा कि मैं भी सरकारी स्कूल से पढ़कर निकला हूं, हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी भी सरकारी स्कूल में पढ़े हैं।

हम सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर समान रूप से सभी स्कूलों में पाते हैं। जहां मैं खड़ा हूं वहां आप भी खड़े हो सकते हैं। यही लोकतंत्र की ताकत है। बच्चे शिक्षा के साथ संस्कार भी प्राप्त करें। आप भी आगे बढ़ें, उन्नति करें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

23 हजार 326 उपभोक्ताओं की शिकायतों का हुआ संतोषजनक निराकरण

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रत्येक सोमवार को उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल में सुधार, गलत रीडिंग, आकलित खपत अथवा अन्य किसी भी तरह की शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है।

कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि सितंबर 2024 से जनवरी 2025 की अवधि में 23 हजार 326 उपभोक्ताओं की शिकायतों का स्थल पर ही संतोषजनक निराकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता कंपनी के वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय स्तर पर प्रति सोमवार लगने वाले शिकायत निराकरण शिविर में पहुंचकर अपनी जो भी समस्याएं हैं, उन्हें अधिकारियों से आमने-सामने बैठकर बातचीत करके हल करवा सकते हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि बिल संबंधी शिकायतों को कंपनी के संपर्क केन्द्र के दूरभाष क्रमांक 1912 पर, उपाय ऐप अथवा कंपनी के पोर्टल portal.mpcz.in पर दर्ज कराना अनिवार्य किया गया है।

दुनिया को युद्ध की नहीं, महात्मा बुद्ध के शांति मार्ग की जरूरत

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के चूना भट्टी क्षेत्र में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध के बताये ज्ञान पर अमल करने की जरूरत है। भगवान बुद्ध का मार्ग ही विश्व शांति का मार्ग है। यह मार्ग हमें मन की शांति, करुणा, प्रेम, अपनत्व और विश्व बंधुत्व की ओर ले जाता है। मुख्यमंत्री ने बुद्ध के विचारों और शिक्षाओं को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि उनका संदेश दुनिया में शांति और सद्भाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक महोत्सवों से समाज में भाईचारे और सामाजिक सौहार्द्र के संदेश का प्रसार होता है। बौद्ध महोत्सव में देश-विदेश से आए बौद्ध विद्वानों और अनुयायियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बौद्ध दर्शन और उसके माध्यम से विश्व शांति की स्थापना को बढ़ावा देना था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में शामिल हुए

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में समरसता लाने के लिए बुद्ध का बताया मार्ग सर्वश्रेष्ठ है। हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बौद्ध समाज की मांग पर मुख्यमंत्री ने चूना भट्टी स्थित स्थल को स्थायी बौद्ध भूमि घोषित करने का आश्वासन दिया। हम सब एक हैं और सब मिलकर इस पवित्र बौद्ध भूमि का विकास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने बाबा साहब को सदैव ही सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहेब की जन्म स्थली, उनके अध्ययन स्थल, उनकी दीक्षा भूमि, चैत्य स्थल और महानिर्वाण स्थल का विकास कर इन्हें पंच महातीर्थ की संज्ञा दी है। हमारी सरकार महात्मा गौतम बुद्ध और बाबा साहेब के बताए शांति मार्ग पर चलकर समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में अग्रसर है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

देश को सशक्त और समृद्ध बनाने में नागरिक दें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान

लाल परेड मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में परेड की सलामी लेते हुए राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

- संविधान से मिले अधिकारों कर्तव्यों का निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ करें पालन।
- राज्यपाल ने राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्र ध्वज फहराया।

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने लाल परेड ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित किया। राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर नागरिकों से आह्वान किया और कहा कि वे एक सशक्त और समृद्ध देश बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। संविधान से मिले अधिकारों और सौंपे गए कर्तव्यों का अपने आचरण और व्यवहार में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पालन करें। स्वतंत्रता सेनानियों, बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान सभा के सदस्यों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि प्रदेश में गण और तंत्र, समान भाव, समर्पण और लगन से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को मूल मंत्र बनाकर जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के चहुंमुखी विकास की नई यात्रा में सहभागिता कर रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के पर्यावरण के लिए नव जागृति की पहल 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में प्रदेश ने साढ़े 5 करोड़ पौधे लगाकर, जल गंगा संवर्धन अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता कर सजग-सक्रिय गणतंत्र का आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश युवाओं, महिलाओं, अन्नदाता किसानों और गरीब वर्ग की समान रूप से उन्नति उनके जीवन को खुशहाल, आसान बनाने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी अधोसंरचना और औद्योगिक क्षेत्र में विकसित प्रदेश के निर्माण के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के तहत, प्रदेश गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (GYAN) के सशक्तिकरण पर आधारित चार मुख्य स्तंभों पर कार्य कर रहा है। राज्य सरकार ने इस दिशा में मिशन मोड में कार्य करने के उद्देश्य से गरीब कल्याण मिशन, स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन, किसान-कल्याण और देवी अहिल्याबाई होल्कर नारी सशक्तिकरण मिशन शुरू किये हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि प्रदेश में आर्थिक विकास को गति देने के लिए निवेश और औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखी जा रही है।

जन कल्याण अभियान के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा

प्रधानमंत्री के सुशासन और समतामूलक समाज की अवधारणा पर देश आगे बढ़ रहा

- बाबा साहेब की समरसता और समानता की भावना के अनुरूप राज्य सरकार कर रही है कार्य।
- जियो और जीने दो के सिद्धांत पर हर गरीब का जीवन बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध।
- जन कल्याण अभियान में चिह्नित हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ।
- सफाई मित्रों को किया सम्मानित और पहनाई पादुकाएं।

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनकल्याण अभियान के समापन पर इंदौर के गांधी नगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सुशासन और समतामूलक समाज पर देश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए 63 प्रकार की विभिन्न योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, गरीबी रेखा राशन के लाभ उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार के प्रतिनिधि घर-घर पहुंच रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए पुनः सर्वे कराया जा रहा है। राज्य सरकार 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर विश्वास करती है और हर गरीब का जीवन बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में इंदौर और उज्जैन संभाग के हितग्राही और नागरिक शामिल हुए। राज्य सरकार की चिह्नित हितग्राहीमूलक योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 11 दिसम्बर, 2024 से 26 जनवरी 2025 तक प्रदेश में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया गया। इसमें हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की समरसता और समानता की भावना को केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। बाबा साहेब ने हमें समानता का अधिकार दिलाया और अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र के साथ प्रदेश सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने बाबा साहेब को वह सम्मान नहीं दिया, जो उन्हें मिलना चाहिए था। हमारी सरकार ने बाबा साहेब के उन स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है, जो उनके जीवन से जुड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पक्का मकान, गैस का चूल्हा, 2029 तक प्रतिमाह निःशुल्क राशन, बच्चों के अध्ययन के लिए निःशुल्क पुस्तकों की व्यवस्था के साथ ही दुग्ध-उत्पादन में वृद्धि के लिए 10 से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान की व्यवस्था की जा रही है। हर गरीब, किसान, युवा और बहनों का भला करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार लाड़ली बहनों के माध्यम से हर महीने रक्षाबंधन मना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा नाश की जड़ है, अतः प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान आरंभ किया जा रहा है। शराब दुकानों को हतोत्साहित कर दूध के उत्पादन को प्रोत्साहित करना हमारा उद्देश्य है।

मिशन मोड में कर रहे हैं कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक समरसता, गरीबों की बेहतरी, युवाओं को रोज़गार और सभी के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुसार मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। युवा मिशन के अंतर्गत तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार कार्य दिया जा रहा है।

चीतों की ऐतिहासिक पुनर्स्थापना से हम गौरवान्वित हैं - मुख्यमंत्री

भोपाल, 76वें गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय उत्सव में इस बार कर्तव्य पथ पर मध्यप्रदेश की झांकी ने देशवासियों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया पर कहा कि चीतों का आगमन न केवल हमारे इको-टूरिज्म को प्रोत्साहन देगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। 'चीतों की ऐतिहासिक वापसी' पर आधारित झांकी ने न केवल राज्य की समृद्ध जैव विविधता को उजागर किया, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई 'चीता पुनर्वास परियोजना' की सफलता को भी उत्कृष्टता से रेखांकित किया। झांकी में कूनो नेशनल पार्क और वहां बसे चीतों को दिखाया गया, जिन्होंने मध्यप्रदेश को 'चीता स्टेट' के रूप में पहचान दिलाई है।

वर्ष 2023 के सितंबर में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए चीतों को पुनर्स्थापित कर एक नया इतिहास रचा। चीतों के सफल पुनर्वास ने मध्यप्रदेश को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

किसानों की समृद्धि के लिये बढ़ाई कृषि उत्पादकता

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि और खुशहाली राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश में संकल्पबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने के लिये कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को सस्ते दाम पर बीज, फर्टिलाइजर एवं मशीनरी उपलब्ध करवाई जा रही है। विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय तिलहन मिशन, बीज ग्राम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और एसएमएएम योजना के माध्यम से उन्नत किस्मों का बीज एवं कृषि उपकरण अनुदानित दरों पर किसानों को प्रदान किये जा रहे हैं। कृषि विभाग में प्रचलित कृषि यंत्रीकरण प्रोत्साहन योजना में प्रतिवर्ष 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर एक हजार कस्टम हायरिंग केन्द्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित है। प्रदेश में कृषक उत्पादक संगठनों का गठन करके प्रत्येक एफपीओ को 18 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता एवं 5 करोड़ रुपये तक की क्रेडिट गारंटी सुविधा दी जा रही है।

राज्य मिलेट मिशन के अंतर्गत कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं रागी के उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। प्रमाणित बीज वितरण, कृषक अध्ययन, भ्रमण, सेमिनार, वर्कशॉप, मिलेट मेला, प्रचार-प्रसार के लिये सभी जिलों में निर्देश जारी किए गए हैं। फूड फेस्टिवल, ब्रांडिंग गैलेरी के लिये मध्यप्रदेश टूरिज्म विकास निगम के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में 12.60 लाख मीट्रिक टन श्री अन्न (कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा आदि) के उत्पादन का लक्ष्य है। वर्ष 2025-26 में 13.85, वर्ष 2026-27 में 15.35, वर्ष 2027-28 में 17.35 एवं वर्ष 2028-29 में 19.85 लाख मीट्रिक टन के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

महाकुंभ के श्रद्धालुओं के लिए प्रदेश की सीमा पर की है पुख्ता व्यवस्था

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रयागराज में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने से रीवा जिले के चाकघाट थाना अंतर्गत सीमा पर पहुंच रहे हजारों श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी श्रद्धालुओं से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने और संयम बनाए रखने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये प्रदेश के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं, जो श्रद्धालुओं के खाने-पीने से लेकर ठहरने की समुचित व्यवस्था का ध्यान रख रहे हैं। स्नान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं को रीवा जिले में मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश की सीमा पर रुकने का सुझाव

भारतीयों में दूध में शक्कर की तरह हर जगह एडजस्ट होने की कला है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान में फ्रेंड्स ऑफ एमपी से किया संवाद

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान यात्रा के दूसरे दिन जापान में भारतवंशियों 'फ्रैन्ड्स ऑफ एम.पी.' को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतवंशी अपनी परिवार परंपरा से जहां काम करते हैं वहां निष्ठा का भाव रखते हैं। यही कारण है कि वे हर जगह एडजस्ट हो जाते हैं। एडजस्ट भी ऐसे जैसे दूध में शक्कर मिल जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, ऑटो मोबाइल, टायर मैन्यूफैक्चरिंग एवं रेडिमेड गारमेंट के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भारतवंशी ही सगे संबंधियों को समझ सकते हैं। विदेश प्रवास के दौरान भी आप लोगों को सामने देखकर ऐसा लगता है जैसे हम सगे-संबंधियों के बीच आ गए हैं। हमारे देश में कोई भी उत्सव या समारोह तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक उस समारोह में सगे-संबंधियों की उपस्थित न हो। मैं आपको मध्यप्रदेश में फरवरी माह में होने जा रहे औद्योगिक निवेश के भव्य समारोह जीआईएस के लिये आमंत्रित करने आया हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो' की भावना को सर्वोपरि रखकर काम करते हैं और यही वजह है कि हिन्दुस्तानी आपको हर देश में हर काम को निष्ठा के साथ करता हुआ मिल जाएगा।

हम आगे बढ़ना चाहते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति रही है कि कभी हमने आक्रमण नहीं किया, कभी किसी की भूमि पर कब्जा नहीं किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयामों को छुआ है। मैं कह सकता हूं कि नेता तो पहले भी आते रहे होंगे परंतु लोगों के मन में प्रधानमंत्री श्री मोदी के आगमन और विदेशी मंच पर उनके सम्मान को देखते हुए जिस विश्वास और दृढ़ता का भाव पैदा होता है, उस भाव से मन में गर्व की अनुभूति होती है।

औद्योगिक विकास के लिये हरसंभव सहायता देने को प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान यात्रा के दौरान पैनासोनिक एनर्जी कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पैनासोनिक एनर्जी से अपेक्षाएँ जताईं कि वह राज्य में अपनी स्किल डेवलपमेंट पहल को बढ़ावा दे, ताकि प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोज़गार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी को ऊर्जा भण्डारण और सस्टेनेबल बैटरी निर्माण के लिए पीथमपुर में अपनी इकाई का विस्तार करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने प्रदेश में रिसर्च और डेवलपमेंट केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया। इससे प्रदेश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वृद्धि हो सकेगी। बैठक में पैनासोनिक के अधिकारियों से मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और सहयोग की संभावनाओं पर गहन चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी के साथ मध्यप्रदेश में विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माण और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में नई यूनिट्स स्थापित करने पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक नीति और पैनासोनिक एनर्जी के लिए विशेष वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि इससे पैनासोनिक को मध्यप्रदेश में और अधिक निवेश करने के अवसर मिल सकते हैं। बैठक में पैनासोनिक एनर्जी के अधिकारियों ने अपनी कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पैनासोनिक ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा भंडारण और बैटरी निर्माण क्षेत्र में निवेश करने की अपनी रुचि दर्शाते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

सिस्मैक्स, प्रदेश में मेडिकल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिये आमंत्रित है - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के कोबे स्थित सिस्मैक्स कॉर्पोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का दौरा किया

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के कोबे स्थित सिस्मैक्स कॉर्पोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का दौरा कर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी और जीवन विज्ञान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। सिस्मैक्स सॉल्यूशन वैश्विक डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है, उन्नत चिकित्सा अनुसंधान और हेल्थ केयर नवाचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रसिद्ध है।

- **रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने का भी सुझाव।**
- **कोबे में मध्यप्रदेश की मेडिकल टेक्नोलॉजी में निवेश को लेकर हुई बैठक।**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मैक्स कोबे को मध्यप्रदेश में मेडिकल डायग्नोस्टिक उपकरणों की विनिर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव देकर आमंत्रित किया। उन्होंने सिस्मैक्स को प्रदेश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने सिस्मैक्स सॉल्यूशन सेंटर के निर्माण और अनुसंधान केन्द्र का दौरा कर कंपनी की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया। उन्होंने सिस्मैक्स के अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इस क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होकर सिस्मैक्स जैसी कंपनियों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार है।

राज्य सरकार नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने सिस्मैक्स को आमंत्रित करते हुए कहा कि उज्जैन में स्थापित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। इस केंद्र में भारत के लिए नए और उन्नत मेडिकल उपकरणों पर अनुसंधान किया जा सकता है और जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं। राज्य सरकार नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैविक एवं प्राकृतिक खेती में प्रदेश को अग्रणी बनाने के प्रयास

भोपाल, प्रदेश में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। जैविक एवं प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं किया जाता है। खेती की इस पद्धति को बढ़ावा देने के प्रयास चल रहे हैं। जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए क्लस्टर स्थापित करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मध्यप्रदेश जैविक खेती में अग्रणी रहे। केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जैविक एवं प्राकृतिक खेती के क्षेत्रफल को बढ़ावा देने के प्रयास किये जा रहे हैं।

प्रदेश में रेशम उत्पादन एवं मधुमक्खी पालन का भी कार्य किया जा रहा है। कृषकों को जैविक खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में जैविक खेती का क्षेत्रफल देश में सबसे अधिक है। मंडला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, कटनी, उमरिया और अनूपपुर जिले में जैविक खेती प्रमुखता से की जा रही है। सरकार ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये सहकारिता विभाग को कृषि एवं उद्यानिकी के साथ सम्बद्ध किया है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती बोर्ड का गठन किया गया है।

फैक्ट फाइल

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन

महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन और समृद्ध समाज के निर्माण में मददगार

आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ज्ञान (GYAN) के सम्मान का मंत्र दिया है। मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री द्वारा मार्गदर्शित विकास के चार वर्गों गरीब, किसान, युवा और नारी के लिए निर्धारित प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन वर्गों के विकास के लिए गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन, स्वामी विवेकानंद युवा कल्याण मिशन तथा महिला सशक्तिकरण मिशन के स्वरूप में योजना बनाकर कार्य आरंभ किया है। देवी अहिल्याबाई होलकर की नगरी महेश्वर में 24 जनवरी को कैबिनेट बैठक में देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन का सैद्धांतिक अनुमोदन दिया गया।

देवी अहिल्याबाई होलकर ने सुशासन, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसानों का कल्याण, उद्योग और आर्थिक उन्नति के आदर्श कीर्तिमान स्थापित किये। यह वर्ष देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती का त्रिशति वर्ष है। इस वर्ष में महेश्वर नगरी में संपन्न कैबिनेट बैठक में देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन का अनुमोदन प्रदेश की महिला वर्ग को एक विशेष अवसर उपलब्ध कराता है।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के प्रमुख घटक

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के प्रमुख घटक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और जीवन कौशल, आर्थिक स्वावलम्बन, सुरक्षा एवं संरक्षण तथा संवाद से व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित करना शामिल है।

विजन

- महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन तथा समाज में आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए एकीकृत प्रयास करना।
- महिलाओं तथा बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास और सुरक्षा।
- महिलाओं तथा बालिकाओं तक विभिन्न सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना।
- समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सकरात्मक व्यवहार परिवर्तन के लिए संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु जागरूकता।
- मिशन में समस्त आयु वर्ग की महिला तथा कमजोर वर्ग की महिलाएं शामिल हैं।

कौन-कौन शामिल होंगे मिशन में

- गर्भवती महिला
- शिशु, बालिका
- किशोरी बालिका, युवा महिला
- बुजुर्ग महिला
- संकटग्रस्त महिला तथा बालिका
- गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर
- परित्यक्ता, विधवा, तलाकशुदा तथा दिव्यांग
- अनुसूचित जाति, जनजाति तथा (PVTG) वर्ग

मिशन के लक्ष्य

- जन्म के समय लिंगानुपात में 5 अंक प्रति हजार की वृद्धि करना।
- बालिकाओं की 10 या उससे अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा में 5 प्रतिशत की वृद्धि करना।
- मातृ मृत्यु दर में 10 अंक की कमी लाना।
- महिलाओं के विरुद्ध अपराध में 5 अंक की कमी लाना।
- बाल विवाह रोकना।
- महिला श्रम बल भागीदारी दर में 3 प्रतिशत की वृद्धि करना।

आर्थिक स्वावलंबन

- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से महिलाओं की उद्यमिता तथा व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि के लिए प्रयास।
- स्टार्टअप मध्यप्रदेश के माध्यम से महिला उद्यमिता को बढ़ावा।
- एमएसएमई उद्यम पोर्टल अंतर्गत पंजीयन तथा अन्य सब्सिडी की सुविधा प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करना।
- **डिजिटल इंडिया-** लाड़ली बहना को रूपे कार्ड का प्रदाय।
- आजीविका संबंधी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन।
- ऑनलाइन शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स विकसित करना।
- कार्यरत महिलाओं को सहयोग।
- **आवास की व्यवस्था -** समस्त महिला कर्मचारियों तथा अन्य शासकीय कर्मचारियों हेतु विकासखंड स्तर पर आवास की व्यवस्था।
- **वर्किंग वुमन हॉस्टल -** दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली कामकाजी महिलाओं हेतु विकासखंड स्तर पर हॉस्टल की व्यवस्था।
- **डे-केयर सेंटर -** विकासखंड स्तर पर कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल हेतु सर्व सुविधायुक्त डे-केयर सेंटर की व्यवस्था।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

चर्चा

जॉन रैटक्लिफ

अमेरिका में सीआईए प्रमुख नियुक्त

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जॉन रैटक्लिफ को सीआईए निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने की मंजूरी दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति के तौर पर पहले कार्यकाल के दौरान रैटक्लिफ राष्ट्रीय खुफिया निदेशक थे। पिछले सप्ताह सीनेट की सुनवाई में रैटक्लिफ ने कहा था, ''रूस और चीन से निपटने के लिए एआई जैसी तकनीक का इस्तेमाल करने के मामले में सीआईए को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। सीनेट में इस संबंध में हुई वोटिंग में रैटक्लिफ के पक्ष में 74 वोट पड़े जबकि 25 सीनेटर्स ने उनके खिलाफ वोट डाले। वर्ष 2020 में उन्हें नेशनल इंटेलिजेंस का डायरेक्टर भी बनाया गया था।

दक्ष मलिक

छात्र ने खोजा क्षुद्रग्रह नासा ने दी मान्यता

उत्तरप्रदेश में नोएडा के 14 साल के छात्र दक्ष मलिक और उसके दो दोस्तों ने अंतरिक्ष में क्षुद्रग्रह की खोज की है। नासा ने इसकी पुष्टि की है और इसे मान्यता दी है। नासा ने नौवीं के छात्र दक्ष को इस क्षुद्रग्रह का नाम रखने का अवसर दिया है। दक्ष के मन में 'डिस्ट्रॉयर ऑफ द वर्ल्ड' और 'काउंटडाउन' जैसे नाम हैं।

क्रिस्टी नोएम

अमेरिका में गृह सुरक्षा विभाग की सचिव होंगी

क्रिस्टी नोएम अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की सचिव होंगी। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद, अमेरिकी सीनेट ने इसकी औपचारिक मंजूरी दे दी। दक्षिण कोटा की गवर्नर क्रिस्टी को अब एक बड़ी एजेंसी का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति ट्रंप की अवैध आव्रजन पर लगाम लगाने की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। गवर्नर और पूर्व अमेरिकी कांग्रेस सदस्य क्रिस्टी नोएम को ट्रंप द्वारा अपने प्रशासन के सबसे अहम विभागों में से एक का नेतृत्व करने के लिए चुना गया है।

उत्तराखंड

यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बना

उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू हो गया है। मुख्यमंत्री आवास में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इसका ऐलान किया। यह कार्यक्रम सीएम आवास के मुख्य सेवक सदन में आयोजित किया गया। सीएम धामी ने कहा कि हमने 3 साल पहले जनता से किए वादे को पूरा किया। यूसीसी किसी धर्म या वर्ग के खिलाफ नहीं है। इसका उद्देश्य किसी को टारगेट करना नहीं है। सभी को समान अधिकार देना है। 27 जनवरी का दिन प्रतिवर्ष समान नागरिकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

रिकी, सौरभ और कुश

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन भारतीय अमेरिकियों को खास भूमिकाएं सौंपी हैं। रिकी गिल राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में वरिष्ठ निदेशक के रूप में दक्षिण-मध्य एशिया की जिम्मेदारियां संभालेंगे। सौरभ शर्मा राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय में स्टाफिंग-नियुक्तियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं, पूर्व पत्रकार कुश देसाई को व्हाइट हाउस की संचार रणनीति में उप प्रेस सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

माइकल मार्टिन

दूसरी बार बने आयरलैंड के प्रधानमंत्री

आयरलैंड में माइकल मार्टिन दूसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए हैं। 64 वर्षीय माइकल मार्टिन ने इससे पहले 2020 से 2022 तक आयरलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। गठबंधन समझौते के अनुसार, फाइन गेल के साइमन हैरिस 2027 में आयरलैंड के प्रधानमंत्री बनेंगे। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन को उनके दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। आयरलैंड की संसद में मतदान के बाद माइकल मार्टिन को दूसरे कार्यकाल के लिए आयरलैंड का प्रधानमंत्री चुना गया। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि भारत-आयरलैंड के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करना चाहता है।

आईआईटी मद्रास

बिना पानी के कंक्रीट बनाई

भविष्य में मंगल ग्रह पर मानव बस्ती बसाने की योजना की दिशा में आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर ने अहम उपलब्धि हासिल की है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर पीयूष चौंसाली ने मंगल की मिट्टी से बिना पानी के कंक्रीट बनाने की तकनीक विकसित की है। बिना पानी और मंगल ग्रह जैसी मिट्टी से कंक्रीट बनाने की यह तकनीक दुनिया भर में पहली बार विकसित की गई है। यह अंतरिक्ष में खोज के लिए स्थायी तकनीकों के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान है। आईआईटी मद्रास के एक्सटेम रिसर्च सेंटर मंगल या चंद्रमा पर निर्माण के लिए कई महत्वपूर्ण शोध क्षेत्रों की जांच कर रहा है। इसमें अंतरिक्ष कंक्रीट, अंतरिक्ष फैक्ट्री, अंतरिक्ष में रीसाइक्लिंग, माइक्रोग्रैविटी में वेल्डिंग और अंतरिक्ष में धातु थ्रीडी प्रिंटिंग शामिल हैं।

चीन

नकली सूर्य से पैदा किया 100 मिलियन डिग्री से. तापमान

चीन ने विज्ञान के क्षेत्र में ऐसा अनोखा कारनामा कर दिखाया कि दुनिया हैरान रह गई। उसने अपना नकली सूरज उतारकर 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस तापमान पैदा किया। यह कीर्तिमान अब तक कोई नहीं कर पाया है। दुनियाभर के वैज्ञानिक इस चमत्कार से हैरान हैं। चीन के नकली सूरज ने 1000 सेकंड (16.67 मिनट) तक 100 मिलियन डिग्री तक ऊर्जा उत्पन्न की। चीन ने इससे पहले 2023 में इतनी ऊर्जा 403 सेकंड तक बरकरार रखी थी। इस बार उसने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। चीन इस वैज्ञानिक चमत्कार को सबसे बड़ा सफल न्यूक्लियर फ्यूजन प्रयोग बता रहा है। इस आर्टिफिशियल सूर्य का नाम एक्सपेरिमेंटल एडवांस्ड सुपरकंडक्टिंग टोकामक (EAST) फ्यूजन एनर्जी रिएक्टर है। वैज्ञानिकों के अनुसार, विज्ञान के क्षेत्र में यह उपलब्धि मील का पत्थर साबित होगी। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के प्लाज्मा फिजिक्स इंस्टीट्यूट के निदेशक सॉन्ग युनटाओ ने चीनी स्टेट मीडिया को बताया कि ''फ्यूजन डिवाइस को अत्यधिक ऊर्जा के साथ हजारों सेकंड तक बनाए रखना आसान नहीं था।

गूगल मैप

मैक्सिको की खाड़ी को बताएगा अमेरिका की खाड़ी

अमेरिकी सर्च इंजन गूगल ने कहा है कि अब अमेरिका की भौगोलिक नाम सूचना प्रणाली (जीएनआईएस) को अपडेट किए जाने के बाद ही 'गल्फ ऑफ अमेरिका' और 'माउंट मैकिनली' जैसे स्थानों के नाम गूगल मानचित्र पर दिखाई दे सकेंगे। गूगल ने 'एक्स' पर कहा कि हमें गूगल मानचित्रण में नामकरण को लेकर जो निर्देश मिले हैं उसके अंतर्गत अब मैक्सिको की खाड़ी का नाम अमेरिका की खाड़ी होगा। पर मैक्सिको से देखे जाने पर मैप में इसका पुराना नाम बना रहेगा।

रेडियो आकाशगंगा

पृथ्वी से 32 गुना बड़ी आकाशगंगा की खोज

शायद आपको पता न हो, लेकिन इस समय हमारे सौरमंडल से बहुत दूर विशाल ब्रह्मांडीय घटनाएं घट रही हैं। इन ब्रह्मांडीय घटनाओं में अतिविशाल ब्लैक होल प्रमुख रूप से शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में शोधकर्ताओं ने पृथ्वी के आकार से 35 गुना बड़ी आकाशगंगा की खोज की है। यहां की मीरकैट सहित रेडियो दूरबीनों की एक नयी पीढ़ी ने पिछले पांच वर्षों में लगभग ग्यारह हजार विशालकाय तारामंडल खोजे हैं, लेकिन नयी विशाल रेडियो आकाशगंगा की खोज असाधारण है।

अलेक्जेंडर लुकाशेंको

बेलारूस के राष्ट्रपति को चुनाव में मिली भारी जीत

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको एक बार फिर चुनाव में निर्वाचित घोषित किए गए हैं। अधिनायकवादी लुकाशेंको तीन दशक से भी अधिक समय से सत्ता में हैं। सेंट्रल इलेक्शन कमीशन ने लुकाशेंको को विजयी घोषित किया और बाद में उसकी प्रतिपुष्टि भी की। सेंट्रल इलेक्शन कमीशन ने कहा कि लुकाशेंको नेता को करीब 87 प्रतिशत वोट मिले और उनके चार विरोधी प्रत्याशियों ने उनके शासन की तारीफ की।

वैज्ञानिकों ने

चुंबकीय गुणों से उड़ने वाले रोबोट पंख बनाए

जर्मन शोधकर्ताओं ने नई तरह के रोबोट पंख बनाए हैं, जो केवल चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करके उड़ सकते हैं। नए पंखों को किसी बैटरी या इलेक्ट्रॉनिक्स की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए मोनार्क तितलियों की तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो 5 हजार किलोमीटर दूर तक यात्रा कर सकती हैं। वैज्ञानिक अब इस तितली रोबोट तकनीक का इस्तेमाल ड्रोन और विमान के लिए करने का विकल्प खोज रहे हैं।

भारत और सिंगापुर ने

मनाया राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने पर जश्न

भारत और सिंगापुर ने राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर को मनाने के लिए सिंगापुर के राष्ट्रपति श्री थर्मन शानमुगरत्नम ने नई दिल्ली का दौरा किया और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। राष्ट्रपति शानमुगरत्नम के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी की चर्चा भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजिटल बुनियादी ढांचे और कार्यबल कौशल जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी। नेताओं ने दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए इन क्षेत्रों का लाभ उठाने के बारे में आशा व्यक्त की।

नेपाल ने

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की परमिट फीस बढ़ाई

नेपाल सरकार ने माउंट एवरेस्ट या माउंट कोमोलांगमा पर चढ़ाई का परमिट शुल्क बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी कि विदेशियों के लिए चढ़ाई शुल्क 11,000 डॉलर से बढ़ाकर 15,000 डॉलर कर दिया गया, जो 36 प्रतिशत की वृद्धि है। संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी माधव अधिकारी ने कहा, 'नई दर 1 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी।' उन्होंने बताया, इस बसंत में माउंट कोमोलंगमा पर चढ़ने की इच्छा रखने वालों को बढ़ी हुई फीस नहीं देनी होगी। इस बीच, नेपाल और चीन के बीच स्थित दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने की योजना बनाने वालों को पतझड़ के मौसम में 5,500 डॉलर की जगह 7,500 डॉलर का भुगतान करना होगा। सर्दियों और मानसून के मौसम के लिए शुल्क 2,750 डॉलर से बढ़कर 3,750 डॉलर हो गया है।

क्षुद्रग्रह बेन्नू

सैंपल से मिले जीवन के प्रमाण

पृथ्वी पर जीव की उत्पत्ति के सवाल पर सदियों से वैज्ञानिक स्टडी कर रहे हैं। इस कड़ी में अब एक नई जानकारी सामने आई है। इसमें कहा गया है कि संभवतः पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) से हुई। एस्टेरॉयड बेन्नू के सैंपल में जीवन के संकेत मिले हैं। नासा के मिशन ओसायरिस-आरईएक्स अंतरिक्ष यान बेन्नू से 122 ग्राम धूल और कंकड़ ले आया था। यह नमूना 2023 में यूटा के रेगिस्तान में पहुंचाया गया। यह चंद्रमा के परे से लाया गया सबसे बड़ा नमूना है। इस पर स्टडी कर रहे वैज्ञानिकों ने कहा कि इन खोजों से यह प्रमाण मिलता है कि क्षुद्रग्रहों ने पृथ्वी पर जीवन के बीज बोए हो सकते हैं। नासा के एस्टेरॉयड के सैंपल में सोडियम, अमोनिया सहित नाइट्रोजन की प्रचुर मात्रा मिली है। इसमें पानी की मौजूदगी के बारे में भी पता चला है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इनमें से कुछ खनिज पदार्थों में ऐसे कंपाउंड मिले हैं, जो अंतरिक्ष से लाए सैंपलों में पहले कभी नहीं देखे गए हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

लोक कला, संस्कृति के संरक्षण, प्रोत्साहन के लिए गण और तंत्र मिलकर करें कार्य

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रवीन्द्र भवन में आयोजित लोकरंग उत्सव का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में साहित्यकारों को राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया। राज्यपाल ने कहा कि हमारे प्रदेश की सांस्कृतिक जड़ें बहुत मजबूत हैं और सदियों से संरक्षित हैं। इसलिए, हम सबकी जिम्मेदारी है कि लोक-संस्कृति, कलाओं के संरक्षण एवं प्रोत्साहन प्रयासों के लिए गण और तंत्र मिलकर कार्य करें। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थितजनों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार, देश के सांस्कृतिक अभ्युदय के नए युग में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पुनर्जागरण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने हमारे गौरवशाली अतीत के वैभव को संरक्षित करते हुए युवाओं और भावी पीढ़ी को जोड़ने और सांस्कृतिक आयोजनों में जनजातीय एवं ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को प्रदर्शन का अवसर देने राज्य सरकार की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने इस अवसर पर प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य उत्सव की स्वर्ण जयंती और तानसेन समारोह के शताब्दी वर्ष के सफल आयोजन, ताल दरबार, कत्थक कुम्भ, उज्जैन डमरू वादन, गीता पाठ और शास्त्रीय बैण्ड वादन के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का जिक्र भी किया।

राष्ट्रीय सम्मान से किया अलंकृत

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने साहित्य, कला, संस्कृति के क्षेत्र में सुदीर्घ साधना एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभूतियों को शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया। उन्होंने वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान विवेकानंद नीडम संस्था ग्वालियर और वर्ष 2023 के लिए भारत भारती शिक्षा समिति, बैतूल को प्रदान किया। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय कबीर सम्मान से श्री रामदरश मिश्र और वर्ष 2023 के लिए श्री लीलाधर जगूड़ी को प्रदान किया। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान डॉ. देवेन्द्र दीपक और वर्ष 2023 के लिए सुश्री नीरजा माधव को प्रदान किया। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय देवी अहिल्याबाई सम्मान श्रीमती हेमलता उपाध्याय और वर्ष 2023 के लिए श्रीमती गीता त्यागी को प्रदान किया। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान श्री कैलाशचंद्र पंत और वर्ष 2023 के लिए डॉ. प्रभात कुमार भट्टाचार्य को प्रदान किया। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय तुलसी सम्मान श्री राघवराज भट्ट और वर्ष 2023 के लिए श्री दिनेशचंद्र कुम्हार को प्रदान किया। वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय नानाजी देशमुख सम्मान मातृछाया संस्था भोपाल और वर्ष 2023 के लिए सोपानम इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स एण्ड रिसर्च तिरुअनंतपुरम को प्रदान किया।

प्रयागराज में मध्यप्रदेश के एकात्म धाम मंडपम् में हुआ शास्त्रार्थ

प्रयागराज, मध्यप्रदेश के आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान में प्रयागराज महाकुंभ के सेक्टर-18 में लगे एकात्म धाम मंडपम् में दो दिवसीय शास्त्रार्थ सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में देश भर के 15 विद्वानों ने हिस्सा लिया। शास्त्रार्थ सभा की अध्यक्षता श्रृंगेरी शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती जी ने की। उन्होंने कार्यक्रम के अंतिम सत्र में सभा को संबोधित किया व विद्वानों और शंकरदूतों को आशीर्वाद दिया।

दुखों से बाहर आना ही मोक्ष है। मोक्ष की प्राप्ति के लिए वैदिक परंपरा का अनुसरण करना होगा। वैदिक परंपरा विश्व का आधार है और यही पूरे विश्व में व्याप्त दुखों को नष्ट कर सकती है। इस पर संकट का अर्थ है पूरे विश्व में संकट आना। आदि शंकराचार्य के उपदेशित मार्ग पर चलने से ही प्रत्येक व्यक्ति की भलाई हो सकती है। 'समाज का कल्याण आदि शंकराचार्य के ज्ञान से ही हो सकता है।' यह बात श्रृंगेरी शंकराचार्य ने प्रयागराज महाकुंभ में लगे मध्यप्रदेश के एकात्म धाम मंडपम् में चल रही शास्त्रार्थ सभा के अंतिम दिन अपने संबोधन में कही।

दूसरे दिन 7 घंटे तक चला शास्त्रार्थ

शास्त्रार्थ में देशभर से आए 15 विद्वानों ने अपने पक्ष को सिद्ध करने के लिए शंकराचार्य के समक्ष तर्क रखे। यह शास्त्रार्थ 8 घंटे तक सतत रूप से संस्कृत में हुआ। इसमें अद्वैत परंपरा आचार्यों का वैशिष्ट्य विवेचन, मिथ्यात्व निरूपण, ब्रह्मसूत्र, जगतकारण विमर्श जैसे विषयों पर चर्चा हुई। शास्त्रार्थ के विषय में कहा कि संवाद में बुद्धिमान की विजय होती है परन्तु ऐसा जरूरी नहीं कि जीतने वाला हमेशा शास्त्र सम्मत हो। इसके लिए वैदिक परंपरा में विश्वास रखना जरूरी है। हमारे लिए वेद प्रमाण है, वैदिक परंपरा में जो विश्वास रखते है उनके वचन को प्रमाणित करने के लिए भगवान स्वयं आ जाते हैं।

प्रयाग में आदि शंकराचार्य और कुमारिल भट्ट का संगम

श्रृंगेरी शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज की धरती पर आदि शंकराचार्य और कुमारिल भट्ट का संगम हुआ था। वे अपने भाष्य पर वार्तिक रचना के लिए कुमारिल भट्ट से मिलने आए थे। उन्होंने कहा कि वेदों के विषय में मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए और पूर्ण विश्वास रखना चाहिए। भारत के अतिरिक्त दुनिया के हर कोने ने सिर्फ जीवन जीने के लिए क्या जरूरी है उसकी बात होती है, लेकिन भारत की वैदिक परंपरा अनादिकाल से जीवन को सार्थक बनाना सिखा रही है।

समाज का कल्याण शंकराचार्य के ज्ञान से ही हो सकता है

श्रृंगेरी शंकराचार्य ने मध्यप्रदेश शासन की एकात्म धाम की संकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश ने एकात्म धाम के रूप में आदि गुरु शंकराचार्य जी की जो सेवा की जा रही है कि उसे मैं शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। समाज का कल्याण शंकराचार्य के ज्ञान से ही हो सकता है, इस मंतव्य को मध्यप्रदेश सरकार ने समझा। शंकर की सेवा के काम में न्यास के मार्गदर्शन के लिए श्रृंगेरी मठ हमेशा साथ रहेगा। श्रृंगेरी शंकराचार्य ने मंडपम् में लगी एकात्म धाम और अद्वैत लोक की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने जापान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

टोक्यो, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के टोक्यो में एडोगावा सिटी स्थित गांधी पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत की चर्चा करते हुए कहा कि बापू के आदर्श आज भी पूरी दुनिया में लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों को भारत-जापान संबंधों से जोड़ते हुए कहा कि बापू का अहिंसा का सिद्धांत जापान के गौतम बुद्ध के सिद्धांतों के साथ मेल खाता है। यह दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों का उल्लेख करते हुए कहा, 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रासबिहारी बोस, स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ ठाकुर जैसे महान नेता जापान से जुड़ी हमारी ऐतिहासिक मित्रता का प्रतीक हैं।' यह भारत और मध्यप्रदेश के लिए निवेश और व्यापार के नए अवसरों की संभावनाएं प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और जापान के बीच संबंधों में और प्रगाढ़ता आएगी और दोनों देशों के बीच साझेदारी के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं भी दीं।

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1524

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 594/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 29.01.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 17.02.2025** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2025_WRD_383021	के.बी.पी.आई.यू. ऑफिस बिल्डिंग एवं बीपीएमयू ऑफिस का मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	विदिशा	9.97
2.	2025_WRD_383041	दतुनी मध्यम योजना के बांध का वार्षिक कार्य।	देवास	4.97
3.	2025_WRD_383043	दतुनी मध्यम योजना के बांध कार्य पर मजदूरों के प्रदाय कार्य।	देवास	3.34
4.	2025_WRD_384079	दतुनी मध्यम योजना के नहर कार्य फेस-2 अंतर्गत क्षतिग्रस्त लाइनिंग सुधार कार्य।	देवास	14.53
5.	2025_WRD_384080	सोनकच्छ उपखण्ड अंतर्गत निर्मित तालाबों के बांध एण्ड कार्य हेतु मजदूर प्रदाय का कार्य।	देवास	13.02
6.	2025_WRD_384081	बागली उपखण्ड अंतर्गत पारस परियोजना के बांध एण्ड कार्य हेतु मजदूर प्रदाय का कार्य।	देवास	3.34
7.	2025_WRD_384082	सोनकच्छ उपखण्ड अंतर्गत निर्मित 08 तालाबों का वार्षिक सुधार कार्य।	देवास	3.23
8.	2025_WRD_384083	बागली उपखण्ड अंतर्गत कूप तालाब का वार्षिक सुधार कार्य।	देवास	2.65
9.	2025_WRD_384084	बागली उपखण्ड अंतर्गत बोरानी तालाब का वार्षिक सुधार कार्य।	देवास	2.79
10.	2025_WRD_387487	राजीव सागर परियोजना बांध कुड़वा के क्षतिग्रस्त कॉजवे के दायीं ओर अबटमेंट में प्लेन सीमेन्ट कॉक्रीट का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	3.02
11.	2025_WRD_387490	राजीव सागर परियोजना बांध कुड़वा के क्षतिग्रस्त कॉजवे के ब्लॉक संख्या छः का आर.सी.सी. का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	4.32
12.	2025_WRD_390429	वाहन क्र. एम.पी. 02 ए.व्ही. 4105 (टाटा मांजा) का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	0.66
13.	2025_WRD_391008	ककनू जलाशय की नहर का आवश्यक मरम्मत कार्य, साफ सफाई एवं सिल्ट निकालने का कार्य।	मण्डला	3.07
14.	2025_WRD_391175	कुण्डा जलाशय की क्षतिग्रस्त नहर की आर.डी. क्र. 750 मीटर पर नवीन सी.डी. का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	जबलपुर	3.58
15.	2025_WRD_391616	उपसंभाग कार्यालय में कार्यालयीन एवं आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य तथा बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य।	सतना	4.21
16.	2025_WRD_391651	कड़ान मध्यम सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित प्राचीन पुरातत्व महत्व की 25 नग प्रतिमाओं हेतु पुरातत्व संग्रहालय सागर म.प्र. में 25 नग कम्पोजिट पेडेस्टल निर्माण।	सागर	5.07
17.	2025_WRD_391922	भगवंत सागर (सुक्ता) परियोजना की खण्डवा, डुल्हार एवं लोहारी वितरिका नहरों का वार्षिक मरम्मत कार्य।	खण्डवा	15.58
18.	2025_WRD_392549	बोथिया जलाशय की मुख्य नहर में चैन क्र. 4 से 6, 15 से 16, 65, 22 से 25 एवं 47 से 49.5 पर लाइनिंग का शेष कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	सिवनी	2.82
19.	2025_WRD_394303	वर्ष 2024-25 के लिए जल संसाधन संभाग मुरैना हेतु आवियाना स्टेशनरी प्रदाय करना।	मुरैना	3.17
20.	2025_WRD_394304	वर्ष 2024-25 के लिए जल संसाधन संभाग मुरैना हेतु कार्यालयीन लेखन सामग्री प्रदाय करना।	मुरैना	2.25
21.	2025_WRD_396071	विभाग अंतर्गत जीर्ण-शीर्ण कार्यालय एवं भवन (डिसमेंटल सहित) नीलामी। (द्वितीय आमंत्रण)	शाजापुर	13.50
22.	2025_WRD_396312	बीजावली लघु तालाब का सर्वे कार्य।	छतरपुर	0.95
23.	2025_WRD_396467	कुम्हर्रा सबमाइनर/रामगढ़ माइनर की आर.डी. 5600 मी. पर एक्वाडक्ट का मरम्मत कार्य।	दतिया	19.61
24.	2025_WRD_396476	उपसंभागीय पृथ्वीपुर का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	4.61
25.	2025_WRD_396790	धुंआधार जलाशय की नहर का सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	मण्डला	2.07
26.	2025_WRD_396948	राजीव सागर परियोजना के बम्हनी वितरक नहर की सतीटोला माइनर चैन क्र. 0.0 चैन क्र. 66.10 तक मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	बालाघाट	1.30
27.	2025_WRD_397208	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग खण्डवा एवं खरगोन हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना। (द्वितीय आमंत्रण)	धार	3.42
28.	2025_WRD_397221	वि/यां भारी मशीनरी संभाग, भोपाल हेतु 1 नग निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
29.	2025_WRD_397222	मशीन सी.टी. 85 क्र. 15 सी.टी. 85 क्र. 03 एवं डी 50 ए 15 क्रमांक 80 के सुधार कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	भोपाल	1.42
30.	2025_WRD_397427	कुंवरपुरा तालाब की वेस्ट वियर का मरम्मत कार्य।	अशोकनगर	4.75
31.	2025_WRD_397501	माही परियोजना मुख्य बांध पर सब स्टेशन से डी.जी. रूप एवं रेस्ट हाउस तक स्थापित एल.टी. विद्युत लाइन का सुधार कार्य।	धार	2.04
32.	2025_WRD_397521	रानीपुर, नरदहा, कंदर, गैबर बांध एवं बालकुण्ड बांध का सर्वेक्षण कार्य।	सतना	18.71
			कुल योग	**181.39**

जी-22439/50538/2025 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी साहित्य

1. **हिन्दी का प्रथम कवि राहुल सांकृत्यायन किसे मानते हैं?**
   अ. पुष्प दंत
   ब. सरहपा
   स. शालि भद्रसूरि
   द. मुंज कवि
उत्तर- ब. सरहपा

2. **पाहुड दोहा किसकी रचना है?**
   अ. राजशेखर
   ब. हेमचन्द्र
   स. राम सिंह
   द. जगनिक
उत्तर- स. राम सिंह

3. **इनमें से अवधी भाषा की प्राचीनतम कृति कौनसी है?**
   अ. पद्मावत
   ब. चित्रावली
   स. चंदायन
   द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. चंदायन

4. **इनमें से कौनसी कृति तुलसीदास जी की नहीं है?**
   अ. कवितावली
   ब. अनुराग बांसुरी
   स. गीतावली
   द. दोहावली
उत्तर- ब. अनुराग बांसुरी

5. **भारत में थियोसोफिकल सोसायटी का प्रचारक कौन था?**
   अ. महात्मा गांधी
   ब. मिस्टर ह्यूम
   स. एनी बेसेन्ट
   द. सिस्टर निवेदिता
उत्तर- स. एनी बेसेन्ट

6. **राजभाषा आयोग का गठन कब हुआ?**
   अ. 1950 ई. ब. 1955 ई.
   स. 1960 ई. द. 1976 ई.
उत्तर- ब. 1955 ई.

7. **अष्टयाम के रचयिता कौन हैं?**
   अ. नंददास ब. नाभादास
   स. चतुर्भुजदास द. सूरदास
उत्तर- ब. नाभादास

8. **पालि किस धर्म की भाषा है?**
   अ. वैदिक धर्म ब. बौद्ध धर्म
   स. जैन धर्म द. सिख धर्म
उत्तर- ब. बौद्ध धर्म

9. **इनमें से कौनसी कृति रामभक्ति शाखा से संबंधित नहीं है?**
   अ. भरत मिलाप
   ब. हनुमन्नाटक
   स. चित्रावली
   द. रामाख्याम
उत्तर- स. चित्रावली

10. **वैदिक कालीन शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था?**
   अ. तक्षशिला
   ब. विक्रमशिला
   स. वल्लभी
   द. नदिया
उत्तर- अ. तक्षशिला

11. **वैदिक काल में विद्यापीठ में शिक्षा दी जाती थी?**
   अ. धर्मशास्त्र, दर्शन की
   ब. व्याकरण एवं तर्कशास्त्र की
   स. पुराणों की
   द. उपरोक्त सभी की
उत्तर- द. उपरोक्त सभी की

12. **बौद्धकाल में उच्च शिक्षा की अवधि थी?**
   अ. 14 वर्ष
   ब. 15 वर्ष
   स. 12 वर्ष
   द. 18 वर्ष
उत्तर- स. 12 वर्ष

13. **मुस्लिम काल में प्राथमिक शिक्षा के प्रमुख केन्द्र थे?**
   अ. मदरसे
   ब. मकतब
   स. चरण
   द. बिहार
उत्तर- ब. मकतब

14. **फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किसने की थी?**
   अ. लार्ड वेलेजली
   ब. गिल ग्राइस्ट
   स. फोर्ड ब्रुक
   द. केरे
उत्तर- अ. लार्ड वेलेजली (10 जुलाई 1800 को कोलकाता में हुई थी)

15. **'समाचार दर्पण' नामक बंग्ला भाषा का प्रथम समाचार पत्र कब प्रकाशित हुआ था?**
   अ. 1817
   ब. 1818
   स. 1814
   द. 1820
उत्तर- ब. 1818

16. **माखनलाल चतुर्वेदी की पहली ब्रज रचना किस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी?**
   अ. रसिक मित्र
   ब. धर्मवीर
   स. प्रभा
   द. सत्य-दीपक
उत्तर- स. प्रभा

17. **अंग्रेजी में प्रयोगवाद के जन्मदाता एक प्रसिद्ध कवि एवं आलोचक हैं?**
   अ. आई.ए. रिचर्ड्स
   ब. टी.एस. इलियट
   स. क्रोचे
   द. पाउण्ड
उत्तर- ब. टी.एस. इलियट

18. **'मेरा रूप तुम्हारा दर्पण' के रचयिता हैं?**
   अ. बालस्वरूप राही
   ब. दुष्यंत कुमार
   स. देव राज
   द. नीरज
उत्तर- अ. बालस्वरूप राही

19. **यह कथन किसने कहा कि मैं प्रयोगवाद का अगुआ नहीं पिछलगुआ हूं?**
   अ. अज्ञेय
   ब. डॉ. जगदीश गुप्त
   स. दिनकर
   द. पन्त
उत्तर- अ. अज्ञेय

20. **मैथिलीशरण गुप्त की खड़ी बोली की प्रथम रचना 'हेमन्त' किस पत्रिका में प्रकाशित हुई?**
   अ. इन्दु
   ब. सरस्वती
   स. आनंद कादम्बिनी
   द. नागरी प्रचारिणी
उत्तर- ब. सरस्वती

21. **हिन्दी काव्य साहित्य में 'मांसलवाद' के प्रवर्तक हैं?**
   अ. रामेश्वर शुक्ल अंचल
   ब. डॉ. हरिवंशराय बच्चन
   स. भगवती चरण वर्मा
   द. डॉ. जगदीशचन्द्र गुप्त
उत्तर- अ. रामेश्वर शुक्ल अंचल

22. **फारसी तिलस्मे होशरूवा उपन्यास पद्धति पर रचित किस उपन्यासकार के उपन्यास सर्वाधिक चर्चित है?**
   अ. बाबू हरिकृष्ण जौहर
   ब. गंगाप्रसाद गुप्त
   स. बाबू गुलाब राय
   द. देवकी नंदन खत्री
उत्तर- द. देवकी नंदन खत्री

23. **इलाचंद्र जोशी रचित 'जहाज का पंछी' किस कोटी का उपन्यास है?**
   अ. घटना प्रधान
   ब. आत्मकथात्मक
   स. चरित्र प्रधान
   द. जासूसी
उत्तर- ब. आत्मकथात्मक

24. **'मेरी पृथ्वी की परिक्रमा' किसका रिपोर्ताज है?**
   अ. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
   ब. डॉ. रागेय राघव
   स. शिव प्रसाद गुप्त
   द. भगवानदीन दुबे
उत्तर- स. शिव प्रसाद गुप्त

25. **'माटी की मूरतें' में संग्रहित है?**
   अ. संस्मरण
   ब. कविताएं
   स. रेखाचित्र
   द. निबंध
उत्तर- स. रेखाचित्र

26. **निम्नलिखित में से कौनसी कहानी पत्रात्मक शैली में लिखी गई है?**
   अ. आत्माराम
   ब. बूढ़ी काकी
   स. दो सखियां
   द. शांति
उत्तर- स. दो सखियां

27. **रेडियो एकांकी का दूसरा नाम है?**
   अ. ध्वनि एकांकी
   ब. भ्रत्य एकांकी
   स. अकाशवाणी एकांकी
   द. फेंटेसी
उत्तर- अ. ध्वनि एकांकी

28. **आंख की किरकिरी के लेखक?**
   अ. रवीन्द्रनाथ टैगोर
   ब. मुन्शी प्रेमचन्द्र
   स. बंकिमचन्द
   द. चतुर सेन शास्त्री
उत्तर- अ. रवीन्द्रनाथ टैगोर

29. **प्रथम महिला कथाकार बंग महिला का वास्तविक नाम था?**
   अ. यशोदा देवी
   ब. प्रियतमा बोस
   स. राजेन्द्रबाला घोष
   द. चन्द्रिका बोस
उत्तर- स. राजेन्द्रबाला घोष

30. **निम्नलिखित में से किस उपन्यास में 'मछुवा जीवन' का विशद चित्रण किया गया है?**
   अ. दुःख मोचन
   ब. बलचनमा
   स. नई पौध
   द. वरुण के बेटे
उत्तर- द. वरुण के बेटे

31. **किस उपन्यास में ब्रज के नटों का जीवन चित्रित किया गया है?**
   अ. हौलदार
   ब. कब तक पुकारूं
   स. जंगल के फूल
   द. सती मैया का चौरा
उत्तर- ब. कब तक पुकारूं

32. **यात्रा साहित्य से संबंधित वह कौनसी पुस्तक है, जो अपने ढंग की हिन्दी की एकमात्र पुस्तक है?**
   अ. ठेले पर हिमालय
   ब. आखिरी चट्टान
   स. एक बूंद सहसा उछली
   द. घुमक्कड़ शास्त्र
उत्तर- द. घुमक्कड़ शास्त्र

33. **'सांध्य काकली' किसका कविता संग्रह है?**
   अ. महादेवी वर्मा
   ब. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
   स. जय शंकर प्रसाद
   द. सुमित्रानंदन पंत
उत्तर- ब. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

34. **गीति नाट्य परंपरा के सर्वश्रेष्ठ नाटककार माने जाते हैं?**
   अ. सुमित्रानंदन पंत
   ब. उदय शंकर भट्ट
   स. सेठ गोविंद दास
   द. सिद्ध कुमार
उत्तर- ब. उदय शंकर भट्ट

35. **किस ग्रंथ में चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, राजगुरू आदि से संबंधित संस्मरण संकलित हैं?**
   अ. चेतना के बिम्ब
   ब. यश की धरोहर
   स. गहरी उभरी रेखाएं
   द. जिन्दगी मुस्कराई
उत्तर- ब. यश की धरोहर

36. **नागार्जुन कृत, बाबा बटेसरनाथ, किस तरह का उपन्यास है?**
   अ. हास्य उपन्यास
   ब. मनोविज्ञानिक उपन्यास
   स. आंचलिक उपन्यास
   द. राजनीतिक उपन्यास
उत्तर- स. आंचलिक उपन्यास

37. **'चन्द हसीनों के खतूत' किस प्रकार का उपन्यास है?**
   अ. घटना प्रधान
   ब. पत्रात्मक
   स. कथात्मक
   द. आत्म कथात्मक
उत्तर- ब. पत्रात्मक

38. **हिन्दी का सर्वप्रथम रेडिया नाटक है?**
   अ. झीनी-झीनी बीनी चदरिया
   ब. राधा कृष्ण
   स. लक्ष्मी का स्वागत
   द. राम भरोसे
उत्तर- ब. राधा कृष्ण

39. **तुलसीदास का वह ग्रंथ कौनसा है जिसमें ज्योतिष का विवेचन किया गया है?**
   अ. दोहावली
   ब. गीतावली
   स. कवितावली
   द. रामाज्ञा प्रश्न
उत्तर- द. रामाज्ञा प्रश्न

40. **रीतिकाल को 'श्रृंगार काल' किसने कहा है?**
   अ. डॉ. रामकुमार वर्मा
   ब. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
   स. हजारी प्रसाद द्विवेदी
   द. मिश्रबंधु
उत्तर- ब. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

41. **मैथिलीशरण गुप्त रचित 'साकेत' महाकाव्य के शीर्षक 'साकेत' का अर्थ है?**
   अ. स्वर्ण
   ब. रामकथा
   स. अयोध्या
   द. सीता
उत्तर- स. अयोध्या

42. **'झांसी की रानी' प्रसिद्ध कविता के रचयिता हैं?**
   अ. माखनलाल चतुर्वेदी
   ब. सुभद्रा कुमारी चौहान
   स. सियाराम शरण गुप्त
   द. ठाकुर गोपाल शरण सिंह
उत्तर- ब. सुभद्रा कुमारी चौहान

43. **गुरुनानक के पदों का संग्रह सिखों के धर्म ग्रंथ 'गुरुग्रंथ साहिब' के किस शीर्षक प्रकरण में किया गया है?**
   अ. जपुजी
   ब. महला
   स. सोहिला
   द. शबद
उत्तर- ब. महला

44. **आदिकाल में रचित साहित्य में कौनसा पक्ष लुप्त हुआ मिलता है?**
   अ.भक्ति
   ब. राष्ट्रीय चेतना
   स. श्रृंगार
   द. प्रकृति
उत्तर- ब. राष्ट्रीय चेतना

45. **'अष्टछाप' की स्थापना किसके द्वारा हुई?**
   अ. विट्ठलनाथ
   ब. कबीरदास
   स. सूरदास
   द. गोविंद स्वामी
उत्तर- अ. विट्ठलनाथ

46. **'कठिन काव्य का प्रेत' किसे कहा जाता है?**
   अ. बिहारी लाल
   ब. केशवदास
   स. मतिराम
   द. भिखारीदास
उत्तर- ब. केशवदास

47. **'छन्दों का अजायब घर' केशवदास की किस कृति को कहा जाता है?**
   अ. कवि प्रिया ब. राम चन्द्रिका
   स. नखशिख द. रतन बावनी
उत्तर- ब. राम चन्द्रिका

48. **छायावाद का वास्तविक आरंभ किस ग्रंथ से माना जाता है?**
   अ. आंसू ब. इन्दु
   स. झरना द. अनामिका
उत्तर- स. झरना

49. **निम्नलिखित में से कौनसा ग्रंथ मीरा बाई द्वारा रचित नहीं है?**
   अ. नरसी जी को मोहरो
   ब. गीत गोविन्द टीका
   स. सुदामा चरित
   द. राग गोविंद
उत्तर- स. सुदामा चरित

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

गेमिंग इंडस्ट्री में बढ़ रहे हैं कॅरियर के बेहतर अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इस समय दुनिया के साथ-साथ भारत में भी गेमिंग इंडस्ट्री जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे वीडियो गेमिंग सेक्टर में कॅरियर के मौके बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। खासतौर से वर्चुअल रियलिटी तथा आग्मेंटेड रियलिटी तकनीक ने वीडियो गेमिंग को तेजी से आगे बढ़ाया है। वर्चुअल रियलिटी और आग्मेंटेड रियलिटी का मतलब है आभासी सच्चाई। यानी आपको सब कुछ असली-सा दिखेगा, लेकिन असल में वह आभासी होता है। इसका प्रयोग करने पर ऐसा अनुभव होता है कि वास्तव में आपके सामने ही सब कुछ हो रहा है। साथ ही ऐसा प्रतीत होता है कि आप भी उसी माहौल में स्थित हैं।

लगातार बढ़ती गेमिंग इंडस्ट्री

निश्चित रूप से गेमिंग इंडस्ट्री की रफ्तार कोरोना काल के बाद तेजी से बढ़ी है। कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री की आय आशा से कई गुना अधिक तेजी से बढ़ रही है। वीडियो गेमिंग कारोबार में जैसी बढ़ोतरी हुई है, उससे वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री पर नजर रखने वाले चकित हैं। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारत में गेमिंग उद्योग के 18 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। भारत विश्व स्तर पर सबसे बड़े फैंटेसी खेल में महत्वपूर्ण योगदान करता है।

पिछले पांच वर्षों में भारतीय गेमिंग उद्योग ने घरेलू और वैश्विक निवेशकों से 2.8 अरब डॉलर का निवेश हासिल किया है। भारत का ई-गेमिंग बाजार लगातार बढ़ रहा है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 तक इसका आकार 20 फीसदी तेजी के साथ 231 अरब रुपये तक पहुंच सकता है। वर्तमान में इसका आकार करीब 134 अरब रुपये है। रिपोर्ट के मुताबिक यह क्षेत्र लगातार तेजी में रहेगा और सालाना 33 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ेगा। इससे यह 2026-27 तक बढ़कर 253 अरब रुपये तक पहुंच सकता है। वैश्विक गेमिंग क्षेत्र में भारत का प्रभुत्व है। पिछले वर्ष 2023 में देश में कुल 9.5 अरब बार गेमिंग एप डाउनलोड किए गए हैं। वैश्विक स्तर पर कुल डाउनलोड में भारत का योगदान 20 फीसदी रहा है।

नए वीडियो गेम और नई तकनीकों से बढ़ता गेमिंग बाजार

निःसंदेह नए-नए वीडियो गेम और नई तकनीकों से गेमिंग बाजार बढ़ रहा है। वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री के विस्तार का सिलसिला जारी है। सोनी और माइक्रोसॉफ्ट अपने मौजूदा कंसोल के स्थान पर नई और अधिक शक्तिशाली मशीनें पेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमीर देशों में स्ट्रीमिंग के कारण लोग कहीं भी गेम खेल सकते हैं। गरीब देशों में स्मार्ट फोन और सस्ते डेटा के कारण करोड़ों नए खिलाड़ियों तक कंसोल गेमिंग पहुंच गई है। देश-दुनिया में बच्चे ही नहीं बड़े लोग भी ऑनलाइन वीडियो गेम्स को बेहद पसंद कर रहे हैं। डिजिटल लाइफ स्टाइल की वजह से गैजेट्स की दुनिया के गेम्स में अचानक से उछाल आ गया है। गेमिंग पर समय बिताने वाले यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ी है।

यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि कुछ साल पहले तक गेम्स प्लेग्राउंड्स में खेले जाते थे तथा कुछ गेम्स इंडोर खेले जाते थे और विभिन्न गेम्स खेलने वाले खिलाड़ी अपनी अलग-अलग पहचान बनाते थे। लेकिन अब नए दौर में अधिकांश गेम्स स्मार्ट फोन्स, लैपटॉप्स या कम्प्यूटर पर वीडियो गेम्स के रूप में खेले जाते हैं। स्थिति यह है कि मनोरंजन और खेल के नाम से अब मैदानी भाग-दौड़ ही मस्तिष्क में नहीं आती, कम्प्यूटर ने उसे घर बैठे दिमागी भाग-दौड़ का खेल बना दिया है। शहरी परिवेश में पले-बढ़े बच्चे आज गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो जैसे खेलों से वाकिफ हों या न हों, लेकिन सुपर मारियो, सुपर कान्ट्रा, बॉम्बर मैन जैसे वीडियो गेमों से वे भली भांति परिचित होते हैं। अब लगातार नए-नए वीडियो गेमों के लिए नई-नई तकनीकें भी ईजाद की जा रही हैं। जिन कहानियों को बच्चे कभी अपनी दादी-नानी से सुना करते थे, उन्हीं कहानियों को अब वीडियो गेम्स के जरिए बच्चों के लिए जीवंत कर दिया गया है। वीडियो गेमिंग के जरिए बच्चे सुपर हीरो के साथ-साथ अपने हाथ-पैर चला सकते हैं। दुश्मनों से दो-दो हाथ कर सकते हैं। क्रिकेट टीम में अपनी पसंद के खिलाड़ी चुनकर टीम बनाकर क्रिकेट खेल सकते हैं। यही कारण है कि वीडियो गेम्स में बच्चों की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है और इसी के साथ नए-नए गेम्स की मांग भी बढ़ती जा रही है।

गेमिंग इंडस्ट्री के बहुआयामी कामों में कॅरियर के विविध मौके

गेमिंग इंडस्ट्री के तहत वीडियो गेम्स के निर्माण में काम की विविधता के कारण कॅरियर के विविध मौकों का परिदृश्य दिखाई देता है। वीडियो गेम्स को सामान्यत:

चार भागों में बांटा जाता है। एक्स बॉक्स गेम्स, कम्प्यूटर गेम्स, मोबाइल गेम्स तथा थिएटर गेम्स। कम्प्यूटर गेम्स को कम्प्यूटर पर सीडी या इंटरनेट की मदद से लोड किया जाता है। मोबाइल गेम्स का फार्मेट कम्प्यूटर गेम्स से मिलता-जुलता ही होता है, लेकिन सेट छोटा हो जाता है। थिएटर गेम्स बड़े-बड़े एम्यूजमेंट पार्क, मल्टीप्लेक्स तथा मॉल्स में लगाए जाते हैं।

वस्तुतः वीडियो गेम के निर्माण की प्रक्रिया बहुत जटिल होती है। वीडियो गेमों का निर्माण मल्टीमीडिया, ग्रॉफिक्स, सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के प्रयोग द्वारा किया जाता है। एक बड़े कम्प्यूटर गेम का निर्माण करने में कई अनुभवी एवं दक्ष लोगों की टीम को महीनों का समय लग सकता है। आजकल वीडियो गेम्स को अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाने लगा है। सबसे पहले वीडियो गेम्स की स्क्रिप्ट में लिखित रूप में यह तय कर लिया जाता है कि गेम में कौनसे पात्र डाले जाएं तथा कैसे दृश्य निर्मित किए जाएं। इसके बाद स्टोरी बोर्ड तैयार किया जाता है, जिसमें सभी संभावित दृश्यों के फ्रेम तैयार किए जाते हैं। इसके बाद एडोब फोटोशॉप सॉफ्टवेयर में 2-डी तथा फोटोमैक्स सॉफ्टवेयर में 3-डी एनिमेटेड चित्र बनाए जाते हैं। इन चित्रों में सॉफ्टवेयर की मदद से गति उत्पन्न की जाती है। इसके बाद गेमिंग इंजन की मदद से एनिमेटेड इमेज को की-बोर्ड तथा माउस की सहायता से नियंत्रित किया जाता है। गेम इंजन में लिखे कमांड से ही कम्प्यूटर के किसी बटन को दबाने से गोली चलती है या एनीमेटेड इमेज आगे-पीछे, ऊपर-नीचे बढ़ती है।

गेमिंग इंडस्ट्री में रचनात्मकता और तकनीकी कौशल से कॅरियर अवसर

गेमिंग इंडस्ट्री में रचनात्मकता और तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए

कॅरियर के बहुआयामी मौके हैं। यहां हर काम के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट होते हैं। एक ही वीडियो गेम के ऑनलाइन, कंसोल, एंड्रॉयड और आईओएस जैसे अलग-अलग प्लेटफॉर्म के लिए अलग-अलग गेम वर्जन तैयार होते हैं, जिन्हें बनाने में दर्जनों लोगों की टीम लगती है। ऐसे लोगों के पास गेम प्लेटफॉर्म, गेम प्ले, प्रोग्रामिंग या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक में विशेषज्ञता होती है।

उल्लेखनीय है कि गेमिंग इंडस्ट्री में गेम का विकास, उनका वितरण और गेमिंग से जुड़े हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की बिक्री के कई तरह के कॅरियर विकल्प हैं। गेम डिजाइनर का काम गेम के कॉन्सेप्ट को तैयार करना, स्टोरीलाइन और किरदारों को विकसित करना, गेम के लिए पात्र, कहानियां और नियम बनाना आदि है। इस कॅरियर के लिए प्रोग्रामिंग की जानकारी होना जरूरी है। गेम डेवलपर/गेम प्रोग्रामर के कॅरियर के लिए कोडिंग और सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग में स्पेशलाइजेशन की आवश्यकता होती है। गेम आर्टिस्ट के कॅरियर हेतु गेम के लिए विजुअल कंटेंट जैसे कि थ्रीडी मॉडल और 2डी एनिमेशन बनाने की काबिलियत जरूरी है। गेम टेस्टर के कॅरियर के लिए गेम की गुणवत्ता जांचना, बग ढूंढ़ना और गेम को सुचारू रूप से चलाने के लिए कोडिंग और प्रोग्रामिंग की अच्छी जानकारी जरूरी है। गेम एनिमेटर का काम गेम के कैरेक्टर और ऑब्जेक्ट के एनिमेशन में जान डाल देना है। गेमिंग राइटर के कॅरियर के तहत वीडियो गेम के लिए स्क्रिप्ट, स्टोरी, डायलॉग और अन्य टेक्निकल राइटिंग की जाती है। इस कॅरियर के लिए क्रिएटिव राइटिंग, मनोविज्ञान की समझ और प्रॉब्लम सॉल्विंग जैसे स्किल्स जरूरी हैं। ऐसे विभिन्न कॅरियर के मौके देश और दुनिया की गेमिंग इंडस्ट्री में सरलता से प्राप्त किए जा सकते हैं। यह भी सरलता से संभव है कि गेमिंग इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ कोई खुद का स्टार्टअप शुरू किया जाए या फिर फ्रीलांसर के तौर पर भी कॅरियर बनाकर अच्छी कमाई की जाए।

गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर की स्किल्स

वस्तुतः वीडियो गेम बनाने की प्रक्रिया वैज्ञानिक ज्ञान, कलात्मक एवं रचनात्मक क्षमता का अनोखा मिश्रण है। वीडियो गेम के निर्माण में कलात्मक प्रतिभा, दिमागी कौशल ही नहीं बल्कि धैर्य का होना भी बहुत आवश्यक है। गेम डेवलपमेंट के लिए इस्तेमाल हो रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रिएलिटी जैसी नई-नई तकनीक से वाकिफ होना होगा। प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सी, सी ++, जावा तथा गणित की अच्छी जानकारी रखनी होगी। इसी तरह अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, विजुअलाइजेशन स्किल, ड्रॉइंग एप्टिट्यूड, कलर की समझ और टीमवर्क जैसी स्किल्स इस प्रोफेशन में आगे बढ़ने के लिए बहुत जरूरी है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वीडियो गेमिंग के तहत कॅरियर के लिए वीआर/एआर टेक्नोलॉजी की बड़ी अहमियत है। इस दक्षता को हासिल करने के लिए कम्प्यूटर साइंस या कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिग्री होनी आवश्यक है। इसके अलावा, डिजाइनिंग कोर्स करके भी इस फील्ड में एंट्री पाई जा सकती है। यह बेसिक कोर्स करने के बाद किसी कंपनी में इंटर्नशिप करके इस दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर की शैक्षणिक जरूरत

सामान्यतः 12वीं के बाद वीडियो गेमिंग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री, एडवांस स्तर के कई कोर्स उपलब्ध हैं। एनिमेशन और मल्टीमीडिया कोर्स के अंतर्गत ही गेमिंग की जानकारी दी जाती है। कोर्स में ड्रॉइंग, डिजाइनिंग, प्रोडक्शन, प्रोग्रामिंग, लाइटिंग, एनिमेशन और डिजिटल आर्ट्स की जानकारी दी जाती है। कम्प्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स या इससे जुड़े पाठ्यक्रम में बीटेक/बीएससी की डिग्रियां लाभप्रद होती हैं।

वीडियो गेमिंग संबंधी प्रमुख कोर्स

वीडियो गेमिंग से संबंधित प्रमुख कोर्स इस प्रकार हैं- एडवांस डिप्लोमा इन गेम डिजाइन/डेवलपमेंट, एडवांस सर्टिफिकेट

इन गेम आर्ट एंड इंटीग्रेशन, सर्टिफिकेट कोर्स इन गेम डिजाइन, डिप्लोमा इन एनिमेशन, गेमिंग एंड स्पेशल इफेक्ट्स, बीएससी इन गेमिंग, एमएससी इन गेमिंग, पीजी डिप्लोमा इन गेम डिजाइन/डेवलपमेंट, प्रोफेशनल डिप्लोमा इन गेम प्रोग्रामिंग। यह बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि गेमिंग इंडस्ट्री से संबंधित स्किल्स होने पर बिना किसी प्रोफेशनल डिग्री के भी कॅरियर बनाया जा सकता है। आप खुद का गेम बनाना सीख सकते हैं और ऐसी दक्षता के बाद वीडियो गेमिंग से संबंधित अपना काम निःशुल्क वेबसाइटों पर अपलोड किया जा सकता है।

गेमिंग इंडस्ट्री में आप भी बना सकते हैं कॅरियर

यदि आप गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने की रचनात्मक दक्षता और तकनीकी योग्यताएं रखते हैं और इस इंडस्ट्री में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए रणनीतिपूर्वक गेमिंग इंडस्ट्री के तहत उपयुक्त कॅरियर की तरफ बढ़ना लाभप्रद होगा। देश और मध्यप्रदेश में गेमिंग का कोर्स कराने वाले कई संस्थान हैं। आप उपयुक्तता के अनुरूप वीडियो गेमिंग से संबंधित किसी गुणवत्तापूर्ण संस्थान से उपयुक्त कोर्स करके गेमिंग इंडस्ट्री के तहत कॅरियर की डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने स्वीप गतिविधियों के लिये झाबुआ कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा को किया सम्मानित

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा को बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवॉर्ड 2024-25 से सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सुश्री मीणा को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवॉर्ड 2024-25 से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने झाबुआ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री नेहा मीणा को स्वीप गतिविधियों के सफल संचालन के लिए वर्ष 2024-25 के लिए बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवॉर्ड से सम्मानित किया। सुश्री मीणा ने झाबुआ जिले में भगोरिया उत्सव की पारंपरिक परिधान पहने शुभंकर युगल 'चुनावी काका-चुनावी काकी' का उपयोग कर स्वीप अभियान चलाया। दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार और केन्द्रीय विधि और न्याय राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु द्वारा झाबुआ कलेक्टर सुश्री नेहा मीना को सम्मान प्रदान करना मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए अनुकरणीय नवाचार किए हैं, जो लोकतंत्र के सतत विकास और उसकी समृद्धि के प्रयासों को एक नई दिशा प्रदान करता है।

मध्यप्रदेश की पांच विभूतियां पद्मश्री से सम्मानित होंगी

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत सरकार ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने वाले नामों की घोषणा की। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित होने वाली विभूतियों में मध्यप्रदेश की पांच विभूतियाँ शामिल हैं जिन्हें पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश से चयनित नाम हैं - 82 वर्षीय शैली होलकर जिन्होंने माहेश्वरी हैंडलूम इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करने में अहम योगदान दिया, पिचहत्तर वर्षीय निमाड़ी और हिन्दी लेखक जगदीश जोशीला, निर्गुणी भजन गायक और मालवा संस्कृति के संवाहक भैरू सिंह चौहान, चिकित्सा के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाले डॉ. बुधेन्द्र जैन और संग्रहालयों के आकल्पक हरचन्दन सिंह भट्टी।

निमाड़ी बोली के जगदीश जोशीला पद्मश्री के लिये नामित

निमाड़ी बोली में लिखने वाले देश एवं प्रदेश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, जगदीश जोशीला को भारत सरकार ने पद्मश्री सम्मान से विभूषित करने का निर्णय लिया है। जगदीश जोशीला अभी तक 28 पुस्तकें निमाड़ी बोली में लिख चुके हैं। निमाड़ के प्रसिद्ध संत सिंगाजी महाराज ने अपने समय में निमाड़ी बोली में पद छन्द में लगभग ग्यारह ग्रंथ लिखे थे। जगदीश जोशीला का लेखन संत श्री सिंगाजी से अनुप्रेरित है। निमाड़ी बोली में गद्य लेखन में निष्णांत जगदीश जोशीला ने निमाड़ के साहित्यिक वितान पर एक अमिट छाप बनाई है। जगदीश जोशीला का मूल नाम जगदीश सिसोदिया है, लेकिन देश के प्रसिद्ध साहित्यकार और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी माखनलाल चतुर्वेदी ने उनका नामकरण जगदीश जोशीला किया। इसे जगदीश जोशीला ने अपने रचना कर्म से सार्थक भी किया। जगदीश जोशीला ने संत सिंगाजी महाराज पर 778 पेज का प्रमाणिक शोध उपन्यास लिखा है। निमाड़ में भगवान

की तरह पूजे जाने वाले टंट्या मामा पर भी उन्होंने उपन्यास लिखा है। इसके साथ अहिल्याबाई पर दो भागों का उनका उपन्यास भी बेहद चर्चित रहा है, जिसका अंग्रेजी संस्करण भी जल्दी ही प्रकाशित होने जा रहा है। निमाड़ में सनातन का प्रचार करने आये शंकराचार्य जी पर भी उन्होंने उपन्यास लिखा है। जगदीश जोशीला निमाड़ी और हिन्दी में समान अधिकार के साथ लिखते हैं।

शैली होलकर ने पुनर्जीवित की पारम्परिक माहेश्वरी बुनाई

माँ अहिल्याबाई होलकर के राजघराने से ताल्लुक रखने वाली बहू शालिनी होलकर (शैली) को 82 वर्ष की उम्र में पद्मश्री सम्मान प्रदान किया जायेगा। यह सम्मान उन्हें माहेश्वरी साड़ी की बुनाई को पुनर्जीवित करने और एक ट्रेनिंग स्कूल के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं को पारम्परिक बुनाई की निःशुल्क तकनीकी

शिक्षा प्रदान करने के लिए दिया जा रहा है। शैली होलकर प्रिंस रिचर्ड शिवाजीराव होलकर की पत्नी हैं। उनका जन्म विदेश में हुआ है। लेकिन, भारतीय परिवेश और संस्कृति को वे बेहतर जानती हैं, समझती हैं। उन्हें माहेश्वरी साड़ी बुनाई का वृहद ज्ञान है। पति के साथ मिलकर वर्ष 1978 में उन्होंने माँ रेवा सोसाइटी की स्थापना की थी। बुनकरों के हित में इस सोसाइटी ने संजीवनी का काम किया क्योंकि, उस समय साड़ी उद्योग के क्षेत्र में काफी मंदी थी और क्षेत्र के बुनकरों के सामने भुखमरी का संकट था। वर्ष 2006 में शैली होलकर ने गुड़ी-मुड़ी केंद्र की स्थापना की। यहाँ उन्होंने शहर की ऐसी महिलाओं को रोज़गार दिया, जो आर्थिक रूप से कमजोर थीं। उन्हें बुनकरी का प्रशिक्षण दिया। गत 19 साल में गुड़ी-मुड़ी संस्था का नेटवर्क विदेशों में भी फैल चुका है। वहाँ के लोग माहेश्वरी साड़ियां इसी संस्था से खरीदते हैं। आपने बुनकरों के बच्चों को पारम्परिक बुनाई सिखाने और शिक्षित करने के लिए अहिल्या बाल ज्योति स्कूल की स्थापना भी की यहाँ बुनकरों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। इसके अलावा उन्होंने अहिल्या विहार कॉलोनी का भी निर्माण करवाया। यहां बुनकरों को रहने के लिए घर उपलब्ध कराए। अब तक उन्होंने सैकड़ों लोगों को रोज़गार दिया, उनके बच्चों को शिक्षित किया और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है।

निर्गुण भजन गायकी के सिद्धहस्त गायक हैं भैरू सिंह

मालवा में निर्गुण गायकी के गायन के लिये प्रसिद्ध भैरू सिंह चौहान प्रसिद्ध लोक गायक हैं। भैरू सिंह कबीर के निर्गुण भजनों के गायक हैं। पद्मश्री से विभूषित होने वाले भैरू सिंह इन्दौर जिले की महू तहसील के छोटे से गाँव बजरंगपुरा के रहने वाले हैं। उनको संगीत की विरासत घर से ही मिली है। उनके पिता मादू सिंह चौहान भी कबीर के भजनों का गायन करते थे। भैरू ने निर्गुण भजन गायकी में कबीर, गोरखनाथ, ब्रह्मानंद, मीराबाई और दादू आदि संतों के

भजन गाए हैं। निर्गुण भक्ति गीतों के गायक भैरू सिंह चौहान पिछले पचास सालों से लोकगायन की मौखिक परम्परा को कायम रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने पाँच दशक भजन संगीत को समर्पित किया है। नौ साल की उम्र से ही उन्होंने पारम्परिक मालवी लोक शैली में भजन गाने की शुरुआत की थी। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छः हजार से अधिक भजन गायन के कार्यक्रम कर निर्गुण भजन और मालवा संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आवाजाही के सीमित विकल्प (लिमिटेड ट्रैवलिंग ऑप्शन) के बावजूद मालवा संस्कृति को जीवित रखने के लिए वे अक्सर पैदल या साइकिल से जाते थे। कला को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए उन्होंने शारीरिक और वित्तीय कठिनाइयों को भी पार किया। तम्बूरा और करताल के उत्कृष्ट वादन कर दुराचार, नशामुक्ति और महिला शिक्षा पर संतों की शिक्षाओं को गाकर सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले भैरू सिंह ने लाखों लोगों को व्यसनों से उबरने के लिए प्रेरित किया। उनकी सादगी ही उनकी पहचान है और वे निर्गुण भजन गायकी आने वाली पीढ़ियों को भी सौंपने को प्रयत्नशील हैं।

अन्धत्व निवारण के लिये समर्पित डॉ. बुधेन्द्र जैन को पद्मश्री

कहते हैं अगर इन्सान के अन्दर कुछ कर सकने का जज्बा हो तो इन्सान हर मंजिल को आसानी से हासिल कर सकता है। ऐसा ही कुछ चित्रकूट में इक्यावन सालों से नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवा दे रहे सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डॉ. बुधेन्द्र जैन ने कर दिखाया। इस गणतंत्र दिवस पर भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से विभूषित करने का फैसला किया। चित्रकूट के सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डॉ. बीके जैन को उनके सेवा कार्यों और अंधत्व निवारण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य के लिये यह सम्मान मिला है। पिचहत्तर वर्षीय डॉ. जैन ने अपनी जिंदगी के इक्यावन

साल गरीब, कमजोर और जरूरतमंदों की आँखों की रोशनी लौटाने में समर्पित किए हैं। उन्होंने न केवल हजारों लोगों को दृष्टि प्रदान की, बल्कि नेत्र चिकित्सालय का निर्माण कर समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई मिसाल पेश की है। उनका जीवन सदगुरु भगवान के आदर्शों से प्रेरित रहा है। उनका सपना था कि नेत्रहीनता का पूर्ण उन्मूलन किया जाए और हर व्यक्ति को आँखों की रोशनी मिल सके। इन विचारों को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया और इस दिशा में अनवरत काम किया। पद्मश्री सम्मान से पहले भी डॉ. जैन को उनके अद्वितीय कार्यों के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, लेकिन पद्मश्री उनके लिए विशेष है, क्योंकि यह न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का सम्मान है, बल्कि पूरे चित्रकूट और उनके टीम के प्रयासों के सम्मान का प्रतीक है।

रूपंकर के निदेशक हरचन्दन सिंह भट्टी पद्मश्री सम्मान के लिये नामित

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत सरकार ने पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। इस वर्ष प्रदेश की पाँच शख्सियत को यह सम्मान दिया गया। कला के क्षेत्र में भारत सरकार का यह प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान इस वर्ष भारत भवन भोपाल के रूपंकर विभाग के निदेशक और भोपाल के आर्ट डिजाइनर हरचंदन सिंह भट्टी को भी दिया गया। वह लम्बे समय से विभिन्न प्रकार की

डिजाइन तैयार करते रहे हैं। हरचंदन सिंह भट्टी ने भारत भवन के अलावा भोपाल स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय के आदिवासी परिवेश एकांश को भी डिजाइन किया है। हरचंदन सिंह कहते हैं कि- "मैं बचपन से चित्रकार बनना चाहता था, लेकिन चित्रकार नहीं बन पाया मगर डिजाइनर जरूर बन गया। मैं इन दोनों कामों को एक-दूसरे का पर्याय मानता हूं क्योंकि कलाकार का जीवन हमेशा कला से जुड़ा होता है और यही जुड़ाव कला के भिन्न-भिन्न रूपों में अभिव्यक्त होता है और कला साधक को सुखद अनुभूति देता है।" भारत भवन से वर्ष 1981 से जुड़े भट्टी फिलहाल यहां रूपंकर विभाग के निदेशक हैं। इनके अलावा उज्जैन के त्रिवेणी म्यूजियम को भी सँवारा है। खजुराहो के आदिवासी म्यूजियम को भी इन्होंने पहली बार वर्ष 2022-23 में नया स्वरूप दिया।

- राजा दुबे

(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उन्नयन के लिए 414 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उन्नयन के लिए दी गई स्वीकृति के लिए आभार माना है। मध्यप्रदेश के विकास को गति प्रदान करने के लिए 414 करोड़ 84 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस स्वीकृति से सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन के महत्वपूर्ण कार्य होंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने मध्यप्रदेश के शिवपुरी और अशोकनगर जिलों में चंदेरी, बामोरकलां, अचरोनी और चंदेरी लिंक बायपास सहित राष्ट्रीय राजमार्ग-346 के खंड (कुल लंबाई 55.80 किमी) चंदेरी-पिछोर रोड के पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन के उन्नयन और निर्माण के लिए 414 करोड़ 84 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग-346 (कुल लंबाई 334.55 किलोमीटर) झारखेड़ा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-46 आगरा के साथ अपने जंक्शन से शुरू होता है मुंबई रोड जो बैरसिया (SH-23), विदिशा (NH-86 एक्सटेंशन), कुरवाई (SH-14), मुंगावली, चंदेरी, पिछोर को जोड़ता है और राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर दिनारा में समाप्त होता है।

प्रस्तावित परियोजना का विस्तार प्रदेश के शिवपुरी और अशोकनगर जिलों से होकर गुजरता है। इस क्षेत्र में ऐतिहासिक चंदेरी किला और स्थानीय वस्त्र शिल्प कला केंद्र अशोकनगर जिले में स्थित हैं। यह खंड चंदेरी, गोधन, बुढ़ानपुर, बिजरावां, नया गांव, पिपरा अछरौनी, शिवपुरी, हीरापुर, नायगांव और सुजवाहा गांवों से होकर गुजरता है।

महाकुंभ भारतीय संस्कृति की 'विविधता में एकता' का प्रतीक

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल में एक समाचार चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत, धर्म और अध्यात्म भारत की ताकत है। श्रीराम मंदिर के निर्माण से देश की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई मिली है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्रीराम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के दर्शन से शांति, संतोष और शक्ति प्राप्त होती है। उन्होंने महाकुंभ को भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि देश ही नहीं, विदेशों के नागरिक भी भारत की समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक शक्ति का परिचय प्राप्त कर रहे हैं। महाकुंभ में देश के हर कोने से नागरिक आकर आस्था की डुबकी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विकास के विभिन्न आयामों, सांस्कृतिक उत्थान सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों में विचार साझा किये।

मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने के लिये हम प्रतिबद्ध

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस अवसर का लाभ उठाकर मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य मानकों में अग्रणी राज्य बनाने के लिये हम प्रतिबद्ध हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को सशक्त करने के लिए भविष्योन्मुखी प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान वर्ष में नीमच, मंदसौर और सिवनी में नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं। अगले दो वर्षों में एमबीबीएस सीटों को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। पीपीपी मॉडल पर 12 दूरस्थ जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश में पर्याप्त चिकित्सकीय मैनपॉवर उपलब्ध हो सकेगी।

संस्कारयुक्त शिक्षा जरूरी

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विकास तब सार्थक होता है जब वह स्थायी और दूरगामी हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज गति से विकास कर रहा है और शीघ्र शीर्ष आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं में संस्कारयुक्त शिक्षा का होना आवश्यक है जिससे वे विकृतियों से बच सकें। संस्कृति और आध्यात्म का जनआंदोलन विकास को स्थायित्व प्रदान करेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि समाज में विकृतियों से बचने के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ नैतिक जागरण भी आवश्यक है। सामाजिक जिम्मेदारियों के भाव और कुशल युवाओं के प्रयास से भारत निःसंदेह विश्वगुरु बनेगा।

रेलवे भर्ती बोर्ड

पद का नाम - विभिन्न विषयों के स्नातकोत्तर शिक्षक, वैज्ञानिक पर्यवेक्षक (एर्गोनॉमिक्स एंड प्रशिक्षण), विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, मुख्य विधि सहायक, लोक अभियोजक, शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (अंग्रेजी), वैज्ञानिक सहायक/प्रशिक्षण, कनिष्ठ अनुवादक हिन्दी, वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक, लाइब्रेरियन, संगीत अध्यापक (महिला), विभिन्न विषयों के प्राथमिक रेलवे शिक्षक, सहायक अध्यापक (जूनियर स्कूल), प्रयोगशाला सहायक/स्कूल, लैब सहायक ग्रेड-III (रसायन एवं धातुकर्मी)
पदों की संख्या - 1036
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://rrbald.gov.in

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड

पद का नाम - कार्यपालक निदेशक (वित्त तथा लेखा, परियोजना, विधि), महाप्रबंधक (वित्त तथा लेखा, परियोजना, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन), अपर महाप्रबंधक (वित्त तथा लेखा, रिस्क मैनेजमेंट, विधि, सीए और सीएस, सूचना एवं प्रौद्योगिकी), उप महाप्रबंधक (वित्त तथा लेखा, परियोजना, विधि, मानव संसाधन) मुख्य प्रबंधक (वित्त तथा लेखा, परियोजना, सीए और सीएस), वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त तथा लेखा, परियोजना), प्रबंधक (वित्त तथा लेखा, परियोजना, रिस्क मैनेजमेंट, व्यवसाय विकास, ईएसजी, मानव संसाधन, सीएसआर, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स, राजभाषा) उप प्रबंधक (सीए और सीएस, सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, राजभाषा)
पदों की संख्या - 60
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 फरवरी, 2025
वेब. - https://www.ireda.in/careers

आयुध निर्माणी देहु रोड

पद का नाम - डी.बी. डब्ल्यू (डेंजर बिल्डिंग वर्कर)
पदों की संख्या - 169
योग्यता - मैट्रिकुलेशन साथ ही एओसीपी ट्रेड में एनसीवीटी द्वारा जारी प्रमाण पत्र
अंतिम तिथि - 07 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://ddpdoo.gov.in

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे

पद का नाम - खेल-कूद कोटे के तहत खिलाड़ियों की भर्ती
पदों की संख्या - 46
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 फरवरी, 2025
वेबसाइट - http://www.rrcpraj.org

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरत्कल

पद का नाम - प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, प्रधान एसएएस अधिकारी, अधीक्षण अभियंता, उप कुलसचिव, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, सहायक कुलसचिव, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, चिकित्सा अधिकारी, एसएएस अधिकारी, कार्यकारी अभियंता (सिविल)
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://www.nitk.ac.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - जोन बेस्ड ऑफिसर (जूनियर मैनेजर ग्रेड स्केल-I)
पदों की संख्या - 266
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि
अंतिम तिथि - 09 फरवरी, 2025
वेब.-https://centralbankofindia.co.in

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, केमिकल, इन्स्ट्रूमेंटेशन, टेलीकॉम, कम्प्यूटर साइंस, सिविल, कॉन्ट्रेक्ट एंड प्रीक्योरमेंट, ह्यूमन रिसोर्स, फाइनेंस एंड अकाउंट), टेक्निशियन अप्रेंटिस (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, केमिकल, इन्स्ट्रूमेंटेशन)
पदों की संख्या - 70
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://bcplonline.co.in

इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस, टेक्निशियन अप्रेंटिस, ट्रेड अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 456
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 13 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://iocl.com

भारतीय पेट्रोलियम संस्थान

पद का नाम - कनिष्ठ सचिवालय सहायक (सामान्य, भंडार एवं क्रय, वित्त एवं लेखा), कनिष्ठ आशुलिपिक
पदों की संख्या - 17
योग्यता - कनिष्ठ सचिवालय सहायक के लिए बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण हो तथा कम्प्यूटर टाइपिंग (हिन्दी और अंग्रेजी) का ज्ञान हो। वहीं कनिष्ठ आशुलिपिक के लिए बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण होने के साथ ही स्टेनोग्राफी का प्रमाण पत्र होना आवश्यक।
अंतिम तिथि - 10 फरवरी, 2025
वेब. - https://www.iip.res.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

स्कॉलरशिप का नाम - सामान्य/अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विदेश में शिक्षा हासिल करने के लिए छात्रवृत्ति योजना
योग्यता- आवेदक के अर्हताकारी योग्य परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। विद्यार्थी का चयन मेरिट तथा साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।
छात्रवृत्ति राशि - चयनित विद्यार्थी को पूरी छात्रवृत्ति मिलेगी, जिसमें ट्यूशन फीस के साथ पोल टैक्स (जहां कहीं देय हो), वीजा शुल्क अन्य शुल्क तथा बीमा प्रीमियम और वायु यात्रा का किराया शामिल है।
अंतिम तिथि - 17 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://highereducation.mp.gov.in

कॉन्टेस्ट अलर्ट

संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश

स्पर्धा का नाम - खजुराहो बाल नृत्य महोत्सव
योग्यता- आवेदक की आयु 10 से 16 वर्ष के बीच हो तथा आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो
अंतिम तिथि - 3 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://highereducation.mp.gov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला कटनी

महाकौशल, बुंदेलखण्ड और बघेलखण्ड की संस्कृति का समूह है जिला कटनी

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए हैं। 'रोज़गार और निर्माण' के 'हमारा जिला' स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के जिले से आपको परिचित करवाते हैं। इस अंक में प्रस्तुत है कटनी जिले का परिचय-

कटनी जिला जबलपुर संभाग में शामिल है। जिले का मुख्यालय कटनी शहर में है। यह शहर कटनी नदी के तट पर स्थित है। यह संभागीय मुख्यालय जबलपुर से 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कटनी जंक्शन देश के सबसे बड़े एवं महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शनों में से एक है। यहां भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड और सबसे बड़ा डीजल लोकोमोटिव शेड है। कटनी 20वीं सदी की शुरुआत के बाद शहर के रूप में जाना गया। 28 मई, 1998 को कटनी जिला घोषित किया गया। कटनी तीन अलग-अलग राज्यों महाकौशल, बुंदेलखण्ड और बघेलखण्ड की संस्कृति का समूह है। कटनी को मुड़वारा कहा जाता है, जिसके संबंध में तीन अलग-अलग कहानियाँ प्रचलित हैं। कटनी जंक्शन वैगन यार्ड से अर्द्धवृत्ताकार मोड़ जैसा है जिसके कारण लोग इसे मुड़वारा कहते हैं। एक अन्य कहानी के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के सिर काटने के शूरवीर कार्य के कारण इसे मुड़वारा कहा जाने लगा।

रुचि के स्थान

बडेरा चतुर्युग धाम- मान्यता के अनुसार चतुर्युग धाम चार युगों को दर्शाते हैं। पहली मंजिल सत युग, त्रेता युग की दूसरी मंजिल, द्वापर युग के लिए तीसरी और कलयुग को शीर्ष मंजिल समर्पित है। मंदिर काफी ऊंचा है, यहां से गांव और आस-पास के क्षेत्र को देखा जा सकता है।

विजयराघवगढ़ किला- किला विजयराघवगढ़ कटनी से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह कटनी जिले के गौरवशाली अतीत का इतिहास है। किले के सामने विजयराघवगढ़ का सघन शहर और दूसरी तरफ हरा-भरा जंगल है। किले के सामने एक छोटा मंदिर है जिसमें चमकदार सफेद संगमरमर का शिवलिंग है, जिसके पीछे एक और शिव मंदिर है। अंग्रेजी राज से देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाने वाले विजयराघवगढ़ रियासत के राजा प्रयागदास के पुत्र राजा सरयूप्रसाद का किला शौर्य गाथा का गवाह है। 1857 की क्रांति में इस महायोद्धा ने अंग्रेजों के विरुद्ध मोर्चा लिया। उन्होंने सबसे पहले अंग्रेज कमिश्नर को गोली दागी और फिर अंग्रेजों के विरुद्ध चिंगारी उठी। ऐसे वीर, शौर्यवान, राष्ट्रभक्त का निवास स्थान है यह किला। विश्वविख्यात विजयराघवगढ़ किले की सुरक्षात्मक बनावट, नक्काशी विशेष है। इसका निर्माण वर्ष 1826 में शुरू हुआ था। यह दो ओर से नदियों से घिरा है, तीसरी ओर विशाल पहाड़ इसकी रक्षा कर रहा है। इसके अलावा यहां पर विजय के प्रतीक राघव जी का मंदिर, रंगमहल की नक्काशी, रनिवास का आकार, गढ़ी के निर्माण की कलाकृति, दीवारों की नक्काशी दर्शनीय है।

रूपनाथ धाम- रूपनाथ धाम कैमोर पहाड़ियों के अंत में स्थित है, जो सड़क के साथ रूपनाथ धाम तक चलता है। यह एक तीन मंजिला मंदिर है, जिसमें भूमि तल भगवान शिव-पार्वती को, भगवान राम-जानकी को पहली मंजिल और भगवान कृष्ण-राधा को दूसरी मंजिल समर्पित है। मंदिर के नजदीक तीन कुंड हैं राम कुंड, सीता कुंड और लक्ष्मण कुंड, जो एक बड़ी चट्टान पर प्राकृतिक रूप से बने हैं। पहाड़ी के ऊपर एक विशाल भंडार है, जो इन कुंडों के पानी का स्रोत है। सभी कुंडों को एक बड़े पूल में परिवर्तित कर दिया गया है, लेकिन वहां स्नान या तैराकी प्रतिबंधित है। इस जगह का दूसरा महान आकर्षण 232 बीसी की कविता है, जो कि एक बड़े पत्थर पर उत्कीर्ण है, जो बौद्ध धर्म को लेकर पाली भाषा में लिखी गई है।

कामकंदला किला - कामकंदला किला, किले के स्थान पर एक मंदिर की तरह प्रतीत होता है। यह किला भगवान शिव को समर्पित है। इसमें एक बड़ा शिवलिंग है। मंदिर की छत पर पेंटिंग है। किले में कई प्राचीन ग्रंथों को रखा है। स्थानीय लोग इसे दिव्य स्थान मानते हैं और इसे तपसी मठ कहते हैं।

विष्णु वराह मंदिर - विष्णु वराह मंदिर कटनी जिले के विजयराघवगढ़ अनुविभाग के कारीतलाई (करणपुर) में स्थित है, यह एक पुरातात्विक महत्व का स्थल है। यह कटनी की एक महत्वपूर्ण विरासत है।

भगवान विष्णु वराह- जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर की दूरी पर बसा है कारीतलाई गांव। यहां 5वीं सदी के भगवान विष्णु वराह का अद्भुत मंदिर है। विंध्य पर्वत की कंदराओं में बसा यह गांव कल्चुरी शासकों के केन्द्रों में था। इस गांव में 493 ईसवी के अवशेष विद्यमान हैं यहां भगवान गणेश, विष्णु-वाराह, शिव-पार्वती आदि की प्रतिमाएं सजीव प्रतीत होती हैं। कल्चुरी महाराज लक्ष्मण राज के मंत्री भट्ट सोमेश्वर दीक्षित द्वारा विष्णु वाराह का मंदिर बनाए जाने के शिलालेख मिले हैं। यहां 493 ईसवी का ताम्रपत्र का लेख मिला है।

मुहांस का संकटमोचन मंदिर- धार्मिक पर्यटन के साथ वर्षों से लोगों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है जिले की रीठी तहसील का संकटमोचन हनुमान मंदिर मुहांस। जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर कटनी-दमोह मार्ग पर स्थित संकटमोचन मंदिर लगभग 40 वर्ष से लोगों के विश्वास का प्रतीक है।

मां जालपा मंदिर- शहर के बीचों बीच मां जालपा देवी का मंदिर है। बताया जाता है कि माई की प्रतिमा जहां प्रकट हुई थी। पहले वहां पर बांस का घना जंगल था और बांस के जंगल से माता की शिला प्रकट हुई थी। जंगल में वर्तमान मंदिर के स्थान पर सफाई प्रारंभ की तो एक शिला के रूप में मां जालपा की प्रतिमा मिली। जिसकी प्राण प्रतिष्ठा कराई गई और शुरुआत में छोटी सी मढ़िया में मातारानी विराजित की गईं। मंदिर को लेकर लोगों की आस्था बढ़ने के साथ बड़ी संख्या में दर्शनार्थी यहां पहुंचते हैं।

ऊमरडोली डेम- बेजोड़ इंजीनियरिंग, 10 साल की कड़ी मेहनत और पत्थरों को तराशकर तैयार कराए गए ऊमरडोली डेम की खूबसूरती और इंजीनियरिंग को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। ऊमरडोली जलाशय अपने तरह का प्रदेश का इकलौता आर्च डेम है।

बांधा इमलाज मंदिर- शानदार नक्काशी और पुरातन कलाकृति का नमूना जिले की रीठी तहसील का बांधा इमलाज राधा-कृष्ण मंदिर लोगों की आस्था का केन्द्र है। बुजुर्ग बताते हैं कि मंदिर के निर्माण के दो वर्ष बाद सात दिनों तक जिले में लगातार बारिश का दौर चला था और उस दौरान कान्हा की मुरली की धुन लोगों को तीन दिन तक सुनने को मिली थी। तभी से चमत्कारिक मंदिर क्षेत्र को लोग लघु वृंदावन के नाम से पुकारते हैं। वर्ष 1924 में मंदिर का निर्माण पूरा हुआ था। मंदिर के निर्माण को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं।

सांवले गणेश - जिले के ऐतिहासिक नगर विजयराघवगढ़ के पचमठा धाम में विराजे सांवले गणेश की प्रतिमा अपने आप में अनूठी है। काले पत्थर पर बनी प्रतिमा के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। गणेशजी की यह अद्भुत प्रतिमा विजयराघवगढ़ रियासत में वर्ष 1826 में स्थापित करवाई गई थी। विजयराघवगढ़ के महाराजा प्रयागदास ने वैदिक पद्धति से प्राण-प्रतिष्ठा करवायी थी। गणेश मंदिर के अलावा तालाब के चारों ओर चार अन्य मंदिर भी स्थापित हैं।

करौंदी में देश का भौगोलिक केन्द्र बिंदु

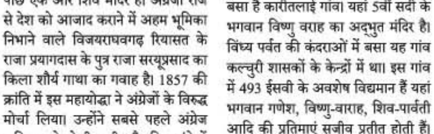

भौगोलिक दृष्टि से कटनी जिले की ढीमरखेड़ा तहसील का करौंदी गांव का अपना महत्व है। इस गांव को भारत का भौगोलिक केंद्र बिंदु माना जाता है। देश के आठ राज्यों से गुजरने वाली कर्क रेखा इस गांव से गुजरती है। विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों में बसे इस गांव को देश का दिल भी कहते हैं। इस स्थान की खोज इंजीनियरिंग कॉलेज जबलपुर के संस्थापक प्राचार्य एसपी चक्रवर्ती की अगुवाई में वर्ष 1956 में छात्रों द्वारा की गयी थी। उसके बाद इसे भौगोलिक रूप से देश के केंद्र बिंदु के रूप में स्थान मिला। इस जगह के महत्व को देखते हुए महर्षि महेश योगी ने वर्ष 1995 को यहां से कुछ दूरी पर महर्षि विश्वविद्यालय की स्थापना की। यहां पर देशभर से वेदों का अध्ययन करने छात्र आते हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

पी.आर. श्रीजेश को पद्मभूषण और अश्विन को मिला पद्मश्री सम्मान

नई दिल्ली, भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ियों में शुमार पी.आर. श्रीजेश को केंद्र सरकार ने इस वर्ष पद्मभूषण सम्मान के लिए चुना है। श्रीजेश यह पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे हॉकी खिलाड़ी हैं, उनसे पहले हॉकी के महानतम खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद ही पद्मभूषण सम्मान हासिल कर सके हैं। भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर श्रीजेश ने वर्ष 2024 में भारत को पेरिस ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा में कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी से संन्यास ले लिया था। अब वह भारतीय जूनियर हॉकी टीम के मुख्य कोच हैं। केंद्र सरकार ने श्रीजेश के अलावा क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन, पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह, पूर्व फुटबॉलर आई.एम. विजयन और पैरा एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित किया है।

आईसीसी पुरस्कारों में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

बुमराह चुने गए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा घोषित वर्ष 2024 के वार्षिक पुरस्कारों में भारतीय खिलाड़ियों की धूम रही। आईसीसी ने भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना है। इसके अलावा बुमराह ने इस वर्ष आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी अपने नाम किया है। बुमराह भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं, जिन्हें आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। आईसीसी ने इस पुरस्कार के लिए जसप्रीत बुमराह के अलावा इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक तथा ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को नामित किया था, लेकिन बुमराह इन सभी खिलाड़ियों को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने में सफल रहे।

वर्ष 2024 में प्रभावशाली प्रदर्शन

बुमराह वर्ष 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 की स्ट्राइक रेट से 71 विकेट लिए हैं, जो कि क्रिकेट के सबसे पुराने प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

अर्शदीप बने सर्वश्रेष्ठ ट्वेंटी-20 खिलाड़ी

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आईसीसी के 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष ट्वेंटी-20 खिलाड़ी चुने गए हैं। अर्शदीप ने पिछले वर्ष अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन किया था और भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अर्शदीप ने पिछले साल ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 मैचों में 36 विकेट लिए थे।

- **बुमराह आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने वाले पांचवें भारतीय हैं।**
- **उनसे पहले राहुल द्रविड, सचिन तेंदुलकर, रविचंद्रन अश्विन और विराट कोहली भी यह पुरस्कार हासिल कर चुके हैं।**
- **अर्शदीप सिंह आईसीसी ट्वेंटी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर बनने वाले दूसरे भारतीय हैं।**

मंधाना सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर

भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर बनीं। मंधाना ने 2024 में 95 चौके और छह छक्के जड़े थे और वह आईसीसी महिला चैंपियनशिप में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज थीं।

यह दूसरी बार है जब मंधाना सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गई हैं। वह ऐसा करने वाली दुनिया की दूसरी महिला बल्लेबाज हैं। उनसे पहले न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स इस क्लब में शामिल एकमात्र महिला क्रिकेटर थीं।

डी. गुकेश बने भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले शतरंज खिलाड़ी

लंदन, शतरंज के विश्व चैम्पियन और भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी डी. गुकेश फिडे (इंटरनेशनल चेस फेडरेशन) की ताजा रैंकिंग में चौथे स्थान पर आ गए हैं। इसके साथ ही गुकेश भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं। गुकेश ने अर्जुन एरिगैसी की जगह ली है। 18 वर्षीय गुकेश ने नीदरलैंड में आयोजित टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर यह अचीवमेंट हासिल की। टूर्नामेंट में यह उनकी दूसरी जीत थी। गुकेश के अब 2784 रेटिंग अंक हो गए हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारत के नंबर एक खिलाड़ी रहे एरिगैसी 2779.5 रेटिंग अंकों के साथ 5वें स्थान पर खिसक गए हैं।

कुल्नावुत वितिदसर्न ने जीता इंडोनेशिया मास्टर्स खिताब

जकार्ता, थाईलैंड के बैडमिंटन खिलाड़ी कुल्नावुत वितिदसर्न ने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में विदितसर्न ने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 18-21, 21-17, 21-18 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मैच के पहले गेम में क्रिस्टी ने वितिदसर्न को 21-18 से मात दी, लेकिन वितिदसर्न ने दूसरे गेम में पलटवार किया और 21-17 से गेम जीत लिया। मैच के तीसरे और अंतिम गेम में भी दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया, लेकिन जीत वितिदसर्न के नाम रही।

राष्ट्रीय खेल

मध्यप्रदेश ने ट्राइथलॉन में जीता पदक

देहरादून, मध्यप्रदेश की टीम ने राष्ट्रीय खेल-2025 में ट्राइथलॉन मिश्रित रिले में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह इन खेलों में राज्य का पहला पदक है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि 'ट्राइथलॉन जैसे चुनौतीपूर्ण खेल में हमारी टीम ने अपनी लगन और सामूहिक प्रयास से यह उपलब्धि हासिल की है। यह पदक उनकी मेहनत, समर्पण और सही मार्गदर्शन का नतीजा है। हमें गर्व है कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों में एक नया आयाम स्थापित कर रहे हैं।'

ट्राइथलॉन : दृढ़ता और समर्पण का खेल

ट्राइथलॉन प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक मजबूती का परिचय देते हुए 10 किलोमीटर साइकिलिंग, 2.5 किलोमीटर दौड़ और 250 मीटर तैराकी करनी होती है। मध्यप्रदेश की टीम ने इन तीनों चरणों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शानदार तालमेल का प्रदर्शन किया।

प्रज्ञा और वंशिका ने जीते स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश की प्रज्ञा यादव और वंशिका नामदेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वुशु में स्वर्ण पदक जीते हैं। प्रज्ञा ने वुशु की ताईजी जियान स्पर्धा के फाइनल में मणिपुर की खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया वहीं वंशिका ने वुशु की गुन्शु स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा का रजत पदक असम के नाम रहा वहीं ओडिशा ने कांस्य पदक जीता। राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों 31 जनवरी तक की स्थिति में पांच स्वर्ण , तीन रजत और चार कांस्य सहित कुल 12 पदक जीत लिये हैं।

सर्गेई अलेक्जेंद्रोविच बने भारत के भालाफेंक कोच

नई दिल्ली, भारतीय एथलेटिक्स संघ ने रूस के महान एथलीट और भालाफेंक खिलाड़ी सर्गेई माकारोव अलेक्जेंद्रोविच को भारतीय भालाफेंक दल का कोच नियुक्त किया है। भारतीय एथलेटिक्स संघ के मुख्य राष्ट्रीय कोच राधाकृष्णन नायर ने इसकी पुष्टि की। नायर ने बताया कि ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी महिला एथलीट अन्नू रानी सहित भारत के शीर्ष भालाफेंक खिलाड़ी अब अलेक्जेंद्रोविच के मार्गदर्शन में अभ्यास करेंगे।

जय शाह एमसीसी वैश्विक सलाहकार बोर्ड में शामिल

लंदन, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह को लंदन के प्रतिष्ठित मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के वैश्विक सलाहकार बोर्ड 'वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स' में शामिल किया गया है। इस बोर्ड में जय शाह के अलावा पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को भी जगह मिली है।

अंडर-19 महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप में तृषा ने बनाया शतक

क्वालालंपुर, भारत की युवा महिला खिलाड़ी तृषा गोंगाडी ने आईसीसी अंडर-19 महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप में इतिहास रच दिया है। तृषा ने विश्वकप के सुपर सिक्स राउंड में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद शतक बनाया। इसके साथ ही तृषा आईसीसी अंडर-19 महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप में शतक बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। तृषा की इस पारी की बदौलत भारत ने स्कॉटलैंड को 150 रनों से शिकस्त दी है।

मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को तृषा और जी. कमलिनी ने शानदार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 147 रन जोड़े। कमलिनी ने 42 गेंदों में 51 रन बनाये वहीं तृषा ने 59 गेंदों में 110 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी पारी के दौरान तृषा ने 13 चौके और 4 छक्के लगाए। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में एक विकेट खोकर 208 रन बनाये।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। आयुषी शुक्ला (4 विकेट), वैष्णवी शर्मा (3 विकेट) और तृषा (3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के सामने स्कॉटलैंड के बल्लेबाज ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए और स्कॉटलैंड की टीम 14 ओवरों में महज 58 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारतीय टीम ने यह मैच 150 रन से जीता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

जेनिक सिनर दूसरी बार बने पुरुष एकल चैम्पियन

मेलबर्न, इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया है। विश्व टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3 सेट तक चले मुकाबले में 6-3, 7-6 (7-4), 6-3 से हराया। सिनर ने लगातार दूसरी बार यह टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले वर्ष डेनिल मेदवेदेव को हराकर यह खिताब जीता था।

मैच की शुरुआत से ही सिनर ने सर्विस को बेहतरीन तरीके से बनाए रखा। इतालवी खिलाड़ी ने आठवें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त ले ली, जो सेट में निर्णायक साबित हुई। दूसरे सेट में ज्वेरेव ने वापसी करने की कोशिश की। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। ज्वेरेव के पास सिनर की सर्विस तोड़ने के दो मौके थे, लेकिन वे उन मौकों को भुना नहीं पाए और सिनर ने टाईब्रेकर में यह सेट जीत लिया।

- **जेनिक सिनर तीन ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले इटेलियन खिलाड़ी बन गए हैं।**
- **सिनर ने पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन खिताब जीते थे।**
- **सिनर के टेनिस कॅरियर की यह लगातार 21वीं जीत है।**

तीसरे सेट में एक बार फिर सिनर ने शानदार खेल दिखाया। तीसरे सेट में सिनर ने 4-2 की बढ़त लेते हुए दो बार ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और फिर एक बार 5-2 की बढ़त बना ली। ज्वेरेव एक बार तो सर्विस बचाने में सफल रहे, लेकिन सिनर की सर्विस नहीं तोड़ पाए और इटालियन खिलाड़ी ने 6-3 से सेट जीत कर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने पास बरकरार रखा।

मेडिसन पहली बार बनीं विजेता

ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब अमेरिका की मेडिसन कीज ने जीता। यह मेडिसन के टेनिस कॅरियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है। प्रतियोगिता के फाइनल में मेडिसन ने विश्व की नंबर वन महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 6-3, 2-6, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ मेडिसन ने सबालेंका को ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताबी हैट्रिक लगाने से रोक दिया। टूर्नामेंट में 19वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन ने सेमीफाइनल में ईगा स्वितेक को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

तुर्किये में मैत्री मैच खेलेगी महिला फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम तुर्किये में तीन फुटबॉल मैत्री मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने बताया कि भारतीय महिला अंडर-20 टीम तुर्किये के अंताल्या में फीफा अंतर्राष्ट्रीय मैच विंडो के दौरान तीन मैत्री मैच खेलेगी। यह मैत्री मैच जॉर्डन, हांगकांग और रूस के खिलाफ खेले जायेंगे। भारतीय टीम 19 फरवरी को जॉर्डन से, 22 फरवरी को हांगकांग से मैत्री मैच खेलेगी तथा 25 फरवरी को अंतिम मैत्री मैच में रूस का सामना करेगी। ये मैच भारतीय महिला टीम को आगामी वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारियों में मददगार साबित होंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

मिस्र ने गाजा भेजी मानवीय मदद

मिस्र ने गाजा पट्टी के लिए 305 ट्रकों का मानवीय सहायता काफिला भेजा। मिस्र की कैबिनेट ने कहा कि ताया मिस्र फंड की ओर से भेजे गए 305 ट्रकों के काफिले में 4,200 टन खाद्य सामग्री और मानवीय सहायता के साथ जीवन रक्षक उपकरणों से लैस 11 एम्बुलेंस भी शामिल हैं। मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबौली, जिन्होंने इस काफिले को रवाना करने में हिस्सा लिया, उन्होंने कहा कि यह फंड और नागरिक समाज संस्थाओं द्वारा गाजा में फिलिस्तीनी लोगों को सहायता और राहत प्रदान करने के लिए भेजा जा रहा पांचवां काफिला है।

गोमा पर विद्रोहियों का कब्जा

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने पूर्वी कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा पर कब्जा कर लिया है। कांगो सरकार ने कहा कि विद्रोहियों का इस ओर बढ़ना युद्ध की घोषणा है वहीं संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि शहर के 20 लाख लोग भारी दहशत में हैं। विद्रोहियों ने गोमा शहर पर कब्जे की घोषणा, कांगो सेना को हथियार डालने के लिए उनके द्वारा दी गई 48 घंटे की समय-सीमा समाप्त होने से कुछ समय पहले की। विद्रोहियों ने गोमा के लोगों से शांत रहने और कांगो सेना के सदस्यों से केंद्रीय स्टेडियम में एकत्र होने के लिए कहा।

परमाणु ताकत बढ़ा रहा है उत्तर कोरिया

उत्तर कोरिया अपनी परमाणु ताकत बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने उत्पादन बेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देश की परमाणु क्षमता को मजबूत करने का आह्वान किया। किम के दौरे से साफ है कि अमेरिका से तनाव के बीच उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का विस्तार कर रहा है। कोरियन न्यूज एजेंसी के मुताबिक किम ने परमाणु सामग्री उत्पादन बेस और परमाणु हथियार संस्थान का दौरा किया। हालांकि यह नहीं बताया गया कि ये संस्थान कहां हैं, मगर जानकारों के अनुसार तस्वीरों को देख लग रहा है कि वे यूरेनियम-संवर्धन केंद्र गए थे। किम ने परमाणु हथियार उत्पादन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिकों की प्रशंसा की। साथ ही हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री के उत्पादन की योजना और देश के परमाणु कवच को मजबूत करने में युगांतकारी सफलताएं प्राप्त करने की आवश्यकता बताई।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर किया राष्ट्र को संबोधित

समावेशी विकास प्रगति की आधारशिला है, इससे विकास का लाभ देशवासियों तक पहुंचता है - राष्ट्रपति

- भारत-भूमि महान भाषाई विविधता से समृद्ध है।
- औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष लंबे समय तक हमारे अंदर विद्यमान रहे।
- हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ हमारा जुड़ाव और अधिक गहरा हुआ है।
- सरकार ने जन-कल्याण को नई परिभाषा दी है।
- वंचित वर्गों की सहायता के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।
- आज की हमारी युवा पीढ़ी कल के भारत का निर्माण करेगी।
- 75 वर्ष पहले, 26 जनवरी के दिन, भारत गणराज्य का आधार ग्रंथ यानी भारत का संविधान लागू हुआ था।

लगभग तीन वर्ष के विचार-विमर्श के बाद, संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान को अंगीकृत किया था। इसी उपलक्ष्य में 26 नवंबर का दिन, वर्ष 2015 से संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस का उत्सव, सभी देशवासियों के लिए सामूहिक उल्लास और गौरव का विषय है। यह कहा जा सकता है कि किसी राष्ट्र के इतिहास में 75 साल का समय, पलक झपकने जैसा होता है। लेकिन मेरे विचार से, भारत के पिछले 75 वर्षों के संदर्भ में, ऐसा बिल्कुल नहीं कहा जा सकता है। यह बात राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रपति ने कहा कि यह वह कालखंड है जिसमें, लंबे समय से सोई हुई भारत की आत्मा फिर से जागी है और हमारा देश विश्व-समुदाय में अपना समुचित स्थान प्राप्त करने के लिए अग्रसर हुआ है। उन्होंने कहा कि विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में शामिल भारत को, ज्ञान और विवेक का उद्गम माना जाता था। लेकिन, भारत को एक अंधकारमय दौर से गुजरना पड़ा। औपनिवेशिक शासन में, अमानवीय शोषण के कारण देश में घोर गरीबी व्याप्त हो गई।

लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से जीवंत बनाया

राष्ट्रपति ने कहा कि बीसवीं सदी के आरंभिक दशकों में, स्वाधीनता सेनानियों के संघर्षों ने संगठित राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले लिया। देश का सौभाग्य था कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और बाबासाहेब अंबेडकर जैसी महान विभूतियों ने हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से जीवंत बनाया। न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता केवल सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं हैं जिनका परिचय हमें आधुनिक युग में प्राप्त हुआ हो। ये जीवन-मूल्य तो सदा से हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग रहे हैं। नव-स्वाधीन भारत के संविधान और गणराज्य के भविष्य को लेकर जो आलोचक संदेह व्यक्त करते थे, उन लोगों को इन्हीं जीवन-मूल्यों के बल पर पूरी तरह से गलत सिद्ध किया जा सका।

युवा गणतंत्र की सर्वांगीण प्रगति के साक्षी

राष्ट्रपति ने कहा कि युवा गणतंत्र की सर्वांगीण प्रगति के साक्षी हैं। स्वाधीनता के समय और उसके बाद भी देश के बड़े हिस्से में घोर गरीबी और भुखमरी की स्थिति थी, लेकिन हमारा आत्मविश्वास कभी डिगा नहीं। हमने ऐसी परिस्थितियों के निर्माण का संकल्प लिया जिनमें सभी को विकास का अवसर मिले। हमारे किसान भाई-बहनों ने कड़ी मेहनत कर देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। पिछले कुछ वर्षों में, आर्थिक विकास की दर लगातार ऊंची रही है, जिससे युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं, किसानों और मजदूरों के हाथों में पैसा आया तथा बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

राष्ट्र की नियति को आकार देने में सक्रिय

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में भी दिखाई देता है। उस सभा में देश के सभी हिस्सों और सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व था। उल्लेखनीय बात यह है कि संविधान सभा में सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, सुचेता कृपलानी, हंसाबेन मेहता और मालती चौधरी जैसी 15 असाधारण महिलाएं भी शामिल थीं। दुनिया के कई हिस्सों में जब महिलाओं की समानता को एक सुदूर आदर्श समझा जाता था तब भारत में महिलाएं राष्ट्र की नियति को आकार देने में सक्रिय योगदान दे रही थीं।

इसरो ने अपना 100वां मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने अपना 100वां मिशन पूरा किया है। इसरो ने एक नया नेविगेशन सैटेलाइट लॉन्च किया। यह मिशन इसरो के नए अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन के नेतृत्व में हुआ। यह सैटेलाइट भारत और आसपास के क्षेत्रों में बेहतर नेविगेशन सेवाएं देगा। यह इसरो का वर्ष 2025 में पहला मिशन भी है।

इसरो ने श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी रॉकेट के जरिए सैटेलाइट लॉन्च किया। यह लॉन्च इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन के लिए खास था। उन्होंने 13 जनवरी को पदभार संभाला था। यह उनके नेतृत्व में पहला मिशन था। इससे पहले इसरो ने 30 दिसंबर, 2024 को अपना 99वां मिशन पूरा किया था। उस मिशन में अंतरिक्ष में दो यानों को जोड़ने का प्रयोग सफल रहा था।

वैज्ञानिकों ने सेट किया प्रलय की घड़ी का नया समय

- आधी रात के सबसे करीब सेट हुई डूम्सडे क्लॉक।
- परमाणु बम बनाने वाले वैज्ञानिकों ने बनाई थी प्रलय घड़ी।

परमाणु वैज्ञानिकों ने 78 साल पहले एक अनोखी घड़ी बनाई थी, जिसे डूम्सडे क्लॉक (प्रलय की घड़ी) नाम दिया गया था। यह इस बात का एक प्रतीकात्मक प्रयास था कि इंसान दुनिया को नष्ट करने के कितने करीब है। 28 जनवरी को इस घड़ी को फिर से सेट करके आधी रात से 89 सेकंड पहले कर दिया गया है। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट के अनुसार, आधी रात उस क्षण के बारे में बताती है जब पृथ्वी इंसानों के रहने लायक नहीं होगी और सर्वनाश हो जाएगा। इससे पहले के दो वर्षों के लिए बुलेटिन ने यूक्रेन पर रूस हमले, परमाणु हथियारों की दौड़ की संभावना, गाजा में इजरायल-हमास संघर्ष और जलवायु संकट के कारण घड़ी को आधी रात से 90 सेकंड पहले सेट किया था। इस तरह वैज्ञानिकों ने इसे 1 सेकंड पहले सेट किया है।

भारत-यूएई साझेदारी

विदेश मंत्री ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस से की मुलाकात

भारतीय विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। इस मुलाकात के बारे में श्री जयशंकर ने 'एक्स' पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस अल नाहयान से मिलकर खुशी हुई। हमने उनके हाल ही के भारत दौरे की यादें ताजा कीं और भारत-यूएई साझेदारी को और आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

साझेदारी को आगे बढ़ाने पर हुई चर्चा

इससे पहले, श्री एस. जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार अनवर गर्गश से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी पर चर्चा हुई। इसकी जानकारी विदेश मंत्री ने एक्स पर दी और लिखा, यूएई के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार अनवर गर्गश से मिलकर खुशी हुई। हमने अपनी विशेष साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

वर्ष 1972 से हैं भारत और यूएई के बीच राजनयिक संबंध

ज्ञात रहे कि श्री एस. जयशंकर 27 से 29 जनवरी तक यूएई के दौरे पर थे। उनका मकसद भारत और यूएई के संबंधों को और भी मजबूत करना है। भारत और यूएई के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1972 में स्थापित हुए थे। उस समय यूएई ने भारत में अपना दूतावास खोला था और भारत ने वर्ष 1973 में यूएई में अपना दूतावास खोला। तब से यह संबंध मजबूत होते गए हैं।

आईआईटी गुवाहाटी ने विकसित किया 'पेरोव्स्काइट नैनोक्रिस्टल'

आईआईटी गुवाहाटी ने जीवित कोशिकाओं और पर्यावरण में हानिकारक धातुओं की उपस्थिति का पता लगाने के लिए किफायती तरीका विकसित किया है। 'पेरोव्स्काइट नैनोक्रिस्टल' नवाचार जैविक प्रणालियों में धातु विषाक्तता का पता लगाकर रोग निदान एवं पर्यावरण निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यह रिपोर्ट 'जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री सी' और 'मैटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री' में प्रकाशित हुई है।

मानव बाल से लगभग एक लाख गुना छोटे ये नैनोक्रिस्टल प्रकाश के साथ संपर्क करते हैं, जिससे वे जीवित कोशिकाओं के अंदर 'फ्लोरोसेंट' जांच के रूप में काम करने में सक्षम होते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।